शुक्रवार
23 फरवरी 2024

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

आपकी आवाज

वीर कुंवर सिंह सेतु पर टकराई दो ट्रक प्रतापसागर तक लगा महाजाम

3

प्रमुख खबरें : दिल्ली ■ पटना ■ बक्सर ■ शाहाबाद ■ मगध ■ सारण ■ मिथिलांचल ■ चंपारण ■ पूर्वांचल ■ लखनऊ

गोरखपुर में आयोजित कार्यक्रम में बोले सीएम

विकसित देश-प्रदेश के लिए निवेश जरूरी: योगी

- गीडा को 1040 करोड़ रुपये की 20 परियोजनाओं की सीएम योगी ने दी सौगात
- 300 करोड़ रुपये की एसडी इंटरनेशनल की प्लास्टिक रिसाइक्लिंग एवं फूड पैकेजिंग कंटेनर यूनिट का हुआ शिलान्यास

रविकिशन बोले... सीएम योगी ने यूपी को सुरक्षा और निवेश का प्रदेश बना दिया

विकास परियोजनाओं के लोकार्पण एवं शिलान्यास समारोह में सांसद रविकिशन शुक्ल ने कहा कि सीएम योगी ने उत्तर प्रदेश को बीमारू और माफियागिरी की छवि से निकाल कर सुरक्षा और निवेश का प्रदेश बना दिया है। सीएम ने ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में मिले निवेश प्रस्तावों में से दस लाख करोड़ रुपये की परियोजनाओं को धरातल पर उतार दिया है। उनके मार्गदर्शन में गीडा निवेश परियोजनाओं की नजीर पेश कर रहा है।

केटी न्यूज/गोरखपुर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में डबल इंजन की सरकार का लक्ष्य विकसित भारत बनाने का है। विकसित भारत के इस संकल्प को पूरा करने के लिए उत्तर प्रदेश को विकसित बनाना होगा और इसके लिए गोरखपुर को विकसित करना होगा। विकसित देश, प्रदेश और जनपद के इस संकल्प को पूर्ण करने के लिए औद्योगिक निवेश भी आवश्यक है।

सीएम योगी गुरुवार को गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण (गीडा) क्षेत्र को 1040 करोड़ रुपये की 20 परियोजनाओं की सौगात देने के बाद गीडा के सेक्टर 13 में आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर उन्होंने गीडा की 650 करोड़ रुपये की अनुमानित आय वाली कालेसर आवासीय टाउनशिप योजना को लांच करने के साथ 300 करोड़ रुपये के निवेश वाली एसडी इंटरनेशनल की प्लास्टिक रिसाइक्लिंग एवं फूड पैकेजिंग कंटेनर यूनिट का शिलान्यास तथा 90 करोड़ रुपये के 18 विकास कार्यों का लोकार्पण व शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि औद्योगिक विकास और रोजगार के क्षेत्र में जो परिणाम दिख रहा है, वह बेहतर कानून व्यवस्था, अच्छी सरकार और अच्छे जनप्रतिनिधियों के चुने जाने का परिणाम है। जब नीयत अच्छी होती है तो परिणाम भी अच्छे आते हैं। आज गीडा नई ऊंचाइयों को छू रहा है। गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे का काम जल्द ही पूरा हो जाएगा। तब लखनऊ जाने के लिए दो रूट हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र औद्योगिक क्लस्टर के रूप में विकसित हो, इसके लिए बीते कुछ वर्षों में तमाम प्रयास हुए हैं। गीडा में वरुण ब्रेवरेज, केयान डिस्टलरीज, सीपी मिल्क, तत्वा प्लास्टिक, सेंट्रल वेयरहाउसिंग कॉरपोरेशन, इंडिया ऑटोव्हील्स, बालाजी प्रोसेसर्स, रूंगटा इंडस्ट्रीज, कपिला कृषि उद्योग, सिंह पेपर प्रोजेक्ट के निवेश का उल्लेख करते हुए योगी ने कहा कि इन्हीं निवेश परियोजनाओं से करीब 5000 युवाओं को यहीं नौकरी व रोजगार उपलब्ध होगा।

भविष्य का बिहार मीडिया कॉन्क्लेव का आयोजन कल

केटी न्यूज/पटना

राजधानी पटना में शनिवार को एक कॉन्क्लेव होने जा रहा है। भविष्य का बिहार नाम से इस कॉन्क्लेव में प्रदेश के दोनों डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा और सम्राट चौधरी मौजूद रहेंगे। इसके साथ ही प्रदेश सरकार में जदयू कोटे से मंत्री अशोक चौधरी, विजय चौधरी के अलावा नए राज्यसभा सांसद संजय झा भी होंगे। इसके अलावा एनडीए गठबंधन के एक और सहयोगी वीआईपी पार्टी के मुकेश सहनी भी कॉन्क्लेव में अपनी बात रखेंगे। इसके अलावा विपक्ष का पक्ष रखने आरजेडी के तेज तर्रार नेता सुधाकर सिंह भी इस कॉन्क्लेव में शामिल होंगे।

समाचार के क्षेत्र में नया लेकिन अनुभवी पत्रकारों द्वारा शुरू किया गया संगठन द भारतनाउ (The Bharat Now) और केशव टाइम्स (KESHAV TIMES) बिहार के भविष्य पर ये कॉन्क्लेव आयोजित कर रहा है। इस कॉन्क्लेव में राजनीति से इतर विकास और विकास के लिए रणनीति पर चर्चा होगी। कॉन्क्लेव में आने वाले राजनेता युवाओं का योगदान और भूमिका, महिलाओं का योगदान और भूमिका, शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्र में भविष्य की रणनीति और सरकार की भूमिका, सरकार से उम्मीद से विषयों पर अपनी बात रखेंगे। विकास के पैमानों में सबसे महत्वपूर्ण शिक्षा, रोजगार, निवेश और कानून व्यवस्था पर सरकार हो या विपक्ष उसकी क्या सोच है, क्या रणनीति है, इसको लेकर चर्चा होगी। 10 सालों में बिहार एक बीमार राज्य की श्रेणी से निकल विकसित राज्यों की कतार में खड़ा हो सके। उसके लिए हमारे मेहमान अपने और अपने पार्टी के विचार रखेंगे।

यहां देखें भविष्य का बिहार कॉन्क्लेव लाइव

शनिवार को द भारत नाउ (The Bharat Now) और केशव टाइम्स (KESHAV TIMES) का ये कॉन्क्लेव दोपहर तीन बजे हॉटल लेमन ट्री में शुरू होगा. इसका सीधा प्रसारण आप भारत नाउ (The Bharat Now) की वेबसाइट https://thebharatnow.in और यूट्यूब चैनल https://www.youtube.com/@TheBharatNow, @TheBharatNow, https://www.youtube.com/@thebharatnowinfotainment1042 पर देख सकते हैं। इसके साथ ही इसे केशव टाइम्स https://www.youtube.com/@keshavtimes5779 पर भी सीधा प्रसारित किया जाएगा।

बिहार आइकॉन अवार्ड

कार्यक्रम में प्रदेश के उन प्रतिभाओं को भी सम्मानित किया जाएगा जिन्होंने आर्थिक या सामाजिक स्तर पर बदलाव की नीव डालने की सोची और उस दिशा में कदम बढ़ाया। इस कॉन्क्लेव में राजनीति के क्षेत्र के अलावा प्रशासन और बिहार में पत्रकारिता जगत के बड़े नामों को भी शामिल किया गया है। जो न सिर्फ इस इवेंट की शोभा बढ़ाएंगे बल्कि अपने अनुभवों और विचारों से इस चर्चा को और गहराई प्रदान करेंगे।

संयुक्त किसान मोर्चा का ऐलान, आज देश भर में ब्लैक डे मनाएंगे

दिल्ली। एमएसपी पर कानून बनाने सहित कई अन्य मांगों को लेकर किसान आंदोलन की राह पर हैं। किसान नेता सरवन सिंह पंधेर ने कहा कि इस बारे में 23 फरवरी को फैसला लिया जाएगा। इस बीच संयुक्त किसान मोर्चा ने बड़ा ऐलान किया है। मोर्चा ने कहा कि वह 23 फरवरी को देश भर में ब्लैक डे मनाएंगे। इसके साथ ही 14 मार्च को रामलीला मैदान में प्रदर्शन करेंगे। वहीं 26 फरवरी को देश के हाइवे पर ट्रैक्टर मार्च निकाला जाएगा।

17 भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारियों की प्रोन्नति

केटी न्यूज/पटना

बिहार सरकार ने भारतीय प्रशासनिक सेवा में आए 17 अफसरों की प्रोन्नति की अधिसूचना जारी कर दी। ये अफसर राज्य असैनिक सेवा से प्रोन्नत होकर भारतीय प्रशासनिक सेवा में आए हैं। इसके अनुसार सुशील कुमार को भू-अर्जन, राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग में निदेशक-सह-अपर सचिव की जिम्मेदारी दी गई। किशोरी चौधरी को राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग का अपर सचिव, पुरुषोत्तम पासवान को राज्य निर्वाचन प्राधिकार का सचिव, उज्ज्वल कुमार सिंह , ग्रामीण कार्य विभाग का अपर सचिव बनाया गया है। विनय कुमार राय को पर्यटन निदेशालय का निदेशक बनाया गया है। साथ ही पथ निर्माण विभाग के अपर सचिव का अतिरिक्त प्रभार भी दिया गया है।

नरेंद्र झा को कटिहार का बंदोस्त पदाधिकारी बनाया गया है। रंजनीकांत को लखीसराय का समाहर्ता एवं जिला पदाधिकारी, संजय कुमार को राज्यपाल सचिवालय का विशेष कार्य पदाधिकारी बनाया गया है। शशंका शेखर सिन्हा को जल संसाधन विभाग का अपर सचिव, मुकेश कुमार सिन्हा को राज्य निर्वाचन आयोग का सचिव बनाया गया है। निर्मल कुमार को लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग का अपर सचिव, शिव कुमार शैव को किशनगंज का बंदोबस्त पदाधिकारी बनाया गया है। धीरेंद्र पासवान को पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग का अपर सचिव, अरविंद मंडल को ग्रामीण विकास विभाग का अपर सचिव बनाया गया है। अनिल चौधरी को मधुबनी नगर निगम का नगर आयुक्त बनाया गया है। विश्वनाथ चौधरी को सहरसा का बंदोबस्त पदाधिकारी और ब्रजेश कुमार को मधेपुरा का बंदोबस्त पदाधिकारी बनाया गया है।

आईपीएल के 17वें सीजन का आगाज 22 मार्च से

मुंबई। आईपीएल के 17वां सीजन का आगाज 22 मार्च से होगा। आईपीएल 2024 की शुरूआत चेन्नई में होगी। इतना ही नहीं बल्कि चेपॉक में इस बार आईपीएल 2024 की ओपनिंग सेरेमनी भी होगी। वहीं 26 मई को आईपीएल 2024 का फाइनल खेला जाएगा। जानकारी के अनुसार 17वें सीजन का पहला मैच पिछले साल के विनर चेन्नई सुपर किंग्स और रनर्स अप गुजरात टाइटंस के बीच खेला जाएगा।

शौच करने गए बुजुर्ग किसान संदिग्ध स्थिति में जख्मी, गोली लगने की चर्चा

- कोईलवर थाना क्षेत्र के नारायणपुर गांव के दोपहर की घटना
- गोली नहीं, नुकीली चीज या कांटा लगने से किसान जख्मी : एसपी

केटी न्यूज/आरा

कोईलवर थाना क्षेत्र के नारायणपुर गांव में गुरुवार की दोपहर शौच करने बधार में गये एक बुजुर्ग किसान को संदिग्ध स्थिति में जख्मी हो गए। उन्हें गोली लगने की बात कही जा रही है। हालांकि पुलिस गोली लगने से इनकार कर रही है। जख्मी किसान नारायणपुर गांव निवासी 65 वर्षीय पुत्र जवाहर राय है। उनका इलाज आरा सदर अस्पताल में इलाज कराया जा रहा है। घटना को लेकर गांव में देर तक अफरा-तफरी मची रही। सूचना मिलने पर थानाध्यक्ष नरोत्तम चंद्र पुलिस बल के साथ फौरन घटनास्थल पर पहुंचे और मामले की छानबीन की। उन्होंने किसान और उनके परिजनों से घटना के बारे में जानकारी भी ली। इधर, किसान ने बताया कि गुरुवार की दोपहर वह गांव के बधार में शौच करने निकले थे। तभी अचानक उनके दाहिने के बांह पर चोट लगने जैसा महसूस हुआ। उसके बाद वह घर पहुंचे और परिवार के अन्य सदस्यों को घटना की जानकारी दी। तब परिजन ने देखा कि उनके दाहिने बांह से काफी खून बह रहा है और उनका कपड़ा खून से लथपथ था। उसके बाद ग्रामीण चिकित्सक को बुलाया गया। चिकित्सा द्वारा बताया गया कि किसान को गोली लगी है। उसके बाद इलाज के लिए कोईलवर पीएचसी लाया गया। वहां प्राथमिक उपचार करने के बाद उन्हें आरा सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। किसान जवाहर राय ने बताया कि पता नहीं चल सका कि गोली कैसे लगी। उन्होंने गांव में किसी से विवाद और दुश्मनी से साफ इनकार किया है। एसपी प्रमोद कुमार यादव ने बताया कि सूचना मिलने की थोड़ी देर बाद ही एएसपी परिचय कुमार ने घटनास्थल का जायजा लिया और घायल व्यक्ति से पूछताछ की। उसमें पता चला कि किसान शौच करने गये थे। शायद किसी कटि या नुकीली चीज से छिल गया था। सदर अस्पताल के डॉक्टर ने भी बोला कि किसी नुकीली चीज से छिल गया है। उन्होंने कहा कि गोली लगने की बात अफवाह और झूठी है।

पुलिस पर रोड़ेबाजी कर बालू लदा ट्रैक्टर ले भागे माफिया

केटी न्यूज/आरा

भोजपुर में सहार थाना क्षेत्र के ननऊर-बरूना रोड पर मुदफ्फरपुर गांव के समीप बालू माफियाओं द्वारा अजीमाबाद थाने की पुलिस टीम पर हमला बोल दिया गया। उस दौरान टीम पर रोड़ेबाजी कर माफिया अवैध बालू लदे दो ट्रैक्टर भी छुड़ा ले भागे। घटना गुरुवार की सुबह करीब आठ बजे की बताई जा रही है। हालांकि रोड़ेबाजी में किसी पुलिस कर्मी को चोट आने की सूचना नहीं है।

रोड़ेबाजी की सूचना मिलने पर सहार थाने की पुलिस जबतक पहुंचती तब तक माफिया भाग चुके थे। इस मामले में अजीमाबाद थानाध्यक्ष ब्रजेश कुमार द्वारा बालू माफिया के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। बताया जा रहा है कि पुलिस को अवैध बालू लदे दो ट्रैक्टर के करबासीन के रास्ते जाने की सूचना मिली। उस आधार पर अजीमाबाद थाने की पुलिस द्वारा की ओर से छापेमारी की गयी। पुलिस को देख अवैध बालू लदा ट्रैक्टर ननऊर के रास्ते मुदफ्फरपुर की ओर भागने लगा। तब पुलिस ने पीछा शुरू किया। इस बीच मुदफ्फरपुर के गांव से पहले पुलिया के समीप दस से पंद्रह की संख्या में पहुंचे बालू माफियाओं द्वारा अचानक पुलिस वाहन पर रोड़ेबाजी की जाने लगी। उससे पुलिस वाहन का पीछे का शीशा टूट गया। वहीं उन माफियाओं द्वारा पथराव की आड़ में दोनों अवैध बालू लदे ट्रैक्टर को ले भागे। पीरो एसडीपीओ राहुल सिंह ने बताया कि अभियुक्तों की पहचान कर कार्रवाई की जा रही है। प्राथमिकी दर्ज कर ली गयी है।

खबरें फटाफट

उपहारा थाना के आरक्षी ने मारपीट का लगाया आरोप मामला दर्ज

औरंगाबाद । मंगलवार को सुबह टहलने के लिए गए थाना के आरक्षी और उनके साथ अन्य जवानों के साथ गाली गलौज एवं मारपीट करने के मामले में आरक्षी ओम प्रकाश के लिखित तहरीर के आधार उपहारा थाना में कांड दर्ज किया गया है जिसमे चिन्हित कर सात लोगो को नामजद अभियुक्त बनाया गया है एवं एक दर्जन से अधिक अज्ञात लोगो को आरोपी बनाया गया है। थानाध्यक्ष किरण कुमारी ने बताया की मंगलवार के सुबह थाना के सिपाही पुनपुन नदी पुल के तरफ घूमने के लिए गए थे उसी दौरान वहा मौजूद कुछ मनचले लोगो से तू तू मैं मैं हुई उसके पश्चात उक्त लोगो पर गाली गलौज और मारपीट करने का आरोप है । सिपाही ओम प्रकाश के बयान पर कांड दर्ज करते हुए अनुसंधान जारी है ।

सड़क दुर्घटना में दो युवक घायल

औरंगाबाद । मुफस्सिल थाना क्षेत्र के कुंडा गांव के समीप दो बाइकों के आमने-सामने की टक्कर में बाइक सवार दो युवक घायल हो गए। घायलों में सिमरा थाना क्षेत्र के बलावलपुर गांव निवासी राहुल कुमार एवं अभिषेक कुमार शामिल है। जानकारी के अनुसार दोनों युवक कुंडा से अपने घर लौट रहे थे। इसी क्रम में दोनों घायल हो गए। घटना के बाद दोनों का इलाज सदर अस्पताल में कराया गया।

इगुना में करंट लगने से अधेड़ झुलसा

औरंगाबाद। मुफस्सिल थाना क्षेत्र के इगुना गांव में बिजली करेंट की चपेट में आने से एक 55 वर्षीय अधेड़ व्यक्ति घायल हो गए। अधेड़ की पहचान गांव के ही नीरज मेहता के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार नीरज अपने घर पर काम कर रहे थे। इसी दौरान करेंट की चपेट में आने से घायल हो गए। घटना के बाद परिजनों ने इलाज के लिए सदर अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने इलाज किया।

शाहपुर थाना क्षेत्र के चक्की नौरंगा गांव की बुधवार की रात की घटना

बारात में भोज खाने के बाद आधा दर्जन से अधिक लोग बीमार, मची अफरातफरी

केटी न्यूज/आरा

भोजपुर के शाहपुर थाना क्षेत्र के चक्की नौरंगा गांव में बुधवार की रात गांव में बारात में भोज खाने से आधा दर्जन से अधिक लोग बीमार पड़ गए। पुड़ी, बुंदिया और सब्जी खाने के बाद इन लोगों की तबीयत बिगड़ने लगी। सभी को को उल्टी और दस्त की शिकायत है। उनमें गंभीर हालत में भाई-बहन समेत चार लोगों को इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया है। उनमें चक्की नौरंगा गांव निवासी वरुण ठाकुर का 12 वर्षीय पुत्र अमन ठाकुर, 10 वर्षीया पुत्री अंजली कुमारी, त्रिलोकी ठाकुर का 16 वर्षीय पुत्र अभिषेक ठाकुर और संतोष ठाकुर का 14 वर्षीय पुत्र चंदन ठाकुर शामिल हैं। अन्य बीमार लोगों का इलाज नजदीकी अस्पताल में कराया जा रहा है। गांव के रहने वाले रितेश कुमार राय ने बताया कि बुधवार की रात गांव में एक बारात आयी। उसमें सभी लोगों का आमंत्रण था। उसी में सभी लोगों ने बारात में पुड़ी, बुंदिया और सब्जी सहित एवं अन्य व्यंजन खायी थी। उसके कुछ देर बाद ही इन लोगों की तबीयत बिगड़ने लगी और उन्हें उल्टी व दस्त होने लगा। उसके बाद सभी को इलाज के लिए शाहपुर रेफरल अस्पताल ले जाया गया। उनमें गंभीर हालत में अभिषेक ठाकुर,चंदन ठाकुर, अमन ठाकुर और अंजली कुमारी को इलाज के लिए सदर अस्पताल लाया गया। अन्य लोगों का इलाज शाहपुर रेफरल अस्पताल में कराया जा रहा है। इधर, भोज खाने के बाद आधा दर्जन से अधिक लोगों के बीमार पड़ने से गांव में अफरातफरी मच गयी।

दवा लेकर आने के दौरान आरा में अनियंत्रित होकर कार पेड़ से टकराई, चालक की मौत

आरा। भोजपुर जिले के कृष्णगढ़ थाना क्षेत्र के बलुआ बाजार में गुरुवार की सुबह अनियंत्रित होकर टोयोटा कार पेड़ से टकरा गई। हादसे में चालक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटना को लेकर लोगों के बीच अफरा-तफरी का आलम रहा। सूचना मिलते ही कृष्णागढ़ थानाध्यक्ष पवन कुमार पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और शव अपने कब्जे में लेकर उसका पोस्टमार्टम सदस्य अस्पताल में करवाया।

जानकारी के अनुसार मृतक बिहिया थाना क्षेत्र के कटेया गांव निवासी स्व.राधा मिश्रा के 59 वर्षीय पुत्र जितेंद्र मिश्रा है। वह पेशे से एंबुलेंस चालक थे एवं प्राइवेट एंबुलेंस चलाते थे। इधर मृतक के छोटे भाई बिजेन्द्र मिश्रा ने बताया कि वह बुधवार की सुबह कार से अपना दवा लाने के लिए गया गए थे। दवा लेने के बाद लौटने के क्रम में वह बुधवार की रात में पटना रुक गए। इसके बाद गुरुवार की सुबह वह पटना से गांव के लिए चले थे। उसी बीच बलुआ बाजार पर उनकी टोयोटा कार अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई। जिससे उनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। उसके बाद पुलिस द्वारा इसकी सूचना गाड़ी मालिक को दी गई। इसके बाद गाड़ी मालिक द्वारा इसकी सूचना उनके परिजनों को दी गई। बताया जाता है कि मृतक अपने पांच भाइयों में दूसरे स्थान पर थे। उनके परिवार में पत्नी उमा देवी,चार पुत्र रोहित मिश्रा,चंदन मिश्रा,दीपू मिश्रा, विकास मिश्रा एवं दो पुत्री रेखा कुमारी एवं गुड़िया कुमारी है। घटना के बाद मृतक के घर में कोहराम मच गया है। घटी इस घटना के बाद मृतक की पत्नी उमा देवी एवं परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

एक नजर

तेजस्वी यादव का औरंगाबाद में कार्यक्रम आज

औरंगाबाद । नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव जन विश्वाश यात्रा के तहत शुक्रवार को औरंगाबाद के गांधी मैदान में जन सभा को संबोधित करेंगे। लौटने के क्रम में उनका गोह में भव्य स्वागत किया जायेगा। इस बात की जानकारी देते हुए हसपुरा प्रखंड के राजद प्रवक्ता रविन्द्र यादव ने बताया कि जन विश्वास यात्रा को सफल बनाना हम सभी कार्यकर्ता की प्राथमिकता है। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव इस यात्रा के माध्यम से जनता का दिल और विश्वास जीतने के लिए निकले हैं, जो काम 17 साल में एनडीए के सरकार में नहीं हुआ 17 महीना में महागठबंधन की सरकार ने करने का काम किया है। श्री यादव ने कहा कि 17 महीने में 5 लाख युवाओं को नौकरी और रोजगार देने का महागठबंधन की सरकार ने काम किया है। राजद जिला मजदूर प्रकोष्ठ के अध्यक्ष अजय डॉन एवं गोह विधान सभा राजद प्रखंड प्रवक्ता रविंद्र यादव एवं गुड्डू ने बताया कि तेजस्वी यादव को जनता की अदालत में पूरा विश्वास मिलेगा। तेजस्वी यादव बिहार के आम-आवाम के दिल में बैठ गए हैं।

स्कोर्पियो की टक्कर से महिला की मौत

औरंगाबाद। नवीनगर प्रखंड के माली थाना क्षेत्र के बसौरा गांव के समीप बुधवार की देर शाम स्कॉर्पियो की चपेट में आने से एक 50 वर्षीय महिला की मौत हो गई। जबकि इस घटना में एक महिला एवं किशोरी गंभीर रूप से घायल हो गई। मृतका की पहचान मुफस्सिल थाना क्षेत्र के गुरगईया-कर्मा गांव निवासी सुरेंद्र यादव की पत्नी लालती देवी के रूप में हुई है। घायलों में बसौरा गांव के ही 40 वर्षीय उर्मिला देवी एवं 10 वर्षीय कुसमी कुमारी हैं। सदर अस्पताल में पोस्टमार्टम के दौरान परिजनों ने बताया कि लालती अपनी मायके बसौरा में ही रहती थी। बुधवार की शाम तीनों शौच के लिए निकली थीं, जैसे ही तीनों गांव से थोड़ी दूर आगे बढ़ी तभी एक तेज रफ्तार अनियंत्रित स्कॉर्पियो ने सभी को रौंद दिया जिससे तीनों गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना के बाद चालक स्कॉर्पियो लेकर फरार हो गया। मौके पर स्थानीय लोगों की भीड़ इकठ्ठा हो गई जिनके द्वारा आनन-फानन में तीनों को इलाज के लिए सदर अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने लालती देवी को मृत घोषित कर दिया।

नवनिर्वाचित बार पदाधिकारियों को जिला जज ने दिलाई शपथ

औरंगाबाद। जिला विधिज्ञ संघ में नवनिर्वाचित कार्यसमिति का 27 सदस्यीय टीम का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया जिसमें सभी नव निर्वाचित पदाधिकारियों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाते हुए प्रमाण-पत्र प्रदान किए। इस समारोह में मुख्य अतिथि ज़िला एवं सत्र न्यायाधीश अशोक राज, परिवार न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश सत्य भूषण आर्य, उपभोक्ता अदालत के न्यायाधीश संजय कुमार सहित अन्य न्यायधीश मौजूद रहे। ज़िला एवं सत्र न्यायाधीश अशोक राज ने कहा कि न्यायिक प्रक्रिया में बार एवं बेंच के बीच बेहतर सामंजस्य से ही सम्पूर्ण न्याय की परिकल्पना को साकार किया जा सकता है। उन्होंने न्यायालय में बार एवं बेंच के मधुर संबंधों को लेकर प्रशंसा व्यक्त की। कार्यक्रम की अध्यक्षता कार्यकारी अध्यक्ष मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी महेंद्र प्रसाद सिंह ने किया। वहीं संचालन अधिवक्ता प्रमेन्द्र मिश्रा ने किया। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी महेंद्र प्रसाद सिंह ने नव निर्वाचित अध्यक्ष विजय कुमार पाण्डेय,

महासचिव जगनारायण सिंह, कोषाध्यक्ष प्रदीप कुमार, उपाध्यक्ष उदय कुमार सिन्हा, क्षितिज रंजन, सुर्दशन यादव, संयुक्त सचिव सियाराम पांडे, प्रमोद कुमार सिंह, दिलीप कुमार सिंह, सहायक सचिव पद पर सतीश कुमार स्नेही, श्याम नंदन तिवारी, पवन कुमार सिंह, वरिष्ठ सदस्य मिथिलेश कुमार, यमुना प्रसाद सिंह, मो. अकमल हसन, महेश प्रसाद सिंह, विनय कुमार मिश्रा, अंकेक्षक-पद पर अनिल कुमार सिन्हा, निगरानी सदस्य अनिल आशुतोष, पुस्तकालय अध्यक्ष चंद्रकांता कुमारी, कार्यसमिति सदस्य विनय द्विवेदी, नीरज कुमार सिंह, योगेश कुमार मिश्रा, सुरेश प्रसाद, धनश्याम ठाकुर, इम्तेयाज अंसारी एवं संजय कुमार को प्रमाण पत्र देकर शपथग्रहण कराया। इस अवसर पर निर्वाचन समिति के अध्यक्ष महेन्द्र प्रसाद सिंह, कामता प्रसाद सिंह, सरोज रंजन सिन्हा, अवध किशोर पांडे, अभय कुमार , धर्मराज शर्मा, मंतोष कुमार, बसंत सिंह, शमशेर सिंह सहित अन्य को सम्मानित किया गया। मौके पर नव निर्वाचित अध्यक्ष विजय कुमार पाण्डेय एवं महासचिव जगनारायण सिंह ने सभी अधिवक्ताओं के प्रति आभार व्यक्त किया है और कहा कि कार्यसमिति एवं आप सभी के सहयोग से चहुंमुखी विकास के कार्य होंगी। बार व बेंच के बीच समन्वय बनाकर मुवक्किलों के अधिक से अधिक वादों के निष्पादन पर जोर दिया जाएगा तथा लोक अदालत के लिए भरपूर सहयोग करेंगे। इस अवसर पर जिला विधिज्ञ संघ के पूर्व अध्यक्ष रसिक बिहारी सिंह, पूर्व महासचिव नागेंद्र सिंह, जिला अभियोजन पदाधिकारी उमेश कुमार, अनुमंडलीय अभियोजन पदाधिकारी संजय कुमार सिंह, नवीन कुमार आदि उपस्थित थे।

केसीसी का लाभ उठाएं, कृषि को बेहतर बनाएं

केटी न्यूज/जहानाबाद

मखदुमपुर प्रखंड के दया बिगहा मंदिर परिसर में स्टेट बैंक मखदुमपुर शाखा के द्वारा केसीसी कैंप का आयोजन किया गया। कैंप में किसानों से सीधे आवेदन लेकर केसीसी मुहैया कराया गया। इस अवसर पर 50 किसानों ने आवेदन दिया। इस अवसर पर किसानों को अधिक से अधिक संख्या में केसीसी बनवाने के लिए प्रोत्साहित किया गया। इससे होने वाले लाभ के बारे में जानकारी दी गई। सरकार कृषि में सुधार के लिए किसानों को आसान दर पर केसीसी के माध्यम से ऋण उपलब्ध करा रही है। इसका उपयोग कर आप लोग गांव के महाजन से दूर रह सकते हैं। समय पर खाद बीज एवं अन्य सामग्री खरीदने के लिए कर्ज लेना नहीं पड़ेगा। इस अवसर पर बैंक के अधिकारी केसीसी क्रेडिट अफसर संतोष कुमार गुप्ता, शाखा प्रबंधक राजीव कुमार रंजन, फील्ड ऑफिसर निशा कुमारी, स्थानीय मुखिया एवं बड़ी संख्या में किसान उपस्थित थे।

किसान सम्मान योजना के लिए जल्द करवाएं ई-केवाईसी

केटी न्यूज/औरंगाबाद

पीएम किसान सम्मान निधि योजना के तहत 16वीं किस्त पाने के लिए किसान बेसब्री के साथ इंतजार कर रहे हैं। पीएम किसान वेबसाइट पर आधिकारिक घोषणा के अनुसार, केंद्र सरकार फरवरी के अंत तक लाभार्थियों को पीएम किसान सम्मान निधि योजना की 16वीं किस्त वितरित करना निर्धारित किया गया जिसमे यह जानकारी वेबसाइट पर बताया गया है। इस संबध में ज़िला कृषि पदाधिकारी राम ईश्वर प्रसाद ने बताया कि सरकार से सुविधा उसे ही मिलेंगी जिसे इसकी जरूरत हो। ज़िले में कुल - 1,93,083 किसान पंजिकृत है जिसमें 12494 किसानों का ई-केवाईसी लंबित है, ऐसे में पीएम किसान सम्मान निधि योजना का लाभ लेने के लिए जल्द संबधित बैंकों में ई-केवाईसी करवाएं। योजना का लाभ पाने के लिए ई-केवाईसी जरूर है। अगर पात्र किसान ई-केवाईसी नहीं करते हैं तो उन्हें इस योजना का लाभ नहीं मिल पाएगा। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने पीएम किसान योजना के आधिकारिक पोर्टल पर 16वीं किस्त जारी होने का तारीख बता दी है। इसके मुताबिक, फरवरी के अंत तक लाभार्थियों के बैंक खाते में 16वीं किस्त के रूप में दो हजार रुपये भेजे जाएंगे।

श्री प्रसाद ने कहा कि इस योजना के तहत पात्र किसानों को सालाना रूप से 6000 रुपये की आर्थिक सहायता दी जाती है। यह मदद किसानों को 2-2 हजार करके हर 4 महीने के अंतराल पर 3 किस्तों में दी जाती है।

गायघाट के मुख्य पथ पर सालों से है जलजमाव, अंचल प्रशासन उदासीन

केटी न्यूज/सिमरी

- दलित बस्ती के पास मुख्य सड़क पर 200 फीट तक जलजमाव से ध्वस्त हो गई है सड़क
- जदयू के प्रदेश महासचिव ने डीडीसी से लगाई गुहार

स्थानीय प्रखंड के गायघाट गांव के मुख्य पथ पर वर्षों से नाली के पानी का जमाव हो गया है। जिस कारण इस गांव का प्रखंड मुख्यालय व अनुमंडल मुख्यालय से संपर्क बाधित हो रहा है। दलित बस्ती के पास सड़क के जर्जर होने तथा नाली के पानी के जमाव के कारण बस्ती वालों का घर से निकलना मुश्किल हो रहा है। इसके अलावे महिलाओं, बच्चें, बुजुर्गों व बीमारों की परेशानी बढ़ गई है। जबकि इस मामले में डीएम के निर्देश के बाद भी पिछले सात महीने से अंचल प्रशासन उदासीन बना हुआ है। अंचल प्रशासन को सात महीने में उक्त जगह का नक्शा नहीं मिल पाया है। जिस कारण मापी नहीं कराया गया जा सका है।

जदयू के प्रदेश महासचिव सह चर्चित होटल व्यवसायी विनोद राय ने जुलाई 2023 में ही बक्सर डीएम से मिल समस्या को अवगत कराते हुए इस पथ का निर्माण व नाली बनवाने की गुहार लगाई थी। तब डीएम ने तत्काल सिमरी सीओ को गायघाट में दलित बस्ती के पास मुख्य पथ व नाली निर्माण कराने का निर्देश दिया था। लेकिन आज तक सीओ को यहां का नक्शा नहीं मिला। वहीं गुरूवार को विनोद राय की पहल पर ही डीडीसी डॉ. महेन्द्र पाल गायघाट पहुंचे। इस दौरान जदयू नेता ने उनका जोरदार स्वागत किया तथा उन्हें दलित बस्ती के पास ले जाकर जल जमाव की समस्या को दिखाया। इसके बाद डीडीसी ने सीओ को फटकार लगाते हुए तत्काल इस पथ के मरम्मत तथा नाली निर्माण का निर्देश दिया है। देखना है डीडीसी के निर्देश पर अंचल प्रशासन इस पथ की मरम्मत कब तक करवाता है। जबकि सड़क की बदहाली को ले ग्रामीणों में जबदस्त आक्रोश है।

जदयू के प्रदेश महासचिव विनोद राय ने बताया कि यह गांव तथा दलित बस्ती का मुख्य पथ है। इसी पथ से गांव के लोग प्रखंड व अनुमंडल मुख्यालय जाते है। लेकिन, मुख्य पथ पर सालों से नाली का गंदा पानी जमा है। जलजमाव के साथ ही सड़क पर गड्ढा उभर जाने से भी लोगों को परेशानी हो रही है। खासकर रात में किसी तरह की आपात स्थिति में लोग घर से बाहर निकलने से भी डर रहे है।

घर में पलंग पर मृत मिली नवविवाहिता पोस्टमॉर्टम के लिए पुलिस ने भेजा शव

केटी न्यूज/डुमरांव

नया भोजपुर ओपी थाना क्षेत्र के नवाडेरा के निषाद टोली में एक नव विवाहिता की संदेहास्पद परिस्थिति में मौत हो गई है। वह अपने कमरे में पलंग पर मृत पाई गई। उसकी शादी अभी डेढ़ वर्ष पहले ही हुई थी तथा वह पांच महीने की गर्भवती थी। परिजनों ने ही इसकी सूचना स्थानीय पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में ले पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल बक्सर भेजा।

मृतका प्रिती चौधरी का मायका यूपी के बलिया जिले के राजपुर गांव है। मिली जानकारी के अनुसार निषाद टोली के उमेश चौधरी के पुत्र शंकर चौधरी व पंकज चौधरी की शादी डेढ़ वर्ष पूर्व बलिया राजपुर के सगी बहनों क्रमशः प्रिती व सोनी के साथ हुई थी। शादी के बाद से ही उनका एक छोटा भाई भी यही पर रह पढ़ाई करता है। गुरूवार को दोनों बहन खाना बना रही थी। इसी दौरान बारिश आ गई। जबकि घर के पुरूष सदस्य खेत पर काम करने गए थे। बारिश आने पर प्रिती अपने कमरे में चली गई। जब वह देर तक अपने कमरे से बाहर नहीं निकली तो उसकी बहन सोनी ने दरवाजा खटखटा उसे जगाने का प्रयास की। लेकिन, देर तक दरवाजा पिटने पर भी जब अंदर से कोई आवाज नहीं आई तो वह खेत पर काम कर रहे स्वजनों को इसकी सूचना दी। स्वजन किसी तरह दरवाजा खोल अंदर पहुंचे तो देखे कि वह अपने पलंग पर अचेतावस्था में पड़ी है। तब लोग उसे लेकर स्थानीय डॉक्टर के पास गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इस घटना के बाद गांव में कई तरह की चचाएं हो रही थी। हालांकि मृतका की बहन समेत परिवार के अन्य सदस्यों ने किसी तरह के विवाद से इंकार किया।

खबरें फटाफट

दुकानदार की पिटाई कर सोने की चेन छीना, मामला दर्ज

डुमरांव। नया भोजपुर ओपी थाना क्षेत्र के चिलहरी गांव में दुकानदार की पिटाई कर सोने का चेन छीने जाने का मामला प्रकाश में आया हैं। इस मामले में पीड़ित दुकानदार ने एक आरोपी के खिलाफ नामजद मामला दर्ज कराया है। पुलिस मामले को दर्ज कर जांच-पड़ताल शुरू कर दी है। पीड़ित चिलहरी गांव का रहने वाला श्रीराम दत्त सिंह के पुत्र रविकांत सिंह ने ओपी थाने में आवेदन देकर गांव के ही मिथिलेश राय के खिलाफ नामजद मामला दर्ज कराया है। पीड़ित दुकानदार ने पुलिस को दिये गये आवेदन में बताया है कि मैं बिल्डिंग मैटेरियल से संबंधित व्यवसाय करता हूं। गुरुवार को अचानक दुकान पर चढ़कर आरोपी गाली-गलौज करते हुए मेरे गले से करीब 75 हजार रुपये के सोने की चेन और शर्ट के पॉकेट से बिक्री के 25 हजार रुपये लेकर चलते बना। इस घटना के बाद मैं भयभीत हो गया। किसी तरह परिजनों से साहस मिला। ओपी थानाध्यक्ष मनीष कुमार ने बताया कि पुलिस मामले को दर्ज कर अनुसंधान शुरू कर दिया है।

बिजली चोरी मामले में चार पर जुर्माने के साथ केस दर्ज

डुमरांव। कोरानसराय थाना क्षेत्र के ग्रामीण इलाके में विद्युत आपूर्ति प्रशाखा चौगाईं के कनीय विद्युत अभियंता शैलेश कुमार के नेतृत्व में सघन छापेमारी अभियान चलाया गया, जिसमें बिजली चोरी करने के आरोप में चार लोगों के खिलाफ कोरानसराय थाना में प्राथमिकी दर्ज कर विद्युत ऊर्जा चोरी के दौरान विभाग को हुई राजस्व की क्षति के आरोप में जुमार्ना भी लगाया गया। दर्ज प्राथमिकी के अनुसार थाना क्षेत्र के मुगांव दखिनडेरा निवासी विद्यासागर सिंह पर 54712 रुपये, कोरानसराय निवासी घनश्याम मिश्रा पर 17435 रुपये तथा बसगीतियां गांव निवासी राजू रंजन पासवान पर 24673 रुपये व अनिल कुमार पासवान पर 14148 रुपये का जुमार्ना लगाते हुए मामला दर्ज कराया गया। बिजली विभाग के अधिकारियों की इस कार्रवाई के बाद अवैध रूप से बिजली जलाने वालों के बीच हड़कंप मच गया है।

हादसे के बाद बलिया व गाजीपुर जिलो में भी लोगों को भयंकर जाम से जूझना पड़ा

वीर कुंवर सिंह सेतु पर टकराई दो ट्रक प्रतापसागर तक लगा रहा महाजाम

केटी न्यूज/बक्सर

वीर कुंवर सिंह सेतु पर दो ट्रकों के आमने सामने की टक्कर हो गई। हादसा काफी भयंकर था तथा दोनों ट्रकों के परखच्चे उड़ गए। घटना सुबह चार बजे की है। हालांकि दोनों ट्रकों के चालक सुरक्षित है। इस हादसे के बाद एननएच 922 पर बक्सर से प्रताप सागर तक तथा यूपी के बलिया व गाजीपुर जिलो में भी लोगों को भयंकर जाम से जूझना पड़ा। दोपहर बाद तक जाम का दंश जारी रहा। दुर्घटना के बाद गंगा ब्रिज एनएचएआई की टीम तथा स्थानीय पुलिस पहुंच दोनो ट्रकों को क्रेन की मदद से हटाने का काम शुरू कराई। ट्रकों को हटाने के बाद भी जाम से निजात नहीं मिला। जाम के कारण सबसे अधिक दंश मुंडन संस्कार में जाने वाले श्रद्धालुओं को झेलना पड़ा। बता दें कि गुरूवार को मुंडन संस्कार को ले बड़ी संख्या में लोग बक्सर के रामरेखा घाट जा रहे थे। जिन्हें अहले सुबह से दोपहर तक लगे जाम के कारण काफी परेशान होना पड़ा। जाम के दौरान छोटे वाहन तो पुराने पुल से गुजर रहे थे। लेकिन बड़े वाहन जहां तहां फसे रहे। यही कारण है कि ट्रकों के हटने के बाद भी एनएच 922 को जाम से निजात नहीं मिल पाई थी। दोपहर बाद परिचालन शुरू जरूर हुआ, लेकिन, शाम से पहले परिचालन निर्बाध नहीं हो पाया था।

ओवरटेक करने के प्रयास में टकराई थी ट्रकें: मिली जानकारी के अनुसार गुरुवार की सुबह वीर कुंवर सिंह सेतु पर ट्रकों का परिचालन हो रहा था। इसी दौरान यूपी की तरफ से आ रही एक ट्रक अपने सामने वाली ट्रक को ओवरटेक करने के प्रयास में बक्सर से यूपी की तरफ जा रही ट्रक से टकरा गई। टक्कर के समय दोनों ट्रकों की स्पीड बहुत अधिक थी तथा ट्रक पूरी सड़क पर बिखर गई। जिसके बाद सड़क के दोनों तरफ जाम लग गया। घटना के बाद एनएच 922 पर अचानक वाहनों के परिचालन पर ब्रेक लग गया था। वही, हादसें की गंभीरता को देख वाहन चालकों में भगदड़ जैसी नौबत आ गई थी। दुर्घटना की आवाज दूर दूर तक सुनाई पड़ी थी। वही, इसकी जानकारी मिलते ही आस पास के लोगों के साथ ही स्थानीय प्रशासन भी मौके पर पहुंचा तथा राहत व बचाव कार्य में जुट गया। लेकिन, क्रेन आने के बाद ही ट्रकों को वहां से हटाया जा सका।

एनएच 922 पर दो भागों में लगा था जाम : घटना के बाद सबसे अधिक प्रभावित एनएच 922 हुआ। एनएच हाइवे पर बक्सर से टोल प्लाजा तक ट्रकों की लंबी लाईन लग गई। जबकि डुमरांव अनुमंडल की तरफ से जाने वाली ट्रकों को टोल प्लाजा के पहले रोका जा रहा था। यही कारण है कि बक्सर से प्रताप सागर तक जाम लगा था। दोपहर तक जाम से मुक्ति नहीं मिली थी। इसके बाद धीरे धीरे परिचालन सामान्य हुआ। पुलिस कर्मियों को काफी मशक्त उठानी पड़ी थी।

मुंडन संस्कार को उमड़ी थी भीड़: गुरुवार को मुंडन संस्कार का मुहुर्त था। जिस कारण बड़े पैमाने पर मुंडन संस्कार कराने वाले बक्सर जा रहे थे। सुबह चार बजे से ही बसों और ट्रक्टरों में सवार होकर श्रद्धालु बक्सर स्थित रामरेखा घाट के लिए रवाना हो गये थे। पूर्व में प्रशासन की ओर से निर्देश दिया गया था कि बस और ट्रैक्टर को औद्योगिक थाना से आगे नहीं आने दिया जाए। परंतु गुरुवार को इस तरह की कोई व्यवस्था नहीं दिखाई दी थी। जिसका परिणाम रहा कि जाम की स्थिति पैदा हो गई। जाम से स्कूली बच्चों, नौकरी पेशा करने वालों को भी पूरे दिन फजीहत झेलनी पड़ी।

कहते है एसपी: घटना की जानकारी मिलते ही यातायात इंस्पेक्टर को परिवहन विभाग से समन्वय स्थापित कर क्रेन की व्यवस्था कर क्षतिग्रस्त ट्रकों को हटवाने का निर्देश दिया गया। परिचालन व्यवस्था को बहाल करने के लिए युद्ध स्तर पर काम करवाया गया। परिचालन सुचारू होने तक पुलिस टीम मुश्तैद रही। - **मनीष कुमार, एसपी, बक्सर**

सीएम बताएं शिक्षक किसका आदेश मानें, आपका या केके पाठक का

केटी न्यूज/बक्सर

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के राष्ट्रीय महामंत्री याज्ञवल्क्य शुक्ल ने बिहार में प्राथमिक विद्यालयों के संचालन को लेकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और अपर मुख्य सचिव केके पाठक के अलग-अलग सुर पर स्थिति स्पष्ट करने को कहा है। उन्होंने अपने ट्यूटर हैंडल पर लिखा है कि मुख्यमंत्री स्थिति स्पष्ट करें कि किसके आदेश को माना जाए। एक तरफ आप सदन में कहते है कि स्कूलों का संचालन सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक होगा, शिक्षा मंत्री भी इस मामले में आपकी तरफ इशारा कर रहे है। जबकि अपर मुख्य सचिव अपना अलग राग अलाप रहे है। जिससे पूरे बिहार में भ्रम की स्थिति पैदा हो गई है। उन्होंने शिक्षा विभाग में आए इस असमंजस को दूर करने के लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को स्पष्ट निर्देश देने की मांग की है। वही उन्होंने कहा कि इससे बिहार में प्राथमिक स्कूलों में शिक्षा का माहौल व शिक्षकों की गरिमा प्रभावित हो रही है। जिस पर विद्यार्थी परिषद जैसा शिक्षा परिवार की परिकल्पना करने वाला संगठन चुप नहीं बैठेगा। गौरतलब है कि एक तरफ शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव केके पाठक पिछले कुछ महीनों से स्कूलों का संचालन सुबह 9 बजे से शाम पांच बजे तक करवा रहे है। जबकि दो दिन पहले सदन में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने स्कूलों का संचालन सुबह 9 से पांच होने पर अनभिज्ञता जताते हुए कहा कि स्कूलों का संचालन सुबह दस बजे से शाम चार बजे तक ही होगा। जबकि उनके इस बयान के बाद अपर मुख्य सचिव ने चिट्ठी जारी करते हुए निर्देश दिया था कि सिर्फ पढ़ाई दस से चार होगी, बाकी आदेश पूर्ववत रहेगा।

हथियार के साथ तीन तस्कर गिरफ्तार

केटी न्यूज/डुमरांव

अनुमंडल के मुरार और सिकरौल थाने की पुलिस ने बुधवार को हथियार के साथ तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से दो देशी कट्टा, छह कारतूस, दो खोखा व दो बाइक बरामद किया गया है। जिनके खिलाफ मामला दर्ज करते हुए जेल भेज दिया गया। गुरुवार को प्रेसवार्ता आयोजित कर एसपी मनीष कुमार ने जानकारी दी। एसपी ने बताया कि गुप्त सूचना मिली कि सिकरौल थाना क्षेत्र के गड़हिया गॉव के पास कुछ लोगों द्वारा अवैध हथियार की खरीद-बिक्री किया जा रहा है। इस सूचना पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी डुमरांव के द्वारा एक टीम गठित कर सूचना का सत्यापन एवं आवश्यक कार्रवाई का निर्देश दिया गया। गठित टीम के द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए सूचना का सत्यापन एवं आवश्यक कार्रवाई के लिए छापामारी किया गया। छापेमारी के क्रम में ग्राम गड़हिया के पास से रामनाथ चंद्रवंशी के पुत्र गुड्डू चंद्रवंशी और अलगू भर के पुत्र भोला भर को गिरफ्तार किया गया। इनके पास से 02 देशी कट्टा, 06 कारतूस 02 खोखा एवं 02 मोटरसाइकिल बरामद किया गया। इस संबंध में सिकरौल थाना में आर्म्स एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज किया गया एवं अन्य अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु छापामारी की जा रही है। वही दूसरी तरफ एसपी ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली की मुरार थाना क्षेत्र के मसहिंया गांव के बबन सिंह के पुत्र शिवभजन सिंह को उनके घर के पास बन्दूक के साथ घुमते देखा गया है। इस सूचना पर छापेमारी कर शिवभजन सिंह के घर से एक नाली बन्दूक बरामद किया गया। इस संबंध में मुरार थाना में आर्म्स एक्ट दर्ज कर अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया।

जीविका कौशल रथ को डीएम ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

बक्सर। समाहरणालय परिसर में जिलाधिकारी अंशुल अग्रवाल के द्वारा जीविका कौशल रथ को हरी झंडी दिखाकर गुरूवार को रवाना किया गया। कौशल रथ जिले के सभी प्रखंडों के बाजार और ग्राम स्तर पर 22 फरवरी से 26 फरवरी 2024 तक चलाया जायेगा। गरीबी निवारण हेतु बिहार सरकार बिहार ग्रामीण जीविकोपार्जन प्रोत्साहन समिति राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, बिहार दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण योजना के तहत जीविका बक्सर की ओर से ग्रामीण बेरोजगार युवाओं के लिए रोजगार का सुनहरा अवसर है। दौरान जिला परियोजना प्रबंधक चंदन कुमार सुमन व अन्य मौजूद रहे।

बीएसएपी- फोर कैंप से महज 200 मीटर दूर से शराब के साथ पकड़े गए दो तस्कर

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव में शराब तस्करों का मनोबल कितना बढ़ गया है, इसकी बानगी गुरूवार को देखने को मिली। स्थानीय पुलिस ने गुप्त सूचना पर बीएसएपी फोर कैंप से मात्र 200 मीटर दूर नंदन डेरा के समीप से 18 फ्रुटी पैक शराब के साथ दो तस्करों को रंगेहाथ पकड़ा है। पकड़े गए तस्करों की पहचान नंदन गांव के बिरेन्द्र सिंह के पुत्र पिंटू कुमार व बबन यादव के पुत्र राजू यादव के रूप में हुई है। उनके पास से सात हजार रूपए नगद भी बरामद हुए है।

मिली जानकारी के अनुसार स्थानीय पुलिस को सूचना मिली थी कि बीएसएपी कैंप से नंदन जाने वाली सड़क से थोड़ी दूर एक सुनसान जगह पर कुछ युवक शराब की तस्करी कर रहे है। इस सूचना पर पुलिस की एक टीम गठित कर छापेमारी करवाई गई। जिसमें शराब की खेप के साथ दो तस्कर पकड़े गए। डुमरांव की थानाध्यक्ष सह प्रशिक्षु डीएसपी अनिशा राणा ने इसकी पुष्टि की है। वही बीएसएपी फोर कैंप जैसे सुरक्षित जगह से महज कुछ सौ मीटर दूर शराब तस्करी का खेल होने से तस्करों के मजबूत हौसले की जानकारी मिल रही है। गौरतलब है कि इस कैंप इलाके से सटे बंझू डेरा, नोनिया डेरा में कई बार शराब निर्माण का भंडाफोड़ भी हुआ है। जबकि जवानों के शराब पीने की पुष्टि भी हो चुकी है। वही दूसरी तरफ स्थानीय पुलिस ने नगर के लालगंज कड़वी मोहल्ले में छापेमारी अभियान चलाया। इस दौरान बोतल अंग्रेजी शराब बरामद हुआ। जबकि तस्कर भागने में सफल रहा। उसकी पहचान स्व. गुदाली राय के पुत्र सामू राय के रूप में हुई है। पुलिस उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज कर गिरफ्तारी के प्रयास में जुट गई है। हालांकि इससे पहले भी कई बार डुमरांव में शराब के साथ पुलिस कई लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है, बावजूद लोग इस अपराध से खुद को अलग नहीं कर रहे।

महोत्सव में शामिल हुए उनके जीवन पर किताब लिखने वाले साहित्यकार मुरली मनोहर श्रीवास्तव

गंगा जमुनी तहजीब के प्रतीक थे उस्ताद - मुरली मनोहर श्रीवास्तव

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव में शहनाई नवाज भारत रत्न उस्ताद बिस्मिल्लाह खां समारोह का आयोजन हुआ। इसमें बिस्मिल्लाह खां पर शोधपरक पुस्तक लिखने वाले और पिछले 30 वर्षों से उस्ताद की स्मृतियों को स्थापित करने के लिए लगातार काम करने वाले लेखक मुरली मनोहर श्रीवास्तव ने मंच संबोधित करते हुए बिस्मिल्लाह खां साहब के साथ गुजारे अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि उस्ताद गंगा-जमुनी के प्रतीक थे।

उन्होंने बताया कि उस्ताद का नाम आखिर बिस्मिल्लाह खां कैसे पड़ा। उनके अपने सौतेले भाई पंचकौड़ी मियां ने डुमरांव नहीं छोड़ा तो उस्ताद ने हिंदुस्तान में रहकर पांच समय के नमाजी मंदिरों में सुबह शाम शहनाई वादन किया करते थे। बिस्मिल्लाह खां साहब का नाम बिस्मिल्लाह खां कैसे पड़ा इसकी एक मात्र वजह है कि एक समय ऐसा भी आया कि जीविकोपार्जन के लिए कमरुद्दीन और शम्सुद्दीन यानि दोनों भाईयों को बिस्मिल्लाह एंड पार्टी खोलनी पड़ी। जब आगे कदम बढ़े 1962 में गुंज उठी शहनाई में म्यूजिक डायरेक्शन देने का मौका मिला कमरुद्दीन जिनके भाई शम्सुद्दीन थे का निधन पहले ही हो चुका था। फिर क्या उस्ताद ने फिल्म में नाम बिस्मिल्लाह खां ही रखवा दिया, जिससे दोनों भाई अमर हो गए और वही आगे चलकर शहनाई वादक उस्ताद बिस्मिल्लाह खां होकर रह गए। बक्सर जिले की पहली फिल्म बाजे शहनाई हमार अंगना में बतौर म्यूजिक डायरेक्टर और फिल्म की मुहूर्त के लिए डुमरांव में 1979 में डॉ शशि भूषण श्रीवास्तव लेकर आये थे। बिस्मिल्लाह खां की स्मृति को स्थापित करने के लिए मुरली ने अनेक काम किये, यही वजह रही कि वर्ष 2022 में उस्ताद पर काम करने के लिए उनका नाम इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड में दर्ज कर लिया गया। मुरली ने इस आयोजन के लिए जिला प्रशासन को धन्यवाद दिया और कहा कि इसी बहाने उस्ताद के अब्बाई वतन के लोगों के जेहन में फिर से उनका नाम ताजा हो गया है। उन्होंने डुमरांव में उस्ताद के नाम पर संगीत महाविद्यालय व म्यूजियम खोलने की मांग बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से की। मुरली ने कहा कि उस्ताद जैसी शख्सियत सदियों में एक बार पैदा होती है।

जिलाधिकारी ने तीन बोर्ड परीक्षा केंद्रों का किया औचक निरीक्षण

♦ डीएम ने सीसीटीवी कंट्रोल रूम की व्यवस्था को परखा एवं स्टेटिक मजिस्ट्रेट और केंद्र व्यवस्थापक को परीक्षा की शूचिता बनाए रखने का दिया निर्देश

केटी न्यूज/बलिया

एशिया की सबसे बड़ी बोर्ड परीक्षा माध्यमिक शिक्षा परिषद की ओर से संचालित यूपी बोर्ड की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की परीक्षा गुरुवार से शुरू हो गई है। पहले दिन प्रथम पाली में हाई स्कूल हिन्दी, तो द्वितीय पाली में इंटरमीडिएट हिन्दी की परीक्षा सकुशल संपन्न हुई। यूपी बोर्ड परीक्षा की गंभीरता को समझते हुए जिलाधिकारी रवींद्र कुमार ने जनपद के तीन बोर्ड परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने परीक्षा केंद्र पर स्टेटिक मजिस्ट्रेट और केंद्र व्यवस्थापक से परीक्षा को सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए आवश्यक दिशा - निर्देश दिए। डीएम ने सबसे पहले गांधी इंटर कॉलेज चिलकहर पहुंचकर वहां के स्टेटिक मजिस्ट्रेट और केंद्र व्यवस्थापक से बोर्ड परीक्षा के संबंध में कठोर निर्देश दिए और निदेर्शों का शत- प्रतिशत कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करते हुए परीक्षा को सकुशल संपन्न कराने को कहा। डीएम ने स्ट्रांग रूम के बाहर और विभिन्न कक्षाओं में लगे सीसीटीवी कैमरों को संचालित मोड में होने की जानकारी भी ली। इसके बाद डीएम ने अमर शहीद भगत सिंह इंटर कॉलेज में जाकर बोर्ड परीक्षा संबंधित व्यवस्था का जायजा लिया। हाई स्कूल हिंदी की परीक्षा संपन्न होने के बाद दूसरी पाली की परीक्षा में पुलिस अधीक्षक देव रंजन वर्मा संग डीएम रवींद्र कुमार किसान इंटर कॉलेज रसड़ा का औचक निरीक्षण कर सीसीटीवी कंट्रोल रूम की व्यवस्था को परखा एवं स्टेटिक मजिस्ट्रेट और केंद्र व्यवस्थापक को परीक्षा की शूचिता बनाए रखने का निर्देश दिया।

गाजीपुर में डीएम एसपी ने किया परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण

गाजीपुर। जिलाधिकारी आर्यका अखौरी एवं पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह ने गुरुवार को माध्यमिक शिक्षा परिषद की हाईस्कूल व इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षा को सकुशल, शांतिपूर्ण एवं नकल विहीन संपन्न कराने के उद्देश्य से परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। निरीक्षण में सर्वप्रथम नव युवक स्वामी विवेकानंद इंटर कालेज मैनपुर, नंद किशोर सिंह इंटर कालेज रामपुर मांझा, राजकीय बालिका इंटर कालेज नारी पचदेवरा एवं अन्य कई परीक्षा केंद्रों पर पहुंचकर औचक निरीक्षण कर जायजा लिया तथा परीक्षा केंद्रों पर डबल लॉक में रखे प्रश्नपत्रों के पैकेटों की टेम्परिंग का परीक्षण किया। डीएम ने परीक्षा कक्षों में जाकर गहनता से निरीक्षण किया।

खबरें फटाफट

बीएड प्रथम सेमेस्टर की परीक्षा में 34 रहे अनुपस्थित

गाजीपुर। स्नातकोत्तर महाविद्यालय गाजीपुर में गुरुवार को पूर्वांचल विश्वविद्यालय बीएड प्रथम सेमेस्टर द्वितीय प्रश्न-पत्र की परीक्षा में एक नकलची पकड़ा गया। वहीं स्नातकोत्तर महाविद्यालय में 20 अन्य बीएड महाविद्यालयों का परीक्षा केंद्र बनाया गया है। बीएड प्रथम सेमेस्टर द्वितीय प्रश्न- पत्र की परीक्षा संपन्न हुई। जिसमें पंजीकृत 1193 परीक्षार्थियों में 1159 उपस्थित एवं 34 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। परीक्षाओं की सूचिता एवं पारदर्शिता को लेकर स्नातकोत्तर महाविद्यालय गाजीपुर के प्राचार्य राघवेंद्र कुमार पांडेय ने बताया कि परीक्षाओं के लिए परीक्षा विभाग, पूर्वांचल विश्वविद्यालय के संपर्क में है।

शिक्षक नेताओं पर कार्रवाई से मचा हड़कंप

गाजीपुर। जनपद अंतर्गत करंडा के नये खंड शिक्षाधिकारी रवींद्र सिंह ने शिक्षक नेताओं के मनमानी पर बड़ी कार्रवाई की है। इससे बौखलाए शिक्षक नेता ने सोशल मीडिया ग्रुप और अन्य माध्यम से बीईओ के ऊपर भ्रष्टाचार का आरोप लगाना प्रारंभ कर दिया है। बता दें कि शिक्षा क्षेत्र -करंडा में पूर्व खंड शिक्षाधिकारी राघवेंद्र सिंह के समय में कतिपय शिक्षक नेता द्वारा बीआरसी को अपना अड्डा बनाकर शिक्षकों का शोषण किया करते थे। इसके बारे में पूर्व में खंड शिक्षाअधिकारी राघवेंद्र सिंह के सामने ही शिक्षकों ने शिकायत की गई थी। इस पर उन्होंने कार्रवाई की थी।

शादी अनुदान योजना के लिए करें आवेदन

चंदौली। वित्तीय वर्ष 2023-24 में अन्य पिछड़े वर्ग के गरीब व्यक्तियों की पुत्रियों की शादी अनुदान योजना के तहत पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग की ओर से पात्र लाभार्थियों के बैंक खातों में 20 हजार रुपये की धनराशि दी जाती है। जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी ने बताया आनलाइन आवेदन कर लाभार्थी योजना का लाभ प्राप्त कर सकते हैं। पात्रता की शर्तों में अभिभावक की वार्षिक आय सीमा शहरी क्षेत्र के लिए 56460 रुपये व ग्रामीण क्षेत्र के लिए 46080 रुपये से अधिक नहीं होनी चाहिए। कन्या की उम्र 18 वर्ष व वर की उम्र 21 वर्ष से कम न हो।

दुल्लहपुर शंकर सिंह ग्राम 2014 में आदर्श गांव किया गया था घोषित

सांसद आदर्श गांव में स्मार्ट पोल लगे बिना हो गए जर्जर, कई कीमती सामान गायब

♦ साढ़े चौबीस लाख का आरो प्लांट भी ध्वस्त, नहीं हो पाया उपयोग

केटी न्यूज/ गाजीपुर

दुल्लहपुर शंकर सिंह ग्राम 2014 में आदर्श गांव घोषित किया गया था। घोषणा के बाद लाखों रुपये कीमत की स्मार्ट पोल दुल्लहपुर इंग्लिश मीडियम विद्यालय के पास लगाए गए। जो बाजार के बीचों-बीच है। यह स्मार्ट पोल में 36 प्रकार की आधुनिक सुविधाओं से लैस है, जो आम जनता के हित में है। इसको हिंदी में बुद्धिमान पोल प्रबंधन प्लेटफॉर्म में न केवल बुनियादी बुद्धिमान प्रकाश समारोह है, बल्कि यह सुसज्जित आउटडोर एलईडी डिस्प्ले, सीसीटीवी के माध्यम से सूचना डीसीलीज फंक्शन, सूचना अधिग्रहण फंक्शन, सूचना प्रसारण और नियंत्रण फंक्शन, हरी नई ऊर्जा चार्जिंग, एक के बराबर पर्यावरण निगरानी को एकीकृत करता है। वायरलेस वाईफाई, सौर ऊर्जा, एलईडी स्ट्रीट लाइटिंग, एलईडी डिस्प्ले, संचार और नियंत्रण, वीडियो निगरानी का एहसास कर सकते हैं। इसका उपयोग विभिन्न अनुप्रयोगों में किया जा सकता है। जैसे कि ऊर्जा की बचत, पर्यावरण के अनुकूल, दुर्घटना की चेतावनी, सार्वजनिक सुरक्षा और सुविधाजनक यात्रा। यह विविध अनुप्रयोग ऊर्जा-बचत, पर्यावरण के अनुकूल, दुर्घटना चेतावनी, सार्वजनिक सुरक्षा और सुविधाजनक यात्रा आदि में उपयोगी बनाते हैं। इसका उच्च व्यावहारिक अनुप्रयोग मूल्य है, जो न केवल सामाजिक लाभों को बढ़ा सकता है और बेहतर बना सकता है, बल्कि जानकारी के रूप में भी काम कर सकता है। स्मार्ट सिटी की धारणा टर्मिनल और शहरी इंटरनेट ऑफ थिंग्स की पूरी रेंज कवरेज का समर्थन करती है। साढ़े 24 लाख का शुद्ध पेयजल सौर ऊर्जा से पीने के लिए आरो प्लांट लगाए गए। आरो प्लांट का उद्घाटन के बाद पानी प्रदूषित जल देने की बात इसका पानी कोई भी आम नागरिक नहीं पी सका। साढ़े 24 लाख का एक प्लांट जर्जर होकर ध्वस्त हो गया। सबसे मजे की बात यह है कि सरकार ने कार्यदायी संस्थाओं को इतनी महंगी प्रोजेक्ट दे दिया, लेकिन प्रोजेक्ट का सुविधा आम जनता को कितना मिल रहा है इसका फीडबैक नहीं लिया जा रहा। इसके चलते आम जनता को इसका लाभ नहीं मिल पा रहा है। ग्राम प्रधान हरिओम मद्धेशिया ने कहा कि सांसद आदर्श ग्राम घोषित होने के बाद योजनाओं से जोड़ने का आश्वासन तो दिया गया, लेकिन सिर्फ एक स्मार्ट पोल,आरो प्लांट, 72 सोलर लाइट लगाई गई। जिसमें आम जनता को कुछ दिनों तक 72 सोलर लाइट का लाभ तो मिला। लेकिन स्मार्ट पोल और आरो प्लांट का लाभ आज तक नहीं मिला और यह प्रोजेक्ट पूरी तरह से जर्जर हो गई है। कई बार मुख्य विकास अधिकारी को भी सूचना दी गई, लेकिन आज तक कोई सुनवाई और कार्रवाई नहीं की गई। स्थानीय लोगों का कहना है कि एक तो सुविधा मिलती नहीं है। यदि जो मिलती है। उसका सही से रख-रखाव नहीं हो पाता है। सरकार की योजनाओं का सही रूप से मूर्त रूप नहीं मिल पाता है। यदि यहीं हाल रहा तो गांव का कभी भी विकास नहीं हो पाएगा। दुल्लहपुर बाजार के बसंत सोनी, रामविलास यादव, सुनील मद्धेशिया, बहादुर यादव ,संजीव चौरसिया, कुलदीप प्रजापति, जावेद जिम्मी, राहुल साहू, अकबर अहमद, फैज अहमद, नवीन, संदीप राजभर सहित लोगों ने मांग किया कि स्मार्ट पोल अगर चलती तो लोगों को वाईफाई कनेक्शन के अलावा पर्यावरण के परिवर्तन का भी सूचना मिलता और यहां के बच्चों को ऑनलाइन पढ़ाई लिखाई करने में भी सुविधा मिलती।

व्यापारियों ने पुलिस से मांगी खुद की सुरक्षा, कहा- करें रात्रि गश्ती

♦ अधिकारियों ने कहा, व्यापारियों समस्या का होगा त्वरित निस्तारण

केटी न्यूज/ चंदौली

पुलिस लाइन सभागार में गुरुवार को अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल की बैठक एसडीएम सदर व अपर पुलिस अधीक्षक विनय कुमार सिंह अध्यक्षता में हुई। इसमें व्यापारियों ने व्यापारी सुरक्षा संग कस्बा व नगरों में पुलिस गश्त की मांग की। व्यापारियों ने सैदूपुर में हुई चोरी की घटना का खुलासा करने पर पुलिस का आभार व्यक्त जताया। अपर पुलिस अधीक्षक ने बताया पिछले माह बैठक में शराबियों के खिलाफ, जाम की समस्या व व्यापारी उत्पीड़न के प्रति की गई शिकायतों का समाधान किया गया है। व्यापारियों की समस्या का त्वरित निस्तारण कराया जा रहा है। व्यापारियों को किसी भी प्रकार शिकायत हो तो तत्काल प्रशासन को अवगत कराएं। ताकि समस्या का निस्तारण किया जा सके। जिलाध्यक्ष राकेश शर्मा ने कहा कि व्यापारियों के हित में पुलिस का सहयोग सराहनीय है। अभी कुछ व्यापारियों की समस्याओं को निस्तारण शेष है। जिसका जल्द से जल्द निदान किया जाए। व्यापारियों के साथ कोई दुर्व्यवहार ना किया जाय। प्रशासन को कदम से कदम मिलाकर चलने की आवश्यकता है। देश की अर्थव्यवस्था में व्यापारियों की अहम भूमिका है। व्यापारी भी इस देश के सिपाही हैं। इस दौरान व्यापारियों ने कहा कि बैंकों के आसपास लगातार पुलिस गश्त तेज किया जाए। ताकि उच्चके व्यवसायियों को परेशान नहीं पाए। जब भी व्यापारी बैंक जाते हैं। उन्हें उच्चकों को डर-भय बना रहता है। देर शाम भी गश्त तेज की जाए। इस समय भी अपराधी व्यापारियों को निशाना बनाते है। जिला उपाध्यक्ष बसंत गुप्ता, घूरे लाल कन्नौजिया, शीला गुप्ता, राकेश मोदनवाल, मंजू जायसवाल, लक्ष्मीना देवी, बबीता देवी, सुनीता देवी आदि व्यापारी उपस्थित थे।

बोलेरो की टक्कर से बाइक सवार दंपत्ति जख्मी, पति की मौत

केटी न्यूज/ बलिया

चितबड़ागांव थाना क्षेत्र के मानपुर चट्टी के समीप बोलेरो की टक्कर से बाइक सवार दंपति गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां डॉक्टरों ने पति को मृत घोषित किया। जबकि पत्नी गंभीर रूप से घायल है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार गुरुवार को करीमुद्दीनपुर थाना क्षेत्र के ताजपुर डेहमा निवासी टीपू उर्फ आफताब अहमद (32) पुत्र अमरूल्ला अहमद पत्नी नजराना के साथ गड़वार थाने के धनौती गांव में अपने भांजे की शादी में गए हुए थे। वहां से वापस लौटकर अपने घर जा रहे थे। तभी विपरीत दिशा से आ रही बोलेरो ने चितबड़ागांव के मानपुर गेट के पास सामने से टक्कर मार दिया। जिससे बाइक सवार दंपत्ति सड़क पर गिर पड़े। दंपत्ति को गंभीर चोट आई। स्थानीय लोग तत्काल मदद के लिए पहुंचे। स्थानीय लोगों का कहना था कि कि दंपत्ति को लहूलुहान हो गये थे। पति को गंभीर चोट आई थी। तत्काल दंपत्ति को इलाज के लिए जिला चिकित्सालय भेजा गया। साथ ही घायल टीपू के पास से मिले मोबाइल से परिजनों को सूचित कर दिया। चिकित्सालय पहुंचने पर चिकित्सकों ने टीपू उर्फ आफताब अहमद को मृत घोषित कर दिया। जबकि पत्नी नजराना का इलाज चल रहा है। डॉक्टरों ने बताया कि नजराना की हालत खतरे से बाहर बताई हैं। इस बात की सूचना मिलते ही परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। परिजनों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

ऋण वितरण देयों की करें वसूली

चंदौली। मुख्य विकास अधिकारी एसएन श्रीवास्तव ने सहकारी देयों की वसूली, ऋण वितरण, जनपद में उर्वरक वितरण संग उपलब्धता सहित अन्य विभागीय कार्यों की समीक्षा की गई।

अगरसंडा स्थित विद्यालय में हुआ कार्यक्रम

ग्रैंड पेरेंट्स सम्मेलन कर सनबीम ने उठाया ऐतिहासिक कदम

केटी न्यूज/ बलिया

महत्वपूर्ण सुझावों व विचार-विमर्शों का आदान-प्रदान करने के निमित्त समय-समय पर विद्यालय प्रशासन ने बच्चों के अभिभावकों संग मीटिंग करने की परंपरा रही है। इस नूतन वर्ष में वार्षिक परीक्षा से पूर्व अगरसंडा स्थित सनबीम स्कूल ने पहली बार ग्रैंड पेरेंट्स सम्मेलन कर भावनात्मक स्तर पर अभूतपूर्व व ऐतिहासिक कदम लेने वाला जनपद का प्रथम व एकमात्र स्कूल बन गया है। विद्यालय के इस अनोखे कार्यक्रम में विद्यालय में अध्यनरत मासूम नौनिहालों के दादा-दादी व नाना-नानी आमंत्रित थे। दीप प्रज्वलन के पश्चात केजी के बच्चों ने जब राम आएंगे गीत पर नृत्य प्रस्तुत किया तो इस राममय भाव प्रवणता में मानो वृद्ध अभिवावकों की आंखें अपलक हो गई हों। विभिन्न गीतों व नृत्यों की प्रस्तुति ने नमन हाल में आयोजित इस सुनहरे पल को उनकी स्मृति पटल पर सदैव के लिए अंकित कर यादगार बना दिया। कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ अभिभावकों ने विभिन्न प्रतियोगिता में भाग लेकर रोमांचित थे। कई अभिभावकों की राय थी कि ऐसे आयोजन बारंबार होने चाहिए। विद्यालय के निदेशक डॉ. कुंवर अरुण सिंह ने उनके सुझावों व विचारों का स्वागत करते हुए कहा कि ये नन्हें बच्चे ही भावी भविष्य की जड़ हैं। विद्यालय के अनुकूल वातावरण में बच्चे अपने दादा - दादी व नाना - नानी संग जिस प्रकार खुश व उत्साहित हैं।

एक नजर

रेलवे पुल पर मिला अज्ञात युवक का शव

बलिया। उभांव थाना क्षेत्र के तुतीर्पार रेलवे पुल के पास गुरुवार को ट्रेन से कटकर एक 35 वर्षीय अज्ञात युवक की मौत हो गई। रेलवे कर्मचारियों की सूचना पर घटना स्थल पर पहुंची पुलिस ने उक्त व्यक्ति का शव पोस्टमार्टम के लिए अपने कब्जे में ले लिया। पुलिस द्वारा स्थानीय लोगों से पूछताछ के बावजूद मृतक की शिनाख्त नहीं हो सकी है। बेल्थरारोड में तुतीर्पार रेलवे पुल पर गुरुवार की सुबह एक युवक ट्रेन की चपेट में आ गया। ट्रेन की चपेट में आने से युवक का सिर जहां धड़ से अलग हो गया, वहीं उसके दोनों हाथ भी कट गए। ट्रेन से कटने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना स्थल पर पहुंची पुलिस ने आस-पास के लोगों से युवक की शिनाख्त कराने की काफी कोशिश की। लेकिन मृतक की शिनाख्त कराने में पुलिस सफल नहीं हो सकी। बाद में पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए युवक का शव अपने कब्जे में ले लिया। पुलिस पूछताछ कर शव पहचान की कोशिश कर रही है। उभांव इंस्पेक्टर डीके श्रीवास्तव का कहना है कि युवक का सिर व दोनों हाथ ट्रेन की चपेट में आने से कट गए थे। युवक कत्थई रंग का पैंट पहने हुए था तथा उसका शर्ट पूरी तरह फट गया था।

पीएम आवास दिलाने के नाम पर महिला से लूट

गाजीपुर। जनपद के सादात थाना क्षेत्र के बरहपार नसरतपुर गांव निवासिनी महिला को शातिर ठग ने प्रधानमंत्री आवास दिलाने के नाम पर उनसे करीब डेढ़ लाख रुपये कीमत के जेवर ठग लिया और गहना लेकर फरार हो गया। बता दें कि घटना के बाद महिला ने दो थानों के चक्कर लगाती रही है। फिर एसपी से गुहार लगाई है। इसके बाद सैदपुर कोतवाली में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की है।बता दें कि बरहपार नसरतपुर निवासिनी ऊषा सिंह पत्नी कन्हैया सिंह बीते 17 फरवरी को पैदल ही अपने घर से भीमापार बाजार जा रही थी। इस बीच एक लड़का बाइक से आया और कहा कि आप दुर्गेश की मां हैं न। पूछने पर कहा कि मैं दुर्गेश का मित्र हूं और आपका नाम प्रधानमंत्री आवास योजना के लिए चयनित हुआ है। इसके लिए चार लाख 60 हजार रुपये आवंटित हुए हैं। आपका आधार कार्ड चाहिए । उषा ने कहा कि आधार कार्ड तो घर पर है। इसके बाद ठग ने दुर्गेश व उनके पति को फोन लगाकर बात करने का ढोंग करने के बाद उषा से कहा कि दुर्गेश और आपके पति से बात हो गई है।आप घर पर चलकर कार्ड दे दीजिए। वह उसी की बाइक पर बैठकर घर आईं। वहां पर कार्ड लेकर लड़के ने कहा कि रुपये को आपके खाते में लाने के लिए विभाग की मैडम को 50 हजार रुपये देने होंगे। जिस पर उषा ने कहा कि रुपये तो नहीं हैं। इस पर लड़के ने झांसा दिया कि रुपये नहीं हैं तो कुछ जेवर ही दे दीजिए और जब रुपये दे देंगी तो जेवर ले लीजिएगा। इसके बाद वह घर में रखे चार थान जेवर के रूप में मंगलसूत्र, कान का झुमका, झालर व अंगूठी अपने बैग में रखकर उसी ठग की बाइक पर बैठी। वह ठग उन्हें लेकर सैदपुर स्थित एसडीएम आवास के सामने लाया और पेड़ के नीचे बैठाकर कहा कि जेवर दीजिए, मैं मैडम को देकर आता हूं। उसने जाने से पहले उनका मोबाइल बंद करा दिया और कहा कि इसे ऑन मत करिएगा, वरना कहीं विभाग से कोई ओटीपी आया और आपसे गलती से डिलीट हो गया तो आपके खाते से रुपये कट जाएगा।

मुंडन संस्कार में आए लोगों की जमकर पिटाई

बलिया। फेफना थाना क्षेत्र के माल्देपुर गांव के पास गुरुवार की दोपहर मुण्डन संस्कार से लौट रही बोलेरो की चपेट में आने से कुत्ते की मौत हो गई। इसके बाद आक्रोशित कुत्ते के मालिक सहित गांव के लोगों ने मुंडन संस्कार में आए महिला पुरुषों की जमकर पिटाई की। जिसमें करीब आधा दर्जन से अधिक महिला-पुरुष घायल हो गए। सूचना मिलते ही फेफना थाने की फोर्स एवं एसडीएम मौके पर पहुंच गए और मुंडन संस्कार में आए लोगों से वार्ता कर घर भेजवाया। वहीं घायलों को जिला अस्पताल में उपचार करवाया। इस मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। जिसको लेकर माल्देपुर के लोगों की चहुओर निंदा की जा रही है। इस मामले में पीड़ित के तहरीर के आधार पर चार नामजद एवं दर्जन भर अज्ञात के विरुद्ध संबंधीत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर पुलिस अग्रिम कार्रवाई कर रही है। मिली जानकारी के अनुसार फेफना थाना क्षेत्र की कर्ची गांव निवासी हरेराम के घर से मुंडन संस्कार करने के लिए माल्देपुर गंगा घाट पर लोग आए हुए थे। माल्देपुर गांव के समीप अचानक बोलेरो के सामने कुत्ता आ गया। जिसकी मौके पर ही मौत हो गई। इसके बाद बोलेरो चालक भाग गया। गांव के लोगों ने ट्रैक्टर पर सवार महिला-पुरुषों की जमकर ईंट पत्थर, लाठी-डंडे से पिटाई की। इस दौरान महिला व पुरुष हाथ जोड़ क्षमा मांगते रहे।जिसमें महिला-पुरुष आधे दर्जन से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

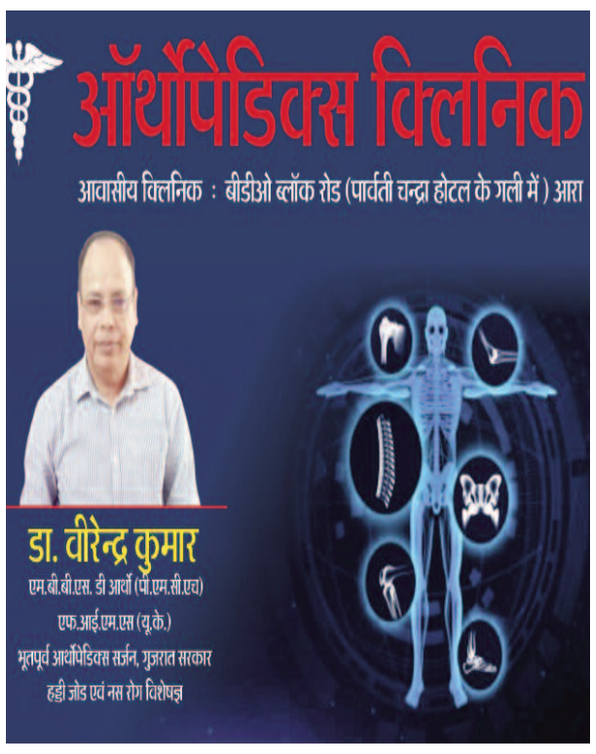

प्राथमिक विद्यालय में बच्चों से सफाई कराने का वीडियो वायरल, होगी जांच

केटी न्यूज/जौनपुर

सरकार शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए करोड़ो रुपए खर्च कर रही है लेकिन जमीनी स्तर पर शिक्षा का स्तर क्या है आप इस वीडियो को देखकर अंदाजा लगा सकते है।बच्चों को देश का भविष्य कहा जाता है और जिन बच्चों के हाँथ में कॉपी व कलम होना चाहिए वहीं आज के एडवांस दौर में भी शिक्षक बच्चों से श्रमदान करवा रहे है। जौनपुर के खंड विकास बदलापुर के एक प्राथमिक विद्यालय का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।जिसमे बच्चे अपने हाथों में फावड़ा लेकर विद्यालय परिसर से जल निकासी का कार्य करते दिखाई दे रहे है वही उस दौरान वीडियो में अध्यापक भी साथ खड़े दिखाई दे रहे हैं। जबकि सरकार ने प्रत्येक विद्यालय के लिए सफाईकर्मी भी नियुक्त किया हुआ है। बावजूद इसके शिक्षक बच्चों से इस तरह श्रम करवाते हुए नजर आते है।

जौनपुर के बदलापुर नगर पंचायत के अंतर्गत आने वाले वार्ड नंबर 15 में स्थित प्राथमिक विद्यालय सरोखनपुर प्रथम विद्यालय पर अध्यापक व अध्यापिकाओं की मौजूदगी में छात्रों से फावड़े से विद्यालय परिसर से जल निकासी का कार्य करवाया जा रहा है। जबकि पूरे बदलापुर नगर पंचायत में लगभग 75 सफाई कर्मी है तैनात। एक तरफ जहां उत्तर प्रदेश शासन के द्वारा स्कूल चलो अभियान बच्चों को सरकारी विद्यालयों से जोड़ते निशुल्क शिक्षा तथा यूनिफॉर्म से लेकर भोजन तक की सुविधाए विद्यालयों पर उपलब्ध कराई जा रही हैं वहीं शासन की मंशा है कि हमारे सरकारी विद्यालयों में बच्चो को प्राइवेट विद्यालयों की तुलना में अधिक सुविधा देते हुए अध्यापकों द्वारा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने का निर्देश दिया गया है। वहीं दूसरी तरफ शासन की मंशा पर पानी फेरते हुए नौनिहाल बच्चों से विद्यालय परिसर से पानी निकलवाने का कार्य किया जा रहा है। जिसके दौरान वहां पर विद्यालय की अध्यापक गण तथा रसोईया भी मौजूद थी आखिर जिम्मेदार कौन।

वहीं इस पूरे मामले में बेसिक शिक्षा अधिकारी गोरखनाथ पटेल से बात की गई तो उन्होंने कहा कि स्वच्छता अभियान चल रहा है। शिक्षिकाओ को बुलाकर वायरल वीडियो पर बात करेंगे और इसकी जांच कराएंगे। बीएसए अपने शिक्षको को बचाते हुए नजर आए।

एक नजर

पुलिस के उपर ईंट पत्थर फेंकने के मामले में फरार चल रहे 8 आरोपी गिरफ्तार

जौनपुर। थाना खेतासराय पुलिस ने अराजक तत्वों द्वारा खेल के मैदान में अनाधिकृत रूप से सन्त रविदास जी की प्रतिमा रखने, राजस्व टीम एवं

पुलिस टीम द्वारा मना करने पर महिला व पुरूष द्वारा एक साथ एकत्रित होकर लाठी डण्डा से लैश पुलिस के उपर ईंट पत्थर फेंकने के मामले में 8 फरार पुरूष/महिला को किया गिरफ्तार। 21 फरवरी को रात्रि में खुटहन रोड मुहल्ला सरवरपुर खेल के मैदान में सुभाष राम पुत्र प्रभुराम निवासी सरवरपुर के नेतृत्व मे अनाधिकृत रूप से सन्त रविदास जी की प्रतिमा रख दिये थे। इसकी सूचना पर नायब तलसीलदार शाहगंज शैलेन्द्र कुमार व हल्का लेखपाल खेतासराय अशोक कुमार यादव व उ0नि0 ओमप्रकाश यादव मय पुलिस बल के मौके पर जाकर अनाधिकृत रूप से रखे सन्त रविदास जी की प्रतिमा को नायब तलसीलदार द्वारा हटाने के लिए कहा गया तो इसी बात पर नाराज होकर लगभग 40 - 50 पुरूष व महिला द्वारा एक साथ एकत्रित होकर लाठी डण्डा से लैस पुलिस के उपर ईट पत्थर फेकते हुए हमलावर हो गए थे।

जिलाधिकारी ने सड़क दुर्घटना में कमी लाने के लिए अंतरविभागीय समन्वय बढ़ाने का दिया निर्देश

मऊ। जिलाधिकारी प्रवीण मिश्र की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जनपद स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक के दौरान गत माह प्रवर्तन कार्यों की विस्तृत जानकारी लेते हुए जिलाधिकारी ने सड़क दुर्घटना में होने वाली मौतों में कम से कम 50% कमी लाने हेतु आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। उन्होंने अधिशासी अभियंता पीडब्ल्यूडी को ब्लैक स्पॉट के चिन्हीकरण के अलावा शहरी क्षेत्र के साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में भी हो रही दुर्घटनाओं पर विशेष ध्यान देने को कहा। जिलाधिकारी ने ऐसे स्थल जहां तीन या उससे ज्यादा सड़क दुर्घटना में मौतें हुई हैं, उनकी सूची भी उपलब्ध कराने को कहा। उन्होंने राष्ट्रीय राजमार्ग से संबंधित अधिकारी एवं अधिशासी अभियंता पीडब्ल्यूडी तथा यातायात पुलिस के साथ ही अन्य संबंधित विभागों की टीम बनाकर ज्यादा दुर्घटना वाले स्थानो का स्थलीय निरीक्षण कर दुर्घटना के कारणों का पता लगाने तथा अंतर विभागीय समन्वय बढ़ाते हुए टीम भावना से कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने इसे एक अभियान के तौर पर लेते हुए कार्य करने को कहा, जिससे सड़क दुर्घटनाओं में होने वाले मौतों को कम किया जा सके। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने मोड वाले स्थानो से अतिक्रमण हटाने, कनेक्टिंग सड़कों पर स्पीड ब्रेकर लगाने एवं आवश्यकता अनुसार टर्निंग रेडियस भी लगाए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने सिटी मजिस्ट्रेट,क्षेत्राधिकारी,अधिशासी अभियंता पीडब्ल्यूडी एवं अधिशासी अधिकारी की संयुक्त टीम बनाकर सड़कों के किनारे अतिक्रमण हटाने को भी कहा। सड़क किनारे गढ्ढो के दृष्टिगत उन्होंने किनारो पर व्यवस्थित ढंग से मिट्टी के माध्यम से गढ्ढों को भरने तथा आवश्यक होने पर अन्य कार्यवाहियां करने को कहा। इस दौरान पुलिस अधीक्षक श्री अविनाश पांडे ने जनपद के प्रमुख दुर्घटना स्थलों का पीपीटी के माध्यम से प्रस्तुतीकरण करते हुए संबंधित थाना अध्यक्षों से दुर्घटना स्थलों का स्थलीय निरीक्षण करते हुए कारणों का पता लगाने तथा इस संबंध में अन्य संबंधित विभागों से समन्वय स्थापित कर बेहतर ढंग से काम करने को कहा जिससे सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों को कम किया जा सके।

खबरें फटाफट

हाई स्कूल की परीक्षा के दौरान पकड़े गए छह कक्ष निरीक्षक

फतेहपुर। यूपी के फतेहपुर जिले में हाईस्कूल व इंटरमीडिएट की बोर्ड परीक्षा को शातिपूर्ण नकल विहीन सम्पन कराए जाने के लिए प्रशासन पूरा प्रयास कर रहा है। ऐसे में मुन्ना भाईयों के साथ ही संदिग्ध कक्ष निरीक्षकों पर भी प्रशासनिक अफसरों द्वारा लगातार निगाह रखी जा रही है लेकिन परीक्षा के पहले ही दिन पहली पाली की परीक्षा में एडीएम के द्वारा चेकिंग के दौरान मुन्ना भाई तो नहीं मिले लेकिन 6 कक्ष निरीक्षक दूसरे की जगह ड्यूटी करते पाए गए । जिन पर एडीएम के निर्देश पर मुकदमा दर्ज कराने के निर्देश दिया गया है। हाईस्कूल और इंटरमीडिएट के परीक्षा के दौरान सचल दल द्वारा विभिन्न विद्यालयों के व्यवस्थाओं को परखने के लिए निरीक्षण किया जा रहा है। इसी दौरान सचल दल जब शहर स्थित सरस्वती बाल मंदिर इंटर कालेज रघुवंशपुरम में पहुंचा तो वहां शांतिपूण तरीके से परीक्षा को सम्पन्न कराया जा रहा था। लेकिन कक्ष निरीक्षकों के संदिग्ध प्रतीत होने पर एडीएम वित्त अविनाश त्रिपाठी ने उनसे पूछताछ करते हुए डाटा एकत्र किया जिस पर पाया गया कि वहां मौजूद तीन कक्ष निरीक्षक दूसरे के स्थान पर ड्यूटी कर रहे थे साथ ही उनके द्वारा राजकीय इंटर कालेज में भी जांच पड़ताल की गई तो वहां भी तीन कक्ष निरीक्षकों के संदिग्ध पाए जाने पर एडीएम ने सभी के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने के निर्देश दिए है। बता दें कि जिले में बोर्ड परीक्षा के लिए 117 केंद्र व्यवस्थापक,वाह्य केंद्र व्यवस्थापक 117,234 परीक्षा प्रभारी ,351आंतरिक सचल दल,30 सचल दल,2881 कक्ष निरीक्षक ,माध्यमिक से 3275,बेसिक से 903 टोटल 4178 कर्मी लगाए गए हैं। वहीं एडीएम अविनाश त्रिपाठी ने प्रेस नोट जारी कर बताया की परीक्षा को शांति पूर्ण एवं नकल विहीन कराए जाने के उद्देश्य से मेरे और ,एसडीएम सदर सहित बीएसए द्वारा रेंडम चेकिंग कई विद्यालयों में की गई वही राजकीय इंटर कॉलेज एवं सरस्वती बाल मंदिर इंटर कॉलेज रघुवंशपुरम का औचक निरीक्षण किया गया निरीक्षण के दौरान राजकीय इंटर कॉलेज में तीन कक्ष निरीक्षक दूसरे के स्थान पर ड्यूटी करते पाए गए और सरस्वती बाल मंदिर इंटर कॉलेज रघुवंशपुरम में भी तीन कक्ष निरीक्षक दूसरे के जगह ड्यूटी करते पाए गए कुल 6 दोषी कक्ष निरीक्षकों के विरुद्ध सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कराए जाने हेतु परीक्षा केंद्र पर तैनात स्टेटिक मजिस्ट्रेट व केंद्र व्यस्थापक को निर्देशित किया गया हैं।

शिक्षकों के साथ शिक्षा में परिवर्तन प्रक्रिया पर हुआ संवाद

भारतीय मूल्यों पर आधारित हो शिक्षा: ए. विनोद

- शिक्षा में नए विकल्प की जरूरत: डॉ. विवेकानंद उपाध्याय
- इतिहास की शिक्षा भारतीय दृष्टि पर आधारित हो: डॉ. विनोद जायसवाल

केटी न्यूज/ जौनपुर

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के कौशल विकास प्रशिक्षण केंद्र में शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के राष्ट्रीय सहसंयोजक और भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के अंतर्गत राष्ट्रीय शिक्षा निगरानी समिति के सदस्य ए. विनोद ने गुरुवार को विश्वविद्यालय के शिक्षकों के साथ संवाद किया। मुख्य अतिथि ए. विनोद ने कहा कि देश की शिक्षा व्यवस्था भारतीय मूल्यों पर आधारित होनी चाहिए। कहा कि देश को बदलने के लिए समाज को बदलना होगा, इसके लिए शिक्षा व्यवस्था में भी बदलाव कर भारतीयता को लाना होगा। इसी उद्देश्य के साथ शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास शिक्षा के क्षेत्र में भारतीय विचारों को अपनाने के लिए लोगों को जागरूक कर रहा है। उनका मानना है कि जब शिक्षा जगत में भारतीयता की सोच होगी तभी देश उन्नति कर सकेगा। उन्होंने कहा कि भारत विश्वगुरु तभी बनेगा जब हम मॉ, मातृभूमि, और मातृभाषा को अपनाएंगे। उन्होंने कहा कि शिक्षा सिर्फ ज्ञान के लिए नहीं होनी चाहिए। यह तभी पूर्ण होगी जब इसमें मूल्य, कौशल और भारत की ज्ञान परंपरा का समावेश हो। इस अवसर पर न्यास के काशी प्रांत के संयोजक डॉ विवेकानंद उपाध्याय ने विषय प्रवर्तन करते हुए कहा कि हमारे न्यास का लक्ष्य है शिक्षा के क्षेत्र में मूल्यों और उत्कृष्टता को प्रोत्साहित करना और समाज को एक सामूहिक और साथी बनाना। हम अपनी पहचान इस बात में ढूंढ रहे हैं कि हम अपने शिक्षा प्रोजेक्ट्स के माध्यम से विभिन्न समुदायों को शिक्षा के महत्व को समझाने, समृद्धि के माध्यम से स्वतंत्रता को बढ़ाने और संस्कृति को समृद्ध बनाने में सहायता कर सकें। कहा कि शिक्षा में नए विकल्प की जरूरत है। काशी हिंदू विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग के डॉ. विनोद जायसवाल ने कहा कि देश की शिक्षा को भारतीय जनमानस के अनुरूप बनाने के लिए हमें चरित्र निर्माण एवं व्यक्तित्व का समग्र विकास, मूल्यपरक शिक्षा के साथ झसाथ वैदिक गणित, शिक्षा में स्वायत्तता, तकनीक शिक्षा के साथ-साथ इतिहास शिक्षा की भारतीय दृष्टि पर चिंतन करना होगा। इसके पूर्व रज्जू भैया भौतिकीय शोध संस्थान में निदेशक प्रो. प्रमोद यादव द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर प्रो. राजकुमार, प्रो. मिथिलेश सिंह, , डॉ. नितेश जायसवाल, डॉ. सुनील कुमार, डॉ. आलोक वर्मा, डॉ. श्याम कन्हैया, मंगला प्रसाद, डॉ. आलोक दास, डॉ. इंद्रजीत, डॉ. दिनेश कुमार सिंह, अमित मिश्र, रोशन राय, मणि राय आदि उपस्थित थे।

अमृत भारत जंक्शन के लिए चयनित हुआ फाफामऊ स्टेशन

- 26 को पीएम मोदी करेंगे वीडियो कांफ्रेंसिंग से शिलान्यास

केटी न्यूज/ प्रयागराज

फाईल फोटो

प्रयागराज के फाफामऊ रेलवे जंक्शन को अमृत भारत स्टेशन के रूप में चयनित किया गया है। फाफामऊ स्टेशन का पुनर्विकास का काम किया जा रहा है। जिसमे स्टेशन की नई बिल्डिंग समेत यात्रियों की सुविधाओं के लिए बड़े बदलाव किए जा रहे हैं। फाफामऊ स्टेशन का शिलान्यास 26 फरवरी को भारत के प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी जी वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से करेंगे।

प्रयागराज के अमृत भारत जंक्शन के रूप में चुने गए फाफामऊ रेलवे जंक्शन को महाकुंभ 2025 से पहले पुनर्विकसित करने की तैयारी अब तेज हो गई है।जंक्शन के शिलान्यास की तिथि निर्धारित हो गई है। 26 फरवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वर्चुअल जंक्शन का शिलान्यास करेंगे। जिसके कार्यक्रम की तैयारियां शुरू हो गई हैं।

इसके अलावा सोरांव से वाया हाजीगंज शांतिपुरम मार्ग पर बन रहे गोहरी रेलवे फाटक व कमलानगर से वाया पड़िला महादेव-फाफामऊ मार्ग पर 40 नंबर गोमती पर बन रहे आरओबी का भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी शिलान्यास करेंगे। फाफामऊ रेलवे जंक्शन, गोहरी रेलवे फाटक और आरओबी इन तीनों ही स्थानों पर कार्य तेजी से चल रहा है। तीनों ही स्थानों के लिए लखनऊ मंडल द्वारा एक-एक नोडल अधिकारी भी तैनात कर दिया गया है। इन अधिकारियों को ही शिलान्यास की कार्यक्रम की जिम्मेदारी दी गई है।

ओम प्रकाश राजभर ने उत्तर प्रदेश की 3 और बिहार की दो सीटों पर ठोका दावा

केटी न्यूज/मऊ

सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के प्रमुख ओमप्रकाश राजभर ने भाजपा के सामने एक बड़ी डिमांड रख दी है। उन्होंने भाजपा से लोकसभा चुनाव में पांच सीटों की डिमांड की है जिनमें से तीन सीटें उत्तर प्रदेश की जबकि दो सीटें उन्होंने बिहार से मांगी है। उत्तर प्रदेश से उन्होंने सलेमपुर, घोसी और गाजीपुर की मांग रखी है। साथ ही साथ उन्होंने यह भी कहा कि हमने मांगा है अगर मिल जाए तो ठीक है। चुनाव लड़ने के सवाल पर उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में जो लोग भी वोट देने का अधिकार रखते हैं वह चुनाव लड़ने का भी अधिकार रखते हैं।

ओमप्रकाश राजभर ने इंडिया गठबंधन पर भी तंज कसा। उन्होंने कहा कि वह मिलकर लड़े या अलग-अलग हो लड़े, इसका कोई मतलब नहीं है। उत्तर प्रदेश की 80 की 80 सीटें एनडीए जीतेगी। उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन के पास कोई ताकत नहीं है। पूरा देश मोदी जी को प्रधानमंत्री बनने के लिए तत्पर है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी ने जब तक जितने भी प्रत्याशियों को घोषित किया है वह सभी हरने वाले हैं। उन्होंने महाराजा सुहेलदेव को भारत रत्न देने की मांग की। शिवपाल यादव के बदायूं से चुनाव लड़ने की खबर पर उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव ने उन्हें रसातल में भेजने के लिए वहां भेजा है। शिवपाल यादव वहां कभी नहीं गए हैं। शादी विवाह में जाते होंगे। समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के बीच उत्तर प्रदेश में सीटों का बंटवारा हो गया है। दोनों ओर से आज आधिकारिक तौर पर कहा गया है कि हम आगामी लोकसभा चुनाव में मिलकर साथ लड़ेंगे। यह इंडिया गठबंधन के लिए बड़ी खबर है। कांग्रेस के उत्तर प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडे ने कहा कि मुझे आपको यह बताते हुए खुशी हो रही है कि यह निर्णय लिया गया है कि उत्तर प्रदेश में कांग्रेस 17 सीटों पर चुनाव लड़ेगी और शेष 63 सीटों पर सपा और अन्य दलों के इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार होंगे।

समाजवादी छात्र सभा ने किया प्रदर्शन

सोनभद्र। समाजवादी छात्र सभा ने गुरुवार को दर्जनों छात्रों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर कलेक्ट्रेट परिसर में विरोध प्रदर्शन किया।

सरकारी क्षेत्र में 4.30 लाख व निजी क्षेत्र में 2.20 लाख टीबी मरीजों के नोटिफिकेशन का लक्ष्य निर्धारित

सरकार इस साल 6.50 लाख टीबी मरीजों का कराएगी नोटिफिकेशन

- वर्ष 2023 में 6.32 लाख टीबी मरीजों का नोटिफिकेशन कर बनाया था रिकार्ड
- प्राइवेट सेक्टर में लक्ष्य से अधिक नोटिफिकेशन के लिए प्रदेश को किया जा चुका है सम्मानित

केटी न्यूज/ लखनऊ

टीबी की स्क्रीनिंग और जांच में तेजी लाने के उद्देश्य से साल 2024 में योगी सरकार को 6.50 लाख टीबी मरीजों के नोटिफिकेशन का लक्ष्य दिया गया है। इसमें सरकारी क्षेत्र में 4.30 लाख और निजी क्षेत्र में 2.20 लाख टीबी मरीजों के नोटिफिकेशन का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। यह लक्ष्य राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के तहत जनपद की आबादी, प्राइवेट ड्रग सेल डाटा, पेशेंट प्रोवाइडर सपोर्ट एजेंसी (पीपीएसए) काट्रैक्ट में निर्धारित टारगेट, मरीज के नजदीकी जिले में इलाज के लिए जाने की प्रवृत्ति व अन्य एपीडिमियोलॉजिकल तथ्यों के आधार पर निर्धारित किया गया है। इसके साथ ही जांच में टीबी की पुष्टि होते ही जल्द से जल्द इलाज शुरू करने के भी प्रबंध किये गए हैं ताकि संक्रमण को फैलने से रोका जा सके। महानिदेशक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं उत्तर प्रदेश डॉ. बृजेश राठौर ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरुप प्रदेश के सभी मुख्य चिकित्सा अधिकारियों और जिला क्षय रोग अधिकारियों को पत्र भेजकर जिले में वर्ष 2024 में टीबी मरीजों के नोटिफिकेशन के लक्ष्य के बारे में अवगत कराया है। इसके साथ ही लक्ष्य को निर्धारित समय से पहले ही प्राप्त करने के लिए जरूरी कदम उठाये जाने के बारे में भी निर्देशित किया है। टीबी नोटिफिकेशन के लक्ष्य को हासिल करने के लिए स्वास्थ्य केन्द्रों पर जहां हर माह की 15 तारीख को एकीकृत निःक्षय दिवस का आयोजन किया जा रहा हैं। वहीं समय-समय पर एक्टिव केस फाइंडिंग अभियान और दस्तक अभियान चलाकर भी टीबी मरीजों की पहचान की जा रही है। वर्ष 2023 में प्रदेश को 5.50 लाख टीबी मरीजों के नोटिफिकेशन का दिया गया था लक्ष्य निदेशक-राष्ट्रीय कार्यक्रम डॉ. रतन पाल सिंह सुमन और संयुक्त निदेशक/राज्य क्षय रोग अधिकारी डॉ. शैलेन्द्र भटनागर का कहना है कि वर्ष 2023 में प्रदेश को 5.50 लाख टीबी मरीजों के नोटिफिकेशन का लक्ष्य दिया गया था, जिसके सापेक्ष 6,32,571 टीबी मरीजों को नोटिफाई कर 115 प्रतिशत उपलब्धि प्रदेश ने हासिल की। इसमें सरकारी क्षेत्र में 4,09,192 तो निजी क्षेत्र में 2,23,379 टीबी मरीज नोटिफाई किये गए। प्रदेश ने लक्ष्य के सापेक्ष सरकारी क्षेत्र में 113% तो निजी क्षेत्र में 118% उपलब्धि हासिल की। निजी क्षेत्र में उत्तर प्रदेश की श्रेष्ठ उपलब्धि के लिए इसी माह केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा अलग-अलग श्रेणियों में पांच सम्मान पत्र देश में सर्वाधिक उपलब्धि हेतु प्रदान किये गए हैं। डॉ. भटनागर का कहना है कि सरकार की दृढ़ इच्छा शक्ति और उच्चस्तरीय अधिकारियों के कुशल मार्गदर्शन से ही यह उपलब्धि प्रदेश को हासिल हो सकी। इस साल भी उनकी पूरी कोशिश रहेगी कि लक्ष्य से अधिक टीबी मरीजों को नोटिफाई कर प्रधानमंत्री जी के टीबी मुक्त भारत के संकल्प को साकार करने में प्रदेश को अग्रणी बना सकें।

सुभाषितम्

विचारशील व्यक्ति को हर जगह सम्मान मिलता है

- सोफोक्लेस

न्याय के प्रतीक,न्याय के भीष्म पितामह नरीमन का निधन

भारतीय न्यायपालिका में सूर्य की तरह न्याय का तेज बनाए रखने के लिए, पूर्व अतिरिक्त महाधिवक्ता फली सेम नरीमन का असाधारण योगदान था। उनका 95 वर्ष की आयु में निधन हो गया है। लगभग 70 वर्षों तक वह न्यायपालिका में न्याय के लिए अपनी सेवाएं देते रहे। पक्ष हो या विपक्ष न्यायालय में उन्होंने हमेशा न्याय के पक्ष में अपनी बात कही है। वह किसी भी पक्ष और विपक्ष से प्रभावित हुए बिना, केवल न्याय के लिए काम करते थे। इसी गुण के कारण उन्हें न्याय का भीष्म पितामह क्या कहा जाने लगा। 1991 में भारत सरकार ने उन्हें पद्मभूषण से तथा 2007 में पद्म विभूषण से अलंकृत किया था। न्यायालयों में किसी भी विषय में पक्ष रखते हुए, उन्होंने न्याय को सर्वोच्च प्राथमिकता में रखा। उन्होंने पक्ष और विपक्ष की ओर से पैरवी नहीं की। उन्होंने हमेशा कोर्ट में न्याय के पक्ष में अपनी बात रखी। यदि वह किसी बात से असहमत हुए। तो उन्होंने न्याय के लिए उस केस से अलग होकर न्याय के लिए समर्पित रहे। यही उनकी मनुष्य जीवन और न्याय के प्रति सच्ची आराधना थी। नरीमन का जन्म वर्मा में हुआ था। उनकी पढ़ाई मुंबई और शिमला में हुई। 1950 से उन्होंने मुंबई हाईकोर्ट में वकालत शुरू की। 1961 में वह मुंबई हाईकोर्ट के वरिष्ठ वकील बने। 1972 से सुप्रीम कोर्ट में पैरवी शुरू की। केंद्र सरकार ने उनकी असाधारण क्षमता को देखते हुए 1972 में अपना अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल नियुक्त किया। 26 जून 1975 को जब तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने आपातकाल की घोषणा की। उससे वह असहमत थे। जब पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने उनकी बात नहीं मानी, तो उन्होंने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने कभी भी आर्थिक पक्ष को ध्यान में रखते हुए मुकदमों में पैरवी नहीं की। जिस प्रकरण में उन्हें लगता, कि वह न्याय के लिए काम कर रहे हैं। उसी प्रकरण में वह न्यायालय में अपने पक्षकार का पक्ष रखते थे। न्याय पाने के लिए वह अपनी सारी ताकत उसे केस में लगाते थे। लगभग 20 वर्षों तक एक वह बार एसोसिएशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष पद पर रहे। केशवानंद भारती जैसे ऐतिहासिक न्यायिक मामलों मे उन्होंने पैरवी की। भोपाल गैस त्रासदी, नर्मदा विस्थापन, न्यायपालिका के लिए कॉलेजियम सिस्टम और जय ललिता की आय से अधिक संपत्ति जैसे मामलों में भी उन्होंने पैरवी की। भोपाल गैस त्रासदी मामले में उन्होंने यूनियन कार्बाइड की ओर से पैरवी की थी। उन्हें इसके लिये जीवन भर पछतावा रहा। उनका मानना था, कि जहां इतने बड़े पैमाने पर जहरीली गैस से हजारों लोगों की मौत हुई थी। हजारों लोग गैस के कारण आजीवन बीमारी के शिकार हो गए थे। ऐसी स्थिति में उन्हें यूनियन कार्बाइड की ओर से ना लड़कर, गैस त्रासदी के जो पीड़ित थे। उनके पक्ष में न्याय के लिए पैरवी करनी चाहिए थी। नर्मदा पुनर्वास प्रकरण में वह गुजरात सरकार की ओर से पैरवी कर रहे थे। इस दौरान ईसाई समुदाय पर हमले हुए, बाइबिल जलाई गई। गुजरात सरकार के समक्ष इस बात को जब उन्होंने रखा। गुजरात सरकार ने उनकी बात पर ध्यान नहीं दिया। तो वह नर्मदा पुनर्वास केस से अलग हो गए। आपातकाल के विरोध में भी उन्होंने केंद्र सरकार का पद छोड़कर न्याय और भारतीय संविधान के प्रति अपनी आस्था को बनाए रखा। 70 साल की वकालत में उन्होंने कभी भी अन्याय का साथ नहीं दिया। यह उनके जीवन की गौरवपूर्ण उपलब्धि रही। फली सेम नरीमन, न्याय की दुनिया में एक ऐसे व्यक्तित्व थे। जो न्याय के हित में अपनी बात कहते थे। उनकी यह कोशिश रही है, कि न्यायपालिका के माध्यम से लोगों को वास्तविक न्याय मिले। वह जब हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में किसी केस में पैरवी करते थे। तब उनके मन मस्तिष्क में पंच परमेश्वर के वह सब गुण विद्यमान होते थे। जिसमें सभी पक्षों के साथ न्याय हो। न्यायालय में वह न्याय के लिए ही अपना पक्ष रखते थे। 95 साल की उम्र में भी वह सक्रिय रहे।

चिंतन-मनन

कहीं आप भी पाप की पूंजी तो जमा नहीं कर रहे

क्या आपने कभी किसी के ऊपर हो रहे अत्याचार के विरूद्ध आवाज उठायी है। किसी कमजोर और लाचार को पिटता देखकर मदद के लिए आगे आएं हैं। अगर आपने ऐसा नहीं किया है तो समझ लीजिए आपने अपने खाते में पाप की पूंजी जमा कर ली है। शाख्राह में जिस प्रकार से पाप और पुण्य को परिभाषित किया गया है उसके अनुसार जो व्यक्ति किसी को कष्ट में देखकर उसकी मदद नहीं करता है। किसी के भय से अथवा अपने स्वार्थ के कारण झूठ बोलता है और शरण में आये व्यक्ति की रक्षा नहीं करता है वह पापी है। इस संदर्भ में एक कथा का उल्लेख पुराणों में मिलता है। एक थे राजा शिवि। इनके धार्मिक स्वभाव और दयालुता एवं परोपकार के गुण की ख्याति स्वर्ग में भी पहुंच गयी। इन्द्र और अग्नि देव ने योजना बनायी कि राशि शिवि के गुणों को परखा जाए। एक दिन अग्नि देव कबूतर बने और इन्द्र बाज। कबूतर उड़ता हुआ राजा शिवि की गोद में आकर बैठ गया और अपनी रक्षा के लिए प्रार्थना करने लगा। इसी बीज बड़ा सा बाज राजा शिवि के पास पहुंचा और कबूतर को वापस करने के मांग करने लगा। बाज ने कहा कि, कबूतर मेरा आहार है अगर आप मुझे वापस नहीं करेंगे तो आपको मुझे भूखा रखने का पाप लगेगा। बाज की बातों को सुनकर राजा शिवि ने कहा कि कबूतर मैं तुम्हें नहीं दूंगा अगर कोई अन्य उपाय है तो बताओ। बाज ने कहा कि कबूतर के मांस के बराबर मुझे मांस दे दीजिए इससे मेरा काम हो जाएगा। राजा ने विचार किया कि एक जीव को बचाने के लिए दूसरे जीव का कष्ट देना पाप होगा। यही सोच कर राजा ने कबूतर को तराजू के एक पलडे में डाल दिया और अपने शरीर से मांस काटकर दूसरे पलड़े में रखने लगे। लेकिन काफी मांस रखने के बाद भी पलड़ा हिला तक नहीं। अंत में राजा शिव स्वयं दूसरे पलड़े पर बैठ गये और बाज से कहा कि तुम मुझे खाकर अपनी भूख शांत कर लो।

स्वर के जादूगर अमीन सयानी नही रहें

-विनोद कुमार सिंह

रेडियो की प्रतिष्ठित जादुई आवाज, जिसने भारत व विदेशों में लाखों भारतीयों के दिलों पर राज किया और सुनहरी आवाज के साथ असाधारण प्रस्तुतकर्ता अमीन सयानी ने आज 91 साल की उम्र में अंतिम सांस ली।महान रेडियो प्रस्तोता अमीन सयानी लाखों दिलों की धड़कन थे ,कई दशकों तक उनका रेडियो कार्यक्रम गीत माला बेहद लोकप्रिय रहा क्योंकि उनके लाखों प्रशंसक उत्सुकता से इसका इंतजार करते थे और उनकी जादुई आवाज को सुनने के लिए अपना मनोरंजन करते थे।फिर टेलीविजन आया और धीरे-धीरे,हालांकि लंबे समय के बाद वह नजरों से और दिमाग से बाहर हो गए। शुरूआत दौर में रेडियो और बॉलीवुड में गायक बनने की हार्दिक इच्छा रखने वाले अमीन सयानी एक प्रसारक बन गए और देखते देखते उनकी जादुई आवाज ने श्रोताओं को प्रभावित किया और लोग उनकी आवाज और गीतमाला जैसे लोकप्रिय कार्यक्रमों को सुनने के लिए रेडियो से घंटो तकचिपके रहे थें। 1932 में तत्कालीन बंबई, एक बहुभाषी परिवार में जन्मे अमीन सयानी ने अपने करियर की शुरूआत ऑल इंडिया रेडियो से रेडियो प्रस्तोता के रूप में की थी। ऑल इंडिया रेडियो से उनका परिचय उनके भाई हामिद सयानी ने कराया था। एक संपूर्ण सज्जन अमीन सयानी जादुई आवाज के राजा थे, जिन्होंने कई दशकों तक लाखों-करोड़ों लोगों के दिलों पर राज किया और एक घरेलू नाम बन गए, जिसे हर कोई पसंद करता था।वह लगभग एक दशक तक रेडियो आकाशवाणी मुंबई में अंग्रेजी कार्यक्रम का हिस्सा रहे और फिर आजादी के बाद हिंदी क्षेत्र को ध्यान में रखा।हिंदी में प्रस्तोता के रूप में उनकी आवाज आकाशवाणी के कार्यक्रम प्रेमियों की बेहद हिट और जीवंत आवाज बन गई।आजतक के मुताबिक, तब हामिद सयानी भी रेडियो सीलोन में अंग्रेजी गानों का अपना दिलचस्प कार्यक्रम प्रसारित कर रहे थे। 1991 में हृषिकेश मुखर्जी की फिल्म आनंद की रिलीज के बाद ही उन्हें पता चला कि फिल्म में जिस आदमी की आवाज उन्हें पसंद थी,वह वही आदमी है जो रेडियो प्रस्तोता बनने का सपना लेकर उनके पास आया था, जिससे उन्होंने मिलने से इनकार कर दिया था।पहले भी कई बार जब अमिताभ लोकप्रिय नहीं थे। इस महान रेडियो प्रस्तोता अमीन सयानी नें लाखों दिलों की धड़कन थे,कई दशकों तक उनका रेडियो कार्यक्रम गीतमाला बेहद लोकप्रिय रहा क्योंकि उनके लाखों प्रशंसक उत्सुकता से इसका इंतजार करते थे और उनकी जादुई आवाज को सुनने के लिए अपना मनोरंजन करते थे।फिर टेलीविजन आया और धीरे-धीरे,हालांकि लंबे समय के बाद वह नजरों से और दिमाग से बाहर हो गए।शुरूआत में रेडियो और बॉलीवुड में गायक बनने की हार्दिक इच्छा रखने वाले अमीन सयानी एक प्रसारक बन गए और जल्द ही उनकी जादुई आवाज ने सभी को प्रभावित किया और लोग उनकी आवाज और गीत माला जैसे लोकप्रिय कार्यक्रमों को सुनने के लिए रेडियो से चिपके रहे थें।आप बता दें स्वर के इस सम्राट का जन्म1932 में तत्कालीन बंबई,एक बहुभाषी परिवार में हुआ था।अमीन सयानी ने अपने करियर की शुरूआत ऑल इंडिया रेडियो से रेडियो प्रस्तोता के रूप में की थी।ऑल इंडिया रेडियो से उनका परिचय उनके भाई हामिद सयानी ने कराया था।एक संपूर्ण सज्जन अमीन सयानी अपनी जादुई आवाज के बादशाह थे,जिन्होंने कई दशकों तक अपने दमदार व मधुर स्वर के बदौलत लाखों- करोड़ों लोगों के दिलों पर राज करते हुए।हर कोई पसंद करता था।आप लगभग एक दशक तक रेडियो आकाशवाणी मुंबई में अंग्रेजी कार्यक्रम का हिस्सा रहे और फिर आजादी के बाद हिंदी क्षेत्र को चुना। हिंदी में प्रस्तोता के रूप में उनकी आवाज आकाश वाणी के कार्यक्रम प्रेमियों की बेहद हिट और जीवंत आवाज बन गई।भारत अपनी आजादी के पाँचवें बर्ष में प्रवेश कर चुका था । वही अमीन सयानी का वास्तविक परिचय और लोकप्रियता का नया अध्याय सन-1952 में शुरू हुआ । उसी समय जब एक विज्ञापन कंपनी का एक अधिकारी श्रीलंका के रेडियो(सीलोन) में हिंदी फिल्मी गीतों की श्रृंखला का एक दिलचस्प कार्यक्रमआयोजित करने की योजना बना रहा था। यह विज्ञापन कंपनी कोई और नही बल्कि एक टूथपेस्ट कंपनी के लिए विज्ञापन बना रही थी जिसे उस समय बिनाका के नाम से जाना जाता था।यह कम्पनी अपने अन्य उत्पादों का उत्पादन भी करती थी।एक खबरिया चैनल के अनुसार,तब हामिद सयानी भी रेडियो सीलोन में अंग्रेजी गानों का अपना दिलचस्प कार्यक्रम प्रसारित कर रहे थे।इस कार्यक्रम की सफलता को देखते हुए कम्पनी ने भविष्य हिन्दी श्रोताओं की प्रसंद हिंदी फिल्मी गानों की जबरदस्त मांग को ध्यान में रखते हुए, विनाका कम्पनी विज्ञापन के माध्यम सेबिनाका गीत माला नाम से एक हिंदी कार्यक्रम बनाने के बारे में कल्पना की ,जिसके प्रस्तोता अमीन सयानी थे।जो देश के हिंदी भाषी क्षेत्र के लोगों के बीच काफी लोकप्रिय हुए।विगत मंगलवार को हिन्दी प्रेमी के लिए एक दुःखद समाचार भाई कि स्वर के सम्राट अमीन सयानी नें इस संसार अलविदा कह दिया है।यह दुखद सुचना आज मुझे एड मीडिया मित्र के फेस बुक के वॉल पर मिली ! खबर की पुष्टि के लिए मैने कई श्रोतो से पता किया । इसी दौरान मुझे लोक सभा ओम बिरला जी कें पोस्ट पर देखनें को मिला। अपनी मखमली आवाज और प्रस्तुति की विशिष्ट शैली से अमीन सयानी जी श्रोताओं के लिए रेडियो के पर्याय बन चुके थे। उनके शब्दों और वाणी का प्रभाव किसी भी दृश्य को जीवंत कर देता था। उनका निधन कला जगत में एक युग का अंत है। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें। परिजनों के प्रति संवेदनाएं। .इस महान आइकन का 91 वर्ष की आयु में हृदय गति रुकने से निधन हो गया। एक बाकिया है कि 2014 में इंडियन एक्सप्रेस के अनुसार,81 साल की उम्र में जब अमीन सयानी सितारों की जवानियां नामक एक शो की मेजबानी कर रहे थे,सयानी ने बताया कि कैसे उन्होंने बच्चन के ऑडिशन का मौका गंवा दिया,जो आगे चलकर हिंदी सिनेमा के शहंशाह बन गए। 1991 में हृषिकेश मुखर्जी की फिल्म आनंद की रिलीज के बाद ही उन्हें पता चला कि फिल्म में जिस आदमी की आवाज उन्हें पसंद थी,वह वही आदमी है जो रेडियो प्रस्तोता बनने का सपना लेकर उनके पास आया था, जिससे उन्होंने मिलने से इनकार कर दिया था पहले भी कई बार जब अमिताभ लोकप्रिय नहीं थे। मुझे भी सिलोन रेडियों के एक श्रोता बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।मैं उन्हें दिल से प्यार करता हूँ। 80 के दशक में मनोरजंन के गिने चुनें साधन हुआ था।खासकर गाँव में। ऐसे रेडियों पर कई ज्ञानवर्दक व मनोरंजन कार्यक्रम रेडियों पर आते थें। इन मुघर संगीत के कार्यकम प्रत्येक शुक्रवार की शाम आठ बजे हिन्दी फिल्मी गीतों का कार्यक्रम बिनाका टॉप नाम सें श्री लंका के सिलोन रेडियों पर आता था। खासकर साल के अन्त में बिनाका टॉप 10 गीतो का चयन अमीन सयानी जी के कुशल नेतृत्व में किया जाता था। उनकी जादू ई आवाज आज भी मेरे कान में गुँज रही - - बहनों भाईयों -- ये शाट वेव -- -- -- सिलोन रेडियो है। अब आपका दोस्त- अमीन समानी -- का नमस्कार - -

स्वर के इस जादूगर को कल म के इसी सिपाई का शत -- शत -- नमन अमीन दा --- अलविदा।

भाजपा: विपक्ष की चुनौती अभी बरकरार...

-राकेश अचल

मिशन बनाकर यानि मिशन मोड में काम करने वाली सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी के लिए विपक्ष की और से चुनौती अभी पूरी तरह समाप्त नहीं हुई है। उलटे आगामी लोकसभा चुनाव के सबसे बड़े कुरुक्षेत्र उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के बीच हुए चुनावी गठबंधन ने भाजपा की मुसीबतें और बढ़ा दीं हैं। बिखरते गठबंधन में ये नया मोड़ भाजपा के मिशन 400 पार में ब्रेक लगा सकता है। सत्तारूढ़ भाजा ने विपक्षी गठबंधन आईएनडीआईए यानि इंडिया को नेस्तनाबूद करने के लिए जितनी कोशिशें हो सकती थीं कर लीं है। बिहार की सत्ता हाथ से छीन ली। बंगाल को सन्देशखाली की वारदातों के बहाने उलझा लिया। झारखंड में सरकार की जड़ें हिला दी, लेकिन चंडीगढ़ महापौर के चुनाव में सर्वोच्च न्यायालय का फैसला आने के बाद भाजपा की इन तमाम कोशिशों पर पानी फिर गया। तेजी से बिखर रहा इंडिया गठबंधन अचानक एक होता दिखाई देने लगा। उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी और कांग्रेस में सीटों के बंटवारे की समस्या आनन-फानन में सुलझ गयी। चंडीगढ़ जीतने के बाद आम आदमी पार्टी के सुर भी गठबंधन को लेकर बदले है। मुमकिन है कि आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के बीच जहाँ सम्भव हो ,वहां सीटों के बंटवारे पर बात बन जाए और ये दोनों भी मिलकर चुनाव लड़ें। भाजपा के मिशन 400 पार में एक नयी बाधा किसान आंदोलन से भी पैदा हुई है । किसान आंदोलन को लेकर सरकार के रुख में कोई खास तबदीली नहीं आयी है। सरकार का रुख दो साल पुराने रुख जैसा ही है । किसानों और सरकार के बीच बातचीत के आधा दर्जन दौर नाकाम साबित हुए है। बात बनने के बजाय बिगड़ रही है। शम्भू सीमा पर किसानों और सुरक्षा बलों के साथ हुयी मुठभेड़ में एक किसान की मौत भी हो चुकी है ,दर्जनों किसान घायल हुए है। सरकार ने इस बीच गन्ना उत्पादक किसानों को आंदोलन से तोड़ने के लिए गन्ने के दामों में 8 फीसदी की बढ़ोत्तरी की घोषणा अवश्य की है। आपको याद है कि भाजपा तीसरी बार सत्ता में तीन गुना ज्यादा संख्या बल के साथ वापस आना चाहती है । इसके लिए माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी संसद में और भाजपा के राष्ट्रिय अधिवेशन में मिशन 400 पार का लक्ष्य घोषित किया है। मौजूदा संसद में भाजपा के पास 303 सांसद हैं। भाजपा चाहती है की आने वाले लोकसभा चुनाव में ये संख्या कम से कम 370 तक पहुंचे। बाकी 30 सीटें भाजपा के गठबंधन के सहयोगी दल लेकर आएं। भाजपा को आने वाले 23 साल के लिए सत्ता में बने रहने के लिए ये लक्ष्य तय किया गया है। मेरे हिसाब से ये लक्ष्य असम्भव तो नहीं है क्योंकि अतीत में कांग्रेस इस लक्ष्य को भेद चुकी है ,किन्तु तब परिस्थितियां भिन्न थीं। आज परिस्थितियां भिन्न हैं। तब मैदान में राजीव गांधी का चाकलेटी चेहरा जनता के सामने था । कांग्रेस ने ये लक्ष्य हासिल करने के लिए कोई मिशन नहीं बनाया था बल्कि देश की सर्वाधिक लोकप्रिय प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गाँधी का बलिदान दिया था। आज जनता के सामने सर्वाधिक लोकप्रिय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जरूर हैं लेकिन उनकी सरकार बलिदान दे नहीं रही बल्कि ले रही है । इस सरकार के सामने दो साल पहले 700 से ज्यादा किसान अपनी जान गँवा चुके हैं। सरकार जम्मू-कश्मीर जैसे राज्य का बलिदान ले चुकी है । सरकार ने पांच साल बाद भी जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा वापस नहीं लौटाया है। भाजपा के शासन में सीमावर्ती राज्य मणिपुर में जो आग लगी थी उसका धुंआ अभी तक उठ रहा है। बहरहाल देश का परिदृश्य तेजी से बदल रहा है । एक के बाद एक हमले को सहन करते हुए कांग्रेस की भारत जोड़ो न्याय यात्रा अवाध गति से आगे बढ़ रही है। कांग्रेस के उत्साह को भाजपा की और से किये जा रहे प्रहार भंग नहीं कर पाए है। भाजपा ने कांग्रेस के तमाम सहयोगी दलों को तोड़ने की हद दर्जे की घटिया और अनैतिक कोशिशें की । भाजपा को इसमें कामयाबी भी मिली ,लेकिन ये तमाम कोशिशें कहीं आत्मघाती साबित न हो जाएँ। भाजपा जिन दलों के बूते 2019 के आम चुनाव में 303 के लक्ष्य तक पहुंची थी उनमें से अनेक अब उसके साथ नहीं हैं। उत्तर प्रदेश ,महाराष्ट्र और बिहार में राजनीतिक परिदृश्य बदला हुआ है। लेकिन भाजपा ने भी हार नहीं मानी है । भाजपा ने उत्तर प्रदेश में कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के गठबंधन के बाद न सिर्फ समाजवादी पार्टी को बल्कि बहुजन समाज पार्टी को भी तोड़ने का अभियान शुरू कर दिया है। समाजवादी पार्टी से स्वामी प्रसाद मौर्य अलग हो गए है। बसपा के 10 में से 4 सांसदों को तोड़कर भाजपा अपने साथ लेने की कोशिश कर रही है । लेकिन इससे भाजपा का रास्ता आसान होने वाला नहीं है। इस लोकसभा चुनाव से पहले भाजपा ने सबसे बड़ा काम अयोध्या में राममंदिर बनाकर भाजपा और मुख्यमंत्री के रूप में गुजरात के 2002 के साम्प्रदायिक दंगों के लिए लांछित नरेंद्र मोदी को शापमुक्त करने का किया है। हिन्दू मतदाताओं का एक बड़ा वर्ग भूल चुका है की 2002 में मोदी जी की गुजरात के दंगों में भूमिका क्या और कैसी थी ? इस समय मोदी जी एक अवतार के रूप में जनता के सामने हैं। मदमत्त और निश्चिन्त । परम-स्वतंत्र न सिर पर कोई वाली मुद्रा में। मोदी जी की ये मुद्रा आने वाले लोकसभा चुनाव में या तो भाजपा को पार लगा देगी या फिर डुबो देगी । सारा दारोमदार मोदी जी के मजबूत कन्धों पर है। मोदी जी के दस साल के कार्यकाल में भाजपा का संगठन आर्थिक रूप से मजबूत हुआ है किन्तु मानसिक रूप से कमजोर हुआ है । आरएसएस अब भाजपा का पिछलग्गू संगठन नजर आने लगा है। फिर भी दोनों में गजब का समंजस्य है। आने वाले दिनों में देश की सियासी तस्वीर और साफ हो जाएगी । प्रतीक्षा कीजिये।

एक बार पुन: प्रमाणित : न्यायपालिका ही प्रजातंत्र की सही संरक्षक...!

- ओमप्रकाश मेहता

भारतीय प्रजातंत्र की हम सतहत्तरवीं वर्ष ग्रंथी मना रहे है, इस लम्बी अवधि के दौरान वैसे तो प्रजातंत्र के चारों स्तंभों न्यायपालिका, विधायिका, कार्यपालिका और खबरपालिका की अपनी-अपनी भूमिकाएं रही, किंतु चूंकि खबरपालिका इन भूमिकाओं की विश्लेषक भी रही, इसलिए शेष तीन अंग कार्यपालिका, विधायिका व न्यायपालिका इसे अपना अंग मानने को आज भी सहमत नहीं है, इसलिए प्रजातंत्र के मूल्यांकन के वक्त खबरपालिका को छोड़ शेष तीनों अंगों का ही महत्व प्रतिपादित किया जाता है। अब यह एक काफी लम्बे विवाद का विषय है कि आजादी के बाद से अब तक के कार्यकाल में प्रजातंत्र की मजबूती में कौन से अंग की भूमिका सबसे अधिक प्रभावी व महत्वपूर्ण रही, इस बात का अब तक कई स्तरों पर मूल्यांकन हुआ और हर मूल्यांकन में न्यायपालिका ने ही बाजी मारी, क्योंकि बाकी दो अंगों कार्यपालिका व विधायिका के बारे में माना गया कि इनमें समय के अनुसार बदलाव आते गए और इनमें भ्रष्टाचार की दीमक ने प्रवेश कर लिया, जो दिनों-दिन प्रजातंत्र के दोनों महत्वपूर्ण अंगों कार्यपालिका व विधायिका को खोखली करती जा रही है और आज स्थिति यहां तक पहुंच गई है कि इन दोनों अंगों का अपना कोई नियम-कानून या सिद्धांत ही शेष नहीं बचा, इसीलिए आज हर कहीं लूटमार का नजारा देखने को मिल रहा है। जहां तक तीसरें अंग न्यायपालिका का सवाल है, इसने अपनी अस्मिता अभी भी कायम रखी है और देश ही नहीं यह पूरे राष्ट्र व जनता के हितों का संरक्षण करने लगी है, इसीलिए मौजूदा हालातों में इसी अंग को प्रजातंत्र के सही संरक्षक की नजरों से देखा जाता रहा है और अब तो यही सिद्ध भी करने में जुटी है, जिसका ताजा उदाहरण चंडीगढ़ में महापौर के चुनाव का ताजा घटनाक्रम है, जिसमें सर्वोच्च न्यायालय के सीधा हस्तक्षेप कर महापौर चुनाव के पक्षपाती फैसले को बदल कर एक नई मिसाल पेश की। चंडीगढ़ का यह चुनाव वैसे तो शुद्ध रूप से स्थानीय स्तर का चुनाव था, किंतु इसके घोषित परिणाम को रद्द कर जो सुप्रीम कोर्ट ने अपना फैसला दिया, वह अपने आपमें अब तक की बड़ी मिसाल है, इस चुनाव का पीठासीन अधिकारी स्वयं भाजपा का एक वरिष्ठ पदाधिकारी था, इसलिए उसने मतपत्रों के निरस्तीकरण और उनमें हेराफैरी करके भाजपा प्रत्याशी को विजयी घोषित कर दिया था, जबकि पीठासीन अधिकारी द्वारा निरस्त किए गए मत निरस्ती योग्य नही थे। तब सुप्रीम कोर्ट ने अपनी दबंगई कानूनों का प्रयोग करते हुए इसमें सीधा हस्तक्षेप किया और स्वयं ने वोटों की फिर से गिनती करवाकर सही रूप से विजयी आम आदमी पार्टी के प्रत्याशी को महापौर के रूप में घोषणा की, सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव के नियमों का हवाला देते हुए उसमें की गई अनियमितताओं का भी उल्लेख किया और पीठासीन अधिकारी द्वारा अमान्य आठ मतों को मान्य कर संशोधित परिणाम घोषित कर दिया सर्वोच्च न्यायालय का यह कदम अब तक के भारतीय इतिहास का एक महत्वपूर्ण कदम बन गया, जो इसके इतिहास में दर्ज हो गया। चंडीगढ़ की इस छोटी सी घटना ने देश के प्रजातंत्री इतिहास में सर्वोच्च न्यायालय की अहम् भूमिका पुनः एक बार दर्ज करा दी। इस तरह पुनः एक बार देश को यह विश्वास हो गया कि इस देश में प्रजातंत्र की मुख्य संरक्षक न्यायपालिका ही है, जो हर अंग को अपने सही रास्ते पर लाने में सक्षम है।

आज का राशिफल

मेष आज का दिन शानदार है। आपको सम्मानित किए जाने की संभावना है। आपके बैंक बैलेंस में इजाफा होगा।

तुला आज लाभ का दिन है। अधिकार और संपत्ति में वृद्धि होगी। आप दूसरों के भले की सोचेंगे।

वृषभ आज का दिन काफी व्यस्तता से भरा होगा और आपको काफी भागदोड़ करनी पड़ सकती है।

वृश्चिक मानसिक रूप से परेशान रहेंगे। व्यापार वृद्धि के लिए किए गए प्रयास निष्फल हो सकते हैं।

मिथुन संभलकर चलने की जरूरत है। आप फिजूल के खर्चे से बचें। आपके कष्ट में वृद्धि हो सकती है।

धनु आज आपके भाग्य में वृद्धि होगी। आपके मन में परोपकार की भावना विकसित होगी।

कर्क आर्थिक लाभ होगा और आज भाग्य की दृष्टि से दिन उत्तम रहेगा। आपको मेहनत का फल मिलेगा।

मकर वस्तुओं की प्राप्ति के साथ साथ अनावश्यक खर्चे भी सामने आएंगे जो न चाहते हुए भी करने पड़ेंगे।

सिंह दिन मिश्रित फलकारक है। मानसिक अशांति, खिन्नता की वजह से आपके तनाव में वृद्धि होगी।

कुंभ आज भाग्य साथ देगा। आज का दिन बुद्धि विवेक से नई-नई खोज करने में व्यतीत होगा।

कन्या आप में निर्भीकता का भाव रहेगा तथा साहसपूर्वक अपने कठिन कार्यों को संपन्न करने में सक्षम रहेंगे।

मीन आपका बहुत समय से लटका कार्य पूर्ण होगा। किसी विवाद का हल निकल आएगा।

विशेष

मोदी और नड्डा के पीछे पड़े सुब्रमण्यम स्वामी

भाजपा के दिग्गज नेता तथा पूर्व केंद्रीय मंत्री सुब्रमण्यम स्वामी, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के खिलाफ हमला करने का कोई मौका नहीं छोड़ते हैं। राष्ट्रीय अधिवेशन में राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव संसदीय बोर्ड द्वारा कराए जाने पर, उन्होंने अपनी ही पार्टी और अपने ही अध्यक्ष को निशाने पर ले लिया है। सबसे बड़े आश्चर्य की बात है कि सुब्रमण्यम स्वामी को लेकर भाजपा के नेता और भाजपा की सोशल मीडिया की टीम चुप्पी साध लेती है। प्रधानमंत्री के ऊपर बड़े हमले सुब्रमण्यम स्वामी ने किये। कोई भी भाजपा का नेता और भाजपा का सोशल मीडिया, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बचाव में नहीं उतरा। अब स्वामी ने अपनी ही पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के खिलाफ कोर्ट में जाने की बात कही है। सुब्रमण्यम स्वामी भाजपा नेतृत्व के लगातार मुखर हो रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेश नीति आर्थिक नीति और सामरिक नीति की खुलकर आलोचना कर रहे हैं। इनके साथ प्रधानमंत्री के संबंधों को लेकर भी वह कई बयान दे चुके हैं। इसके बाद भी भाजपा नेताओं की चुप्पी आश्चर्यजनक है। राज्यसभा से रिटायर होने के बाद सुब्रमण्यम स्वामी नाराज चल रहे हैं। भाजपा के नेता उन्हें मनाने का कोई प्रयास भी नहीं कर रहे हैं।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1574: फ्रांस में पांचवाँ धर्मयुद्ध शुरू हुआ. 1660: पोलैंड समर्थक पार्टी के नेताओं को स्वीडन नरेश चार्ल्स नौंवे ने मौत के घाट उतार दिया. 1768: हैदराबाद के निजाम के साथ अंग्रेजों ने संधि की. 1820: ब्रिटिश कैबिनेट के एक मंत्री की हत्या के लिए रची गयी साजिश का भंडाफोड़ हुआ. 1836: मेक्सिको के हमलावरों के खिलाफ टेक्सास में अलामी की नाकेबंदी की गयी. 1854: ब्रिटेन दक्षिण अफ्रीका में आरेंज नदी के उत्तर के क्षेत्र को हटने के लिए राजी हुआ. 1933: जापान ने 964 जंजीबार में अब्दुल अरामी करूमे के शासन को मान्यता दी. 1952: कर्मचारी भविष्य निधि कानून पारित हुआ. 1970: गुयाना ने ब्रिटेन से संबंध तोड़े लेकिन राष्ट्रकुल की सदस्यता बरकरार रखी. 1973: लाओस सरकार और कम्युनिस्टों में समझौते के बाद लड़ाई पुनः भड़क उठी. 1975: अमरीका ने पाकिस्तान को हथियार बेचने पर लगा प्रतिबंध उठा लिया. 1989: जापान ने सम्राट हिरोहितो का निधन.

दैनिक पंचांग

23 फरवरी 2024 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कुंभ में	मीन	07.33 बजे से
चंद्र	कर्क में	मेष	09.03 बजे से
मंगल	मकर में	वृष	10.43 बजे से
बुध	कुंभ में	मिथुन	12.41 बजे से
गुरु	मेष में	कर्क	14.55 बजे से
शुक्र	मकर में	सिंह	17.11 बजे से
शनि	कुंभ में	कन्या	19.23 बजे से
राहु	मीन में	तुला	21.34 बजे से
केतु	कन्या में	वृश्चिक	23.48 ब.से
		धनु	02.04 बजे से
राहुकाल 10.30 से 12.00 बजे तक		मकर	04.09 बजे से
		कुंभ	05.56 बजे से

शुक्रवार 2024 वर्ष का 54 वां दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** शिशिर।
विक्रम संवत् 2080 **शक संवत्** 1945
मास माघ **पक्ष** शुक्ल
तिथि चतुर्दशी 15.34 बजे को समाप्त।
नक्षत्र आश्लेषा 19.26 बजे को समाप्त।
योग शोभन 12.48 बजे को समाप्त।
करण वणिज 15.34 बजे तदनन्तर विष्टि 04.46 बजे प्रात: को समाप्त।
चन्द्रायु 13.1 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 10° 06'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1871898
जूलियन दिन 2460363.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2550
हिजरी सन् 1445
महीना सावान
तारीख 12
विशेष वीर तेजाजी जयंती।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
चर	05.55 से	07.23 बजे तक	रोग	05.38 से	07.1 बजे तक
लाभ	07.23 से	08.51 बजे तक	काल	07.11 से	08.43 बजे तक
अमृत	08.51 से	10.19 बजे तक	लाभ	08.43 से	10.15 बजे तक
काल	10.19 से	11.47 बजे तक	उद्वेग	10.15 से	11.47 बजे तक
शुभ	11.47 से	01.15 बजे तक	शुभ	11.47 से	01.19 बजे तक
रोग	01.15 से	02.43 बजे तक	अमृत	01.19 से	02.51 बजे तक
उद्वेग	02.43 से	04.10 बजे तक	चर	02.51 से	04.23 बजे तक
चर	04.10 से	05.38 बजे तक	रोग	04.23 से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

घुटने का दर्द हो जाएगा छूमंतर ट्राय करें यह देसी नुस्खा

बढ़ती उम्र और डेली रूटीन में अलग-अलग स्थितियों के कारण हमारे शरीर में अलग-अलग प्रकार के बदलाव होते हैं। इसके परिणामस्वरूप कई प्रकार की बीमारियां और स्वास्थ्य समस्याएं भी शरीर को अपना शिकार बनाती हैं जिनमें घुटनों का दर्द भी प्रमुख रूप से गिना जाता है। घुटने के दर्द की समस्या ज्यादातर बुजुर्गों को परेशान करती है वहीं खेलकूद से जुड़े लोगों को भी इस समस्या से जूझना पड़ता है। ऐसे लोगों के लिए यहां पर एक देसी नुस्खे के बारे में बताया जा रहा है जो उनके घुटनों में होने वाले दर्द को दूर करने के लिए कारगर रूप से कार्य कर सकता है। आइए इस देसी नुस्खे के बारे में आपको पूरी जानकारी देते हैं।

क्यों होता है घुटनों में दर्द?

इस देसी नुस्खे को जानने से पहले आपको यह जरूर जान लेना चाहिए कि आपके पैरों में होने वाले दर्द का प्रमुख कारण क्या होता है? मुख्य रूप से अगर बात की जाए तो घुटनों में होने वाला दर्द टेंडइनाइटिस, गाउट, ऑस्टियोआर्थराइटिस, बेकर्स सिस्ट, बर्साइटिस जैसी मेडिकल कंडीशन के कारण होता है। इसके अलावा खेलकूद के दौरान लगने वाली चोट या फिर किसी दुर्घटना में गिरने के कारण भी घुटनों में दर्द की समस्या हो सकती है। नीचे आपको ऐसे दो खास देसी नुस्खे बताए जा रहे हैं जो सामान्य रूप से घुटने में होने वाले दर्द की समस्या को ठीक करने के लिए आपकी मदद कर सकते हैं।

सेब के सिरके का करें सेवन

सेब के सिरके में ऐसे कई औषधीय गुण मौजूद रहते हैं जो आपकी सेहत के लिए भी प्रभावी रूप से फायदेमंद साबित होते हैं। एक चम्मच सेब के सिरके को अगर आप गर्म पानी के साथ मिलाकर पीने के लिए इस्तेमाल करते हैं तो इसमें मौजूद पेन रिलीविंग गुण आपके घुटनों में होने वाले दर्द को दूर करने के लिए प्रभावी असर दिखा सकता है। आप इस तरह सेब के सिरके का दिन में दो बार सेवन कर सकते हैं। कोशिश करें कि खाना खाने के पहले इसका सेवन करें।

नींबू और तिल के तेल का इस्तेमाल

एक नींबू लें और उसे काटकर रस निकाल लें। अब दो चम्मच तिल के तेल में नींबू के रस को मिलाएं और हल्के हाथों अपने घुटनों पर इस मिश्रण की मालिश करें। रात में सोने से पहले और सुबह उठने के बाद यानी मॉर्निंग वॉक पर जाने से पहले आप इस देसी नुस्खे को ट्राय कर सकते हैं। नींबू में मौजूद एंटी इंफ्लेमेटरी गुण घुटनों में होने वाली सूजन को कम कर के दर्द को दूर कर सकता है।
एक बात का ध्यान रखें कि गंभीर मेडिकल कंडीशन होने के कारण आपको इस देसी नुस्खे का कोई खास फायदा नहीं मिलेगा और आपको मेडिकल ट्रीटमेंट की जरूरत भी पड़ेगी।

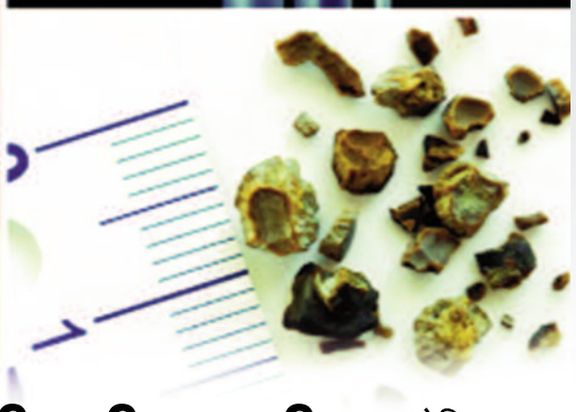

किडनी की पथरी एक आम समस्या है, जो किसी को भी हो सकती है।महिलाओं की तुलना में पुरुषों को किडनी की पथरी का अधिक खतरा होता है और लगभग आधे लोगों को 10 से 15 साल के भीतर दोबारा पथरी हो सकती है। यह एक दर्दनाक स्थिति है, जो आपका सामान्य जीवन बुरी तरह प्रभावित कर सकती है।

आसानी से किडनी की पथरी निकाल देंगे ये उपाय

किडनी में पथरी क्यों बनती है किडनी की पथरी तब बनती है जब कैल्शियम, ऑक्सालेट और यूरिक एसिड जैसे अपशिष्ट पदार्थ शरीर से बाहर नहीं निकल पाते और क्रिस्टल यानी छोटी-छोटी पथरी का रूप ले लेते हैं। समय के साथ यह बड़े होते रहते हैं। हार्वर्ड हेल्थ के अनुसार, कई बार छोटी पथरी पेशाब के जरिए बाहर निकल जाती हैं लेकिन कई बार वो पेशाब के रास्ते में अटक सकती हैं, जिससे मरीज को पेशाब के दौरान जलन, गंभीर दर्द, पेट और पीठ के बीच शरीर के एक तरफ गंभीर दर्द, पेशाब में खून, मतली और उल्टी जैसे लक्षण महसूस हो सकते हैं।

किडनी की पथरी को कैसे निकाले

किडनी की पथरी निकलने में कई हफ्ते या महीने लग सकते हैं और यह पथरी के आकार और संख्या पर निर्भर करता है। इसके लिए कई दवाएं और उपचार मौजूद हैं। कई बार पथरी निकालने के लिए ऑपरेशन की भी जरूरत पड़ सकती है। हार्वर्ड हेल्थ के अनुसार, कुछ आसान घरेलू उपायों के जरिए किडनी की पथरी को निकालने या इससे बचने में मदद मिल सकती है।

कैल्शियम वाली चीजें ज्यादा खाएं

आपको कैल्शियम वाली चीजों का सेवन बढ़ा देना चाहिए। दही, सोया उत्पाद, बीन्स, दाल और बीज कैल्शियम के अच्छे स्रोत हैं। कैल्शियम ऑक्सालेट को आंतों में बांधने का काम करता है और उसे ज्यादा अवशोषित नहीं होने देता जिससे पेशाब में इसकी मात्रा कम हो जाती है।

खूब पानी पिएं

जो लोग प्रतिदिन 2 से 2.5 लीटर पेशाब करते हैं, उन्हें किडनी की पथरी विकसित होने की संभावना कम थी। इतना पेशाब करने के लिए आपको प्रतिदिन लगभग लगभग 2 लीटर पानी पीना चाहिए।

सोडियम का रखें ध्यान

सोडियम से भरपूर चीजें किडनी की पथरी बनने की आशंका होती है। इसका कारण यह है कि सोडियम आपके पेशाब में कैल्शियम की मात्रा को बढ़ाता है। आपको रोजाना 2,300 मिलीग्राम से अधिक सोडियम का सेवन नहीं करना चाहिए। मांस, अंडे और सीफूड से मिलने वाले प्रोटीन को एनिमल प्रोटीन कहा जाता है। इन्हें खाने से पथरी बनने का खतरा बढ़ सकता है।

पथरी का दुश्मन है नींबू

पथरी से बचने के लिए आपको नींबू का रस पीना चाहिए। इसमें मौजूद साइट्रेट या साइट्रिक एसिड से कैल्शियम को बांधने और पथरी बनने से रोकने में मदद मिलती है। रोजाना आधा कप नींबू का रस पानी में घोकर पीना चाहिए। दो नींबू का रस पीने से यूरिन साइट्रेट बढ़ सकता है और किडनी की पथरी का खतरा कम हो सकता है।

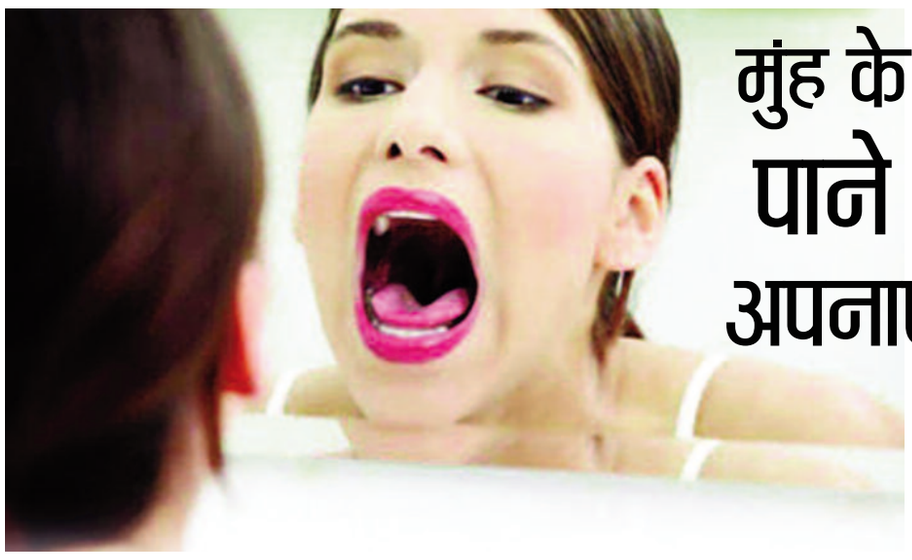

मुंह के छालों से छुटकारा पाने के लिए जरूर अपनाएं ये घरेलू उपाय

पुरूषों के मुकाबले यह समस्या ज्यादातर महिलाओं में अधिक होती है। इसका मुख्य कारण उनके हारमोन्स में अधिक उतार-चढाव आना है। यह छाले अपने आप ही कुछ दिनों में ठीक हो जाते हैं। इनके निकलने के कई कारण हो सकते हैं। पेट के साफ न होने और खाना खाते समय अचानक दांतों से मुंह के अंदर की झिल्ली के कट जाने से छाले हो जाते हैं। मासिक धर्म या मेनापॉज के सामय हारमोन्स में बदलाव तथा वायरस, बैक्टीरिया या फंगस संक्रमण से निकल सकते हैं। इसके अन्य कारणों में शरीर की रोग-प्रतिरोधक क्षमता कम होना, एलर्जी होना भोजन में विटामिन सी और बी12 की कमी होना आदि शामिल हैं। कुछ दवाओं के साइड इफेक्ट के रूप में भी मुंह में छाले निकल सकते है।

छालो से बचाव के उपाय

खाना धीरे-धरी चबा-चबा कर खाएं। खाते समय बात न करें, ताकि दांतों से मुंह के अंदर की परत को नुकसान न पहुंचे।

- नींबू को आधा काटें, इसे छाले पर लगाएं, इससे थोडी जलन तो होगी, परंतु यह सुन्न हो जाएगा, जो अच्छा है। आखिर में थोडा शहद छाले पर लगाएं।
- शरीर की सफाई, संतुलित भोजन और पीने के साफ पानी पर भी विशेष ध्यान देना जरूरी है।
- कुछ दिनों तक लगातर विटामिन सी और विटामिन बी12 की गोलियां खाएं।
- माउथवाश का प्रयोग करें-कई बार कुल्ला करने से यह आपके मुख में बढने वाले जीवाणुओं को साफ करता है और इसके साथ-साथ कई मामलों में छाले में दर्द से राहत देता है। किसी बिना नुस्खा घोल का उपयोग करें, कोई भी माउथवाश इस प्रयोजन के लिए कार्यकारी है। सुबह और शाम कुल्ला करें और हो सके तो दिन के खाने के बाद भी कुल्ला करें।

दिल का रखेंगे ध्यान ब्रोकली और पत्तागोभी

क्या आपको भी ब्रोकली, पत्तागोभी और ब्रसल्स स्प्राउट जैसी सब्जियां अच्छी नहीं लगतीं। अगर आप भी इन सब्जियों को खाने से परहेज करते हैं तो आप अनजाने में दिल की बीमारियों को न्योता दे रहे हैं। एक हालिया शोध के अनुसार ये सब्जियां रक्त धमनियों और वाहिकाओं की बीमारियों के जोखिम को कम करने में मदद करती हैं। रक्त धमनियों में अवरोध पैदा होने से हार्ट अटैक और स्ट्रोक का जोखिम बढ़ जाता है। ब्रिटिश जर्नल ऑफ न्यूट्रिशन में प्रकाशित शोध में पाया गया कि पत्तेदार हरी सब्जियों जैसे ब्रोकली, ब्रसल्स स्प्राउट और पत्तागोभी का सेवन करने का संबंध बुजुर्गों में रक्त वाहिकाओं की बीमारियों के कम जोखिम के साथ था। ईसीयू स्कूल ऑफ मेडिसिन और द यूनिवर्सिटी ऑफ वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया के शोधकर्ताओं ने 684 बुजुर्ग महिलाओं पर अध्ययन किया। शोधकर्ताओं ने देखा कि जिन महिलाओं ने ज्यादा हरी पत्तेदार सब्जियों का सेवन किया उनकी महाधमनी में कैल्शियम के जमाव का खतरा कम पाया गया। यह रक्त वाहिकाओं में होने वाली बीमारियों का पहला संकेत होता है।

हार्ट अटैक हो सकता है

रक्त वाहिकाओं की बीमारियां धमनियों और नसों को प्रभावित करती हैं। धमनियों और नसों में कैल्शियम का जमाव होने से रक्त के प्रवाह में बाधा आती है जिससे हार्ट अटैक और स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है।

रोजाना सब्जी खाना जरूरी

डॉक्टर ब्लेकेनहॉर्स्ट ने कहा कि इस अध्ययन में जिन महिलाओं ने प्रतिदिन 45 ग्राम से अधिक सब्जियों का सेवन किया (जैसे एक कप उबली हुई ब्रोकली या एक कप पत्ता गोभी) उनकर महाधमनी में कैल्शियम के व्यापक जमाव की आशंका 46 प्रतिशत कम थी। इनकी तुलना रोजाना सब्जी नहीं खाने वाले लोगों से की गई। ब्लेकेनहॉर्स्ट ने कहा, अच्छे स्वास्थ्य के लिए सिर्फ ब्रोकली, स्प्राउट और पत्तागोभी का ही सेवन नहीं करना चाहिए बल्कि सभी प्रकार की मौसमी सब्जियां खानी चाहिए।

रोजाना कितनी सब्जी खाएं

- रोज सलाद के रूप में 80 ग्राम कच्ची सब्जी का सेवन करना चाहिए।
- प्रतिदिन 80 ग्राम पकी हुई सब्जी का सेवन करने की सलाह।
- प्रतिदिन 125 मिलीलीटर सब्जी के जूस का सेवन करना चाहिए।

ब्रोकली और स्प्राउट है बेहद फायदेमंद

प्रमुख शोधकर्ता डॉक्टर लाउरेन ब्लेकेनहोर्स्ट ने कहा, हरी पत्तेदार सब्जियों के बारे में कुछ पेचीदा था, जिस पर इस अध्ययन ने अधिक प्रकाश डाला है। हमारे पूर्व शोधों में हमने पाया कि जिन लोगों ने हरी पत्तेदार सब्जियों का सेवन किया उनमें दिल संबंधी बीमारियों और घटनाएं जैसे हार्ट अटैक और स्ट्रोक का जोखिम कम पाया गया। हमारे शोध से हरी पत्तेदार सब्जियों के फायदों के बारे में पता चलता है। बुजुर्गावस्था में ज्यादा हरी पत्तेदार सब्जियों का सेवन करने से धमनियां स्वस्थ रहती हैं और इससे दिल भी स्वस्थ रहता है।

विटामिन-के मौजूद होता है

हरी पत्तेदार सब्जियों जैसे ब्रोकली, स्प्राउट और पत्तागोभी में बड़ी मात्रा में विटामिन- के मौजूद होता है। विटामिन-के रक्त वाहिकाओं में कैल्शियम के जमाव को रोकने का काम करता है।

हलवा देता है पौष्टिक फायदे

- सूजी का हलवा बना रहे हैं तो सूजी के दाने थोड़े मोटे ही लें, एकदम बारीक नहीं। यह पाचन तंत्र के लिए बेहतर होता है।
- अगर आटे का हलवा बना रहे हैं तो ध्यान रखें कि आटा जरा मोटा पिसा हुआ हो, ये चिपकेगा नहीं और स्वाए व पाचन दोनों के लिए अच्छा रहेगा।
- अगर नुकसान से बचना चाहते हैं, तो डालडा या बाजार के घी के बजाए देसी घी या गाय के शुद्ध घी का प्रयोग करें। देशी घी में बना हलवा त्रिदोषों का संतुलन करता है।
- हलवे को सूर्योदय के पहले उठकर मुंह धोकर पकाते हुए तुरंत गर्मा-गरम खाना चाहिए।
- हलवा ठंडा करके न खाएं, इसे गर्मागर्म ही परोसें ताकि सिरदर्द या न्यूरो वेस्कुलर डिसआर्डर जैसी समस्याओं में फायदा मिल सके।
- हलवा खाने के तुरंत या कुछ देर बाद तक भी ठंडा पानी न पिएं, वरना आप इसके फायदों को नहीं पा सकेंगे। आधे घंटे बाद ही पानी पिएं।
- हलवा पचने में बहुत हल्का होता है, इसलिए इसे सर्जरी के बाद, प्रसव के बाद, कमजोरी में, बीमारी से उबरने में और कम वजन वाले लोगों को भी दिया जा सकता है।
- हलवे में केसर, इलायची और थोड़े से सूखे मेवों का प्रयोग किया जा सकता है।
- देशी घी में बना हलवा त्रिदोषों का संतुलन करता है और हमें स्वस्थ बनाता है।
- शकर की जगह गुड़ का प्रयोग करेंगे, तो स्वाद और सेहत दोनों के फायदे पा सकेंगे। अगर आपको शकर ही डालना है, तो ब्राउन शुगर भी यूज कर सकते हैं।

नोट : मधुमेह रोगियों को इसका सेवन नहीं करना चाहिए।

कमर दर्द से छूटकारा पाने के लिए जरूर अपनाए ये घरेलू उपाय

आजकल ज्यादातर लोगों में कमर दर्द की समस्या बढ़ती जा रही है जिसकी चपेट में बड़ी उम्र के लोग ही नहीं, बल्कि युवा के लोग भी आ रहे है। कमर दर्द के होने का मुख्य कारण बदलती जीवनशैली के साथ ऑफिस में घंटों गलत पॉश्चर बैठे रहना है। यह समस्या अब न केवल उम्र से जुड़ी है बल्कि इससे लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी भी तकलीफदेह साबित हो रही है।
कमर दर्द से छुटकारा पाने के लिए आप कई तरह के घरेलू उपचार करते है लेकिन इसका प्रभाव मात्र कुछ समय के लिए ही रहता है। आइए आज हम आपको कुछ घरेलू उपायों के बारे में बता रहे है जिसे अपनाने से जल्दी ही छुटकारा पा सकती है।
कमर दर्दकमर दर्द से छुटकारा पाने के लिए आप एक खडाई में सरसो का तेल डालकर उसमें लहसुन की तीन-चार कलियॉ के साथ अजवाइन को डालकर गर्म कर लें। ठंडा होने पर इस तेल से कमर की मालिश करें। इस उपाय से आपको जल्द ही राहत मिलेगी। कढ़ाई में दो-तीन चम्मच नमक डालकर इसे अच्छी तरह से गर्म कर लें। अब इस गर्म नमक को किसी सूती कपड़े में बांधकर पोटली बना लें। और इस पोटली से कमर की सिकाई करें काफी जल्द ही आराम मिलने लगेगा।
ऑफिस में काम करते समय ज्यादा देर तक एक ही पोजीशन में ना। हर चालीस मिनट में अपनी कुर्सी से उठकर थोड़ी देर टहल लें। कैल्शियम की कम मात्रा से भी हड्डियां कमजोर होने लगती हैं, जो कमर के दर्द का प्रमुख कारण बनती है इसलिए कैल्शियमयुक्त चीजों का सेवन करें। अजवाइन को तवे पर डालकर धीमी आंच पर सेंके और ठंडा होने पर धीरे-धीरे चबाते हुए निगल जाएं। इसके नियमित सेवन से कमर दर्द में लाभ मिलता है।

संक्षिप्त समाचार

यूपीआई स्कैम के जरिये ग्राहकों का बैंक खाता खाली कर रहे साइबर ठग

नई दिल्ली, एजेंसी। आईसीआईसीआई बैंक ने अपने सभी ग्राहकों को नया यूपीआई एप स्कैम को लेकर आगाह किया है। यह चेतावनी ऑनलाइन बैंकिंग और खासकर विभिन्न यूपीआई एप का इस्तेमाल करने वालों के लिए जारी की गई है। बैंक ने अपने ग्राहकों को भेजे ईमेल में कहा, साइबर ठग मालवेयर की मदद से यूपीआई एप को निशाना बनाकर खातों से पैसे गायब कर रहे हैं।

ऐसे बना रहे निशाना – साइबर ठग एसएमएस फॉरवर्डिंग एप्स बनाते हैं, जो पंजीकरण के लिए यूपीआई डिवाइस बाइंडिंग मैसेज को ग्राहक के बैंक से जुड़े मोबाइल नंबर पर भेजते हैं। ठग व्हाट्सएप के जरिये दुर्भावनापूर्ण तरीके से एपीके फाइलों के लिंक भेजते हैं। इसके बाद ठग यूपीआई एप्लिकेशन पंजीकरण प्रक्रिया शुरू करते हैं। जैसे ही उनके भेजे लिंक पर क्लिक करते हैं, तो आपका बैंक खाता खाली हो गया है।

सुभाष चंद्रा और पुनीत गोयनका से पूछताछ के मूड में सेबी

नई दिल्ली, एजेंसी। जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज के प्रमोटर्स की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। दरअसल, कंपनी के प्रमोटर सुभाष चंद्रा और मैनेजिंग डायरेक्टर पुनीत गोयनका से भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड पूछताछ करने की योजना बना रहा है। इन पर मीडिया फर्म में फंड डायवर्जन के आरोप हैं। सेबी इन आरोपों की जांच कर रहा है। इसी जांच के सिलसिले में पूछताछ किए जाने की संभावना है।

जून से हो रही जांच– इकोनॉमिक टाइम्स की रिपोर्ट में सूत्र के हवाले से कहा गया कि सुभाष चंद्रा और पुनीत गोयनका से पूछताछ नियामक की जांच का हिस्सा है। यह जांच अप्रैल के मध्य तक पूरी होने की उम्मीद है। पिछले साल जून में सेबी ने कहा था कि जी एंटरटेनमेंट से 200 करोड़ संबंधित पार्टी लेनदेन के माध्यम से निकाले गए थे, लेकिन कंपनी ने प्रतिभूति अपीलीय न्यायाधिकरण (सैट) के समक्ष इसका विरोध किया था। सेबी ने बाद में ट्रिब्यूनल को बताया कि वह व्यापक जांच कर रहा है। सेबी के मुताबिक उसे पता चला है कि एस्सेल ग्रुप के चेयरमैन के तौर पर सुभाष चंद्रा ने 4210 करोड़ का लेटर ऑफ कंफर्ट जारी किया था।

पहले ही दिन पैसा होगा दोगुना, 84 रुपये है शेयर का दाम

नई दिल्ली, एजेंसी। एस्कोनेट टेक्नोलॉजीज के शेयर पहले ही दिन निवेशकों का पैसा दोगुना कर सकते हैं। बाजार में उतरते ही कंपनी के शेयर 100 पर्सेंट से अधिक रिटर्न दे सकते हैं। एस्कोनेट टेक्नोलॉजीज के आईपीओ को जबरस्त रिस्पॉन्स मिला है। कंपनी का आईपीओ 500 गुना से ज्यादा सब्सक्राइब हुआ है। एस्कोनेट टेक्नोलॉजीज के शेयर ग्रे मार्केट में भी धमाल मचाए हुए हैं। कंपनी के शेयरों का ग्रे मार्केट प्रीमियम 107 पर्सेंट के ऊपर पहुंच गया है।

एस्कोनेट टेक्नोलॉजीज के आईपीओ का प्राइस 84 रुपये है। ग्रे मार्केट में कंपनी के शेयर 90 रुपये के प्रीमियम पर मिल रहे हैं। इस हिसाब से एस्कोनेट टेक्नोलॉजीज के शेयर 174 रुपये के करीब मार्केट में लिस्ट हो सकते हैं। यानी, जिन निवेशकों को आईपीओ में कंपनी के शेयर अलॉट हुए हैं वह लिस्टिंग वाले दिन 107 पर्सेंट से ज्यादा के फायदे की उम्मीद कर सकते हैं। कंपनी के शेयर 23 फरवरी 2024 को बाजार में लिस्ट होंगे। एस्कोनेट टेक्नोलॉजीज के शेयर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एसएमइ प्लेटफॉर्म पर लिस्ट होंगे।

एस्कोनेट टेक्नोलॉजीज का आईपीओ टोटल 507.24 गुना सब्सक्राइब हुआ है। कंपनी के आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स का कोटा 553.02 गुना सब्सक्राइब हुआ है। वहीं, नॉन-इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स कैटेगरी में 868.05 गुना सब्सक्रिप्शन मिला है।

अब और तेजी से बढ़ेगी गांव वालों की आमदनी

सरकार ने राष्ट्रीय पशुधन मिशन के विस्तार संबंधी प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में कल यानी बुधवार की शाम केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक हुई है। इसमें राष्ट्रीय पशुधन मिशन कुछ और संशोधन को मंजूरी दी गई। बताया जा रहा है कि इससे गांवों में रहने वाले लोगों की आमदनी में और इजाफा हो सकेगा। हम आपको यहां बता रहे हैं कि क्या है राष्ट्रीय पशुधन मिशन और इसमें किन-किन गतिविधियों को शामिल किया गया है।

इस आशय का फैसला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में कल हुई मंत्रिमंडल की बैठक में लिया गया

राष्ट्रीय पशुधन मिशन (एनएलएम) की शुरुआत साल 2014-15 के दौरान की गई थी। इसके शुरू करने का उद्देश्य सतत, सुरक्षित और न्यायसंगत पशुधन विकास के माध्यम से पशु पालकों और किसानों, विशेष रूप से छोटे किसानों के पोषण और जीवन स्तर में सुधार करना था। यह व्यापक रूप से पशुधन उत्पादन प्रणालियों में मात्रात्मक और गुणात्मक सुधार सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक सभी कार्यकलापों और सभी हितधारकों की क्षमता निर्माण को कवर करता है। मिशन के प्रमुख परिणाम आहार और चारे की मांग

और उपलब्धता में अंतर को कम करना, स्वदेशी नस्लों का संरक्षण और सुधार करना, सतत् और पर्यावरण के अनुकूल तरीके से उच्च उत्पादकता और उत्पादन, विशेष रूप से वर्षा वाले क्षेत्रों में और भूमिहीन, छोटे और सीमांत किसानों के लिए आजीविका के अवसरों में वृद्धि करना, जागरूकता में वृद्धि करना, जोखिम कवरेज में सुधार करना और उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण बेहतर पशु उत्पाद उपलब्ध कराना, पशु पालकों का समग्र सामाजिक-आर्थिक उत्थान करना है।

राज्य सरकारों को भी अब मिलेगी सहायता?

इसके साथ ही घोड़े, गधे और ऊंट के नस्ल संरक्षण के लिए राज्य सरकारों को भी सहायता दी जाएगी। केंद्र सरकार घोड़े, गधे और ऊंट के लिए वीर्य स्टेशन और न्यूक्लियस प्रजनन फार्म की स्थापना के लिए 10 करोड़ रुपये देगी। यह राशि निजी कंपनियों, स्टार्टअप/ एसएचजी/ एफपीओ/ एफसीओ/ जेएलजी/ किसान सहकारी समितियों (एफसीओ) को 50 लाख रुपये तक 50 प्रतिशत पूंजी सब्सिडी के साथ चारा बीज प्रसंस्करण बुनियादी ढांचे (प्रसंस्करण और ग्रेडिंग इकाई/चारा भंडारण गोदाम) के लिए उद्यमियों की स्थापना, धारा 8 कंपनियां, ग्रेडिंग संयंत्रों के साथ-साथ बीज भंडारण गोदामों सहित भवन निर्माण, रिसीविंग शेड, सुखाने का प्लेटफार्म और मशीनरी जैसे बुनियादी ढांचे की स्थापना के लिए है। केबिनेट की बैठक खत्म होने के बाद बताया गया कि परियोजना की शेष लागत की व्यवस्था लाभार्थी द्वारा बैंक वित्त या स्व-वित्तपोषण के माध्यम से की जानी चाहिए।

अब क्या हुआ है बदलाव?

सरकार ने राष्ट्रीय पशुधन मिशन में अब कुछ अतिरिक्त गतिविधियों को शामिल करने का फैसला किया है। इसके साथ ही राष्ट्रीय पशुधन मिशन में और संशोधन को भी मंजूरी दे दी है। योजना में नई गतिविधियों में व्यक्तियों, एफपीओ, एसएचजी, जेएलजी, एफसीओ और धारा 8 कंपनियों को प्रदान की जाने वाली 50 लाख रुपये तक की 50 प्रतिशत पूंजी सब्सिडी के साथ घोड़े, गधे, खच्चर, ऊंट के लिए उद्यमिता की स्थापना शामिल है।

चारे की खेती के क्षेत्र में भी होगा इजाफा?

बताया गया कि अब चारे की खेती के क्षेत्रों को बढ़ाने के लिए राज्य सरकार को गैर-वन भूमि, बंजर भूमि/रेंज भूमि/गैर-कृषि योग्य भूमि के साथ-साथ वन भूमि में चारे की खेती और वन भूमि के साथ-साथ वनों से चारा उत्पादन के लिए सहायता दी जाएगी। इससे देश में चारे की उपलब्धता बढ़ेगी।

पशुधन बीमा कार्यक्रम में क्या हुआ बदलाव?

पशुधन बीमा कार्यक्रम को भी सरल बनाया गया है। किसानों के लिए प्रीमियम में लाभार्थी का हिस्सा कम कर दिया गया है और यह 15 प्रतिशत होगा, जबकि मौजूदा लाभार्थी हिस्सा 20 प्रतिशत, 30 प्रतिशत, 40 प्रतिशत और 50 प्रतिशत है। प्रीमियम की शेष राशि केंद्र और राज्य द्वारा सभी राज्यों के लिए 60:40 के अनुपात में साझा की जाएगी। बीमा किए जाने वाले पशुओं की संख्या भी भेड़ और बकरी के लिए 5 मवेशी इकाई के बजाय 10 मवेशी इकाई तक बढ़ा दी गई है। इससे पशुपालकों को न्यूनतम राशि चुकाकर अपने पशुओं का बीमा कराने में सुविधा होगी।

भारत ने पश्चिमी देशों को बेचा 6.65 अरब डॉलर का रूसी तेल, जामनगर रिफाइनरी का रहा बड़ा हिस्सा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने पश्चिमी देशों को 6.65 अरब डॉलर के रूसी कच्चे तेल का निर्यात किया है। वहीं, अमेरिका ने भारत से 1.2 अरब यूरो का क्रूड खरीदा है। फिनलैंड की सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर (सीआरईए) ने एक रिपोर्ट में कहा, यूक्रेन पर हमले के विरोध में अमेरिका की अगुवाई में पश्चिमी देशों

ने दिसंबर, 2022 में रूसी तेल के आयात का मूल्य दायरा तय कर दिया था। इसके बाद के 13 माह में रूसी क्रूड से शोधित पेट्रोलियम उत्पादों के भारतीय निर्यात में पश्चिी देशों का हिस्सा एक तिहाई रहा है। इन देशों को भारत ने 6.65 अरब डॉलर का रूसी तेल से निर्यात किया है।

जामनगर रिफाइनरी ने 5.2 अरब यूरो का किया निर्यात– भारत ने निर्यात के लिए 3.04 अरब यूरो का क्रूड रूस से आयात किया था। पश्चिमी देशों को किए निर्यात में बड़ा हिस्सा जामनगर स्थित रिलायंस रिफाइनरी का रहा है। इसने 5.2 अरब यूरो का निर्यात किया है।

आयात बिल कम करने में मिली मदद– सीआरईए ने कहा, भारत ने बीते दो साल में रूस से बड़े पैमाने पर क्रूड का आयात किया है।

देश के गन्ना किसानों को केंद्र का तोहफा, खरीद मूल्य में 25 रुपये प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी

नई दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा चुनाव से पहले केंद्र सरकार ने किसानों के हित में बड़ा फैसला लेते हुए गन्ने के उचित और लाभकारी मूल्य (एफआरपी) में सत्र 2024-25 के लिए प्रति क्विंटल 25 रुपये की वृद्धि की है। पहले गन्ने का प्रति क्विंटल खरीद मूल्य 315 रुपये था। अब यह बढ़कर 340 रुपये प्रति क्विंटल हो गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में कैबिनेट ने बुधवार को यह निर्णय लिया।

केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने इसे गन्ने की ऐतिहासिक कीमत बताया और कहा कि सत्र 2023-24 के गन्ने की एफआरपी से यह लगभग आठ प्रतिशत और लागत से 107 प्रतिशत अधिक है। नया एफआरपी 10 फरवरी से प्रभावी होगा। इससे गन्ना किसानों की आमदनी में इजाफा होगा। केंद्र सरकार के इस फैसले से पांच करोड़ से अधिक गन्ना किसानों और चीनी क्षेत्र से जुड़े लाखों अन्य लोगों को फायदा होगा। यह फैसला किसानों की आय दोगुनी करने की मोदी की गारंटी को पूरा करने में भी सहायक होगा।

उल्लेखनीय है कि भारत के गन्ना किसानों को पहले से ही दुनिया में गन्ने की सबसे ज्यादा कीमत दी जा रही है। फिर भी सरकार घरेलू उपभोक्ताओं को सबसे सस्ती चीनी उपलब्ध करा रही है। सरकार के इस फैसले के बाद अब चीनी मिलें गन्ने की एफआरपी 10.25 प्रतिशत की रिकवरी पर 340 रुपये प्रति क्विंटल की दर से भुगतान करेंगी। प्रत्येक 0.1 प्रतिशत की अधिक रिकवरी पर किसानों को 3.32 रुपये की अतिरिक्त कीमत मिलेगी, जबकि 0.1 प्रतिशत की कमी होने पर समान राशि की कटौती की जाएगी।

अनुराग ठाकुर ने बताया कि पिछले दस वर्षों में मोदी सरकार ने किसानों को उनकी फसल का सही मूल्य उचित समय पर दिलाने का प्रयास किया है। पिछले सत्र यानी 2022-23 का 99.5 प्रतिशत गन्ना बकाये का भुगतान कर

दिया गया है। सरकार के नीतिगत हस्तक्षेप के चलते चीनी मिलें भी आत्मनिर्भर हो गई हैं और अब उन्हें कोई वित्तीय सहायता नहीं दी जा रही है।

पशुधन बीमा में लगेगा सिर्फ 15 प्रतिशत प्रीमियम– केंद्र सरकार ने पशुधन बीमा को भी सरल बनाया है। पशुपालकों को अब प्रीमियम के हिस्से का 15 प्रतिशत ही देना होगा। शेष राशि केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा 60 और 40 के अनुपात में देय होगी। पहाड़ी राज्यों में केंद्र सरकार 90 प्रतिशत प्रीमियम देगी। बीमा किए जाने वाले पशुओं की अधिकतम संख्या भी बढ़ा दी गई है। भेड़ और बकरी के लिए पांच मवेशी की जगह अब संख्या 10 कर दी गई है। इससे पशुपालकों को न्यूनतम राशि चुकाकर अपने बहुमूल्य पशुओं का बीमा कराने में सुविधा होगी। केंद्रीय कैबिनेट ने राष्ट्रीय पशुधन मिशन को विस्तार दिया है।

घोड़ा, गधा, खच्चर एवं ऊंट से संबंधित उद्यमिता के लिए व्यक्तियों, एफपीओ एवं कंपनियों को अब 50 लाख तक की सहायता दी जाएगी, जिसकी लगभग आधी राशि अनुदान की होगी। साथ ही इन पशुओं के नस्ल संरक्षण के लिए भी सहायता दी जाएगी। नस्ल में सुधार एवं प्रजनन फार्म के लिए 10 करोड़ रुपये तक की मदद दी जाएगी। इसके अतिरिक्त चारा बीज प्रसंस्करण, भंडारण एवं चारागाह को प्रोत्साहित करने के लिए निजी कंपनियों, स्टार्ट-अप, एफपीओ एवं सहकारी समितियों को 50 लाख तक की पूंजी 50 प्रतिशत की सब्सिडी पर दी जाएगी।

2027 तक भारत बनेगा तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत 2027 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होगा। 2047 तक 35 लाख करोड़ डॉलर की जीडीपी बनने के लिए इसे तेज रफ्तार से बढ़ने की जरूरत है। जी20 में भारत के शेरपा अमिताभ कांत का कहना है कि भारत को विकसित अर्थव्यवस्था बनने का लक्ष्य हासिल करने के लिए अगले तीन दशक तक हर साल 9-10 फीसदी की दर से वृद्धि करने की जरूरत है।

नीति आयोग के पूर्व प्रमुख कांत ने बुधवार को एक कार्यक्रम में कहा, भारत उस समय से काफी आगे बढ़ चुका है, जब उसे बहीखाते की समस्याओं का सामना करना पड़ा था। आने वाले वर्षों में देश टिकाऊ शहरीकरण, बढ़ी कृषि उत्पादकता व बढ़े निर्यात के दम पर आगे बढ़ेगा। उन्होंने आगे कहा कि जापान, ब्रिटेन एवं जर्मनी सभी देशों के मंदी के दौर में चले जाने पर अब हमें लक्ष्य को और अधिक तेजी से पाने में सक्षम होना चाहिए। भारतीय जीडीपी का आकार मौजूदा मूल्य के आधार पर 31 मार्च, 2024 तक

करीब 3.6 लाख करोड़ डॉलर होने का अनुमान है।

डीपीआई हमारी बड़ी ताकत– कांत ने कहा, पश्चिमी देशों में सारे नवाचार गूगल, फेसबुक, अमेजन और एपल जैसी कंपनियों से आए। इसके उलट, भारत ने डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे (डीपीआई) की ताकत को दर्शाया है। यह अर्थव्यवस्था व नवाचार के लिहाज से हमारे लिए बड़ी ताकत बना है।

10 फीसदी विकास दर के लिए निर्यात पर ध्यान देना जरूरी : पनगढ़िया– 16वें वित्त आयोग के चेयरमैन अरविंद पनगढ़िया ने कहा, भारत को 10 फीसदी की वृद्धि दर हासिल करने के लिए निर्यात पर ध्यान देने की जरूरत है। भारत में औद्योगिक नीति और आयात प्रतिस्थापन के लिए बौद्धिक समर्थन मजबूत बना हुआ है। पनगढ़िया ने कहा, मैंने सिंगापुर, ताइवान, द. कोरिया व भारत जैसे सफल देशों को देखा है। निष्कर्ष स्पष्ट है कि जो देश खुले हैं, वे तेजी से विकसित हुए हैं।

नियामक बहुत रूढ़िवादी न हों, वित्तीय क्षेत्र में होने वाली गड़बड़ियों पर बोले उदय कोटक

नई दिल्ली, एजेंसी। पेटीएम पेमेंट्स बैंक पर हुई आरबीआई की कार्रवाई के बीच वरिष्ठ बैंकर उदय कोटक ने वित्तीय क्षेत्र में होने वाली गड़बड़ियों पर नियामकों से त्वरित कार्रवाई करने की अपील की है। कोटक ने बुधवार को कहा कि नियामकों को बहुत रूढ़िवादी और या बहुत ज्यादा सतर्क नहीं होना चाहिए बल्कि वित्तीय क्षेत्र में होने वाली दुर्घटनाओं से निपटने में तेजी लानी चाहिए। उन्होंने कहा कि जीरो एक्सीडेंट पॉलिसी भी खतरनाक है। यदि आप तेजी से बढ़ना चाहते हैं, तो अच्छे नियमों की आवश्यकता होगी। कोटक महिंद्रा बैंक के संस्थापक निदेशक उदय कोटक ने एआईएमए (ऑल इंडिया मैनेजमेंट एसोसिएशन) की ओर से नई दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में

कहा, हमारे यहां कुछ गड़बड़ियां हो सकती हैं, लेकिन महत्वपूर्ण यह है कि हम कितनी तेजी से प्रतिक्रिया करते हैं और गड़बड़ियों को ठीक करते हैं। उन्होंने कहा कि अतीत को देखते हुए नियामकों को बहुत रूढ़िवादी या सतर्क नहीं होना चाहिए। बल्कि एक बेहतर नियामकीय वातावरण बनाया जाना चाहिए।

कर्मचारियों की सैलरी में इस साल 9.5 फीसदी बढ़ोतरी का अनुमान

ग्लोबल प्रोफेशनल फर्म एऑन के सर्वे में सामने आई बात, मैन्युफैक्चिरिंग सेक्टर में मिल सकता है सबसे ज्यादा इंक्रीमेंट

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में महंगाई लगातार बढ़ रही है। ऐसे में कर्मचारियों को अपनी सैलरी में भी बढ़ोतरी का इंतजार है। इस साल कर्मचारियों की सैलरी में कितना इजाफा हो सकता है। एक सर्वे में यह बात सामने आई है। ग्लोबल प्रोफेशनल फर्म एऑन के वार्षिक वेतनवृद्धि और कारोबार सर्वेक्षण 2023-24 भारत के मुताबिक, भारत में इस साल कर्मचारियों की सैलरी में 9.5 फीसदी बढ़ोतरी का अनुमान है। यह साल 2023 की वास्तविक वेतनवृद्धि 9.7 फीसदी से थोड़ा कम है। सर्वे के मुताबिक, वैश्विक महामारी के बाद 2022 में उच्च वेतनवृद्धि के बाद भारत में वेतन वृद्धि एक अंक यानी 10 फीसदी से कम पर स्थिर हो गई है। सर्वेक्षण में करीब 45 उद्योगों की 1,414 कंपनियों

के आंकड़ों का विश्लेषण किया गया है। एऑन का कहना है कि चार में से तीन कंपनियां 2024 में 9 फीसदी से ज्यादा की बढ़ोतरी करेंगी।

कंपनी के वार्षिक वेतन वृद्धि और टर्नओवर सर्वेक्षण 2023-24 भारत में कहा गया है कि इस वर्ष 10.1 फीसदी वेतन वृद्धि के साथ मैन्युफैक्चिरिंग सेक्टर सबसे आगे रहेगा। वहीं प्रोडक्ट्स कंपनी 9.5 फीसदी की बढ़ोतरी दे सकती हैं, जबकि सर्विस कंपनियों में 8.2 प्रतिशत की बढ़ोतरी की उम्मीद है। यहां तक कि स्टार्टअप भी पुरानी आईटी सेवा फर्मों की तुलना में बेहतर भुगतान कर सकते हैं।

इन देशों से आगे रहेगा भारत

बहुराष्ट्रीय कंपनियों के वैश्विक क्षमता केंद्र (जीसीसी) 9.8 फीसदी की बढ़ोतरी दे सकते हैं। इसमें सबसे ज्यादा वेतन वृद्धि वित्तीय संस्थानों में 9.9 प्रतिशत अनुमानित है। एओन के अध्ययन से पता चलता है कि साल 2023 में नौकरी छोड़ने की दर 18.7 प्रतिशत थी, जबकि 2021 और 2022 में यह 21 फीसदी से ज्यादा थी। दुनिया के अन्य एशिया प्रशांत देशों और ऑस्ट्रेलिया की तुलना में भारत में वेतन वृद्धि काफी अधिक होने की उम्मीद है। इसमें बांग्लादेश दूसरे नंबर पर है, जहां 7.3 फीसदी बढ़ोतरी की उम्मीद है। चीन में 2023 में वृद्धि 5.5 प्रतिशत थी और 2024 में 5.7 फीसदी होने की उम्मीद है। जापानी कंपनियों द्वारा 2023 में 3.3 प्रतिशत के मुकाबले 3.6 फीसदी देने की उम्मीद है। एओन ने 45 उद्योगों में 1,414 फर्मों के डेटा का विश्लेषण किया है।

भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौता निष्पक्ष, न्यायसंगत और संतुलित होना चाहिए, कार्यक्रम में बोले पीयूष गोयल

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार को दिल्ली में दूसरे सीआईआई इंडिया-यूरोप बिजनेस एंड सस्टेनेबिलिटी कॉन्क्लेव के विशेष सत्र को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने भारत और यूरोपीय संघ के बीच मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) को निष्पक्ष, न्यायसंगत और संतुलित रखने पर जोर दिया।

मंत्री गोयल ने समारोह में कहा, हमारा मानना है कि मुक्त व्यापार समझौते या द्विपक्षीय समझौते निष्पक्ष, न्यायसंगत और संतुलित होने चाहिए। दुनियाभर के देशों को यह पहचानने की जरूरत है कि तेजी से बढ़ते देश के रूप में

भारत 2047 तक 35 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के लिए तैयार है।

जी20 की अध्यक्षता का किया जिक्र– केंद्रीय मंत्री ने भारत के जी20 की अध्यक्षता के पिछले वर्ष को एक सफल वर्ष के रूप में भी बताया। इसके अलावा उन्होंने ग्लोबल बायोफ्यूल एलायंस और भारत मध्य-पूर्व आर्थिक गलियारा (आईएमईसी) दोनों के शुभारंभ का भी जिक्र किया। मंत्री गोयल ने कहा कि ये दोनों पारदर्शी माध्यम से दुनियाभर में वृद्धि, विकास और निष्पक्ष व्यापार प्रणाली सुनिश्चित करेंगे।

संक्षिप्त समाचार

प्रीमियर लीग

हालैंड के गोल से सिटी ने ब्रेंटफोर्ड पर दर्ज की जीत

मैनचेस्टर, एजेंसी। प्रीमियर लीग में पिछले सत्र में हालैंड 21 टीमों के खिलाफ खेले हैं, लेकिन ब्रेंटफोर्ड एक ऐसी टीम थी, जिसके खिलाफ उन्होंने गोल नहीं किया था। हालैंड के सिटी और नॉर्वे के साथी ऑस्कर बॉब ने कहा कि हालैंड दुनिया में सर्वश्रेष्ठ हैं। एक समय ऐसा लग रहा था कि मैनचेस्टर सिटी लगातार दूसरा मुकाबला ड्रॉ खेलने जा रहा है, लेकिन एर्लिंग हालैंड ने खेल के 71वें मिनट में

गोलकर सिटी को ब्रेंटफोर्ड पर 1-0 से जीत दिला दी। इस जीत के साथ मैनचेस्टर सिटी इंग्लिश प्रीमियर लीग में दूसरे स्थान पर पहुंच गया है। शीर्ष पर मौजूद लिवरपूल (57) और सिटी (56) के बीच सिर्फ एक अंक का फासला रह गया है। आर्सेनल 55 अंक के साथ तीसरे स्थान पर है और सिटी से एक अंक पीछे हैं। तीनों टीमों ने 38 में से 25-25 मैच खेले हैं।

पहला हाफ गोलरहित रहा

सिटी ने पिछले मैच में चेल्सी के खिलाफ 1-1 से ड्रॉ खेला था। यहां भी कोच पेप गॉर्डिओला की योजनाएं सफल होती नहीं दिखाई दे रही थीं।

इंडियन वेल्स खिताब

डिफेंड करने कोर्ट पर लौटेंगे चोटिल अल्कराज

नई दिल्ली, एजेंसी। चोट से जूझ रहे कार्लोस अल्कराज टेनिस के शिखर पर जाने के लिए बेताब हैं। साथ ही उन्हें उम्मीद है कि वो इंडियन वेल्स खिताब का डिफेंड करने के लिए जल्दी फिट हो जाएंगे। कार्लोस अल्कराज ने अपने सोशल मीडिया पर चोट की अपडेट शेयर की है। मंगलवार को थियागो मोंटियरो के खिलाफ

रियो डी जनेरियो में अपने पहले मैच में अल्कराज चोटिल हो गए थे, इसके बाद उन्हें मैच को बीच में ही छोड़ना पड़ा। पूर्व विश्व नंबर 1 ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, इस चोट के बाद मेरे टखने का एमआरआई हुआ। मेरे डॉक्टर और फिजियोथेरेपिस्ट ने जांच के बाद बताया कि यह एक ग्रेड सेकेंड मोच है। इसके कारण मुझे कुछ समय के लिए कोर्ट से बाहर रहना पड़ेगा! लास वेगास और इंडियन वेल्स में मिलते हैं! इंडियन वेल्स में मौजूदा चैंपियन के रूप में अल्कराज को एटीपी मास्टर्स 1000 का बचाव करने के लिए विश्व नंबर 2 रैंकिंग के लिए जैनिक सिनर की चुनौती का सामना करना पड़ेगा।

इंडिया वर्सेस इंग्लैंड चौथे टेस्ट

आकाश दीप कर सकते हैं रांची टेस्ट में डेब्यू

लेंगे जसप्रीत बुमराह की जगह

रांची, एजेंसी। भारत और इंग्लैंड के बीच 5 मैचों की रोमांचक टेस्ट सीरीज का चौथा टेस्ट मैच रांची में 23 फरवरी से खेला जाएगा। भारत इस वक्त सीरीज में 2-1 से आगे है। वहीं बीसीसीआई ने हाल ही में चौथे टेस्ट से पहले अपने स्क्वाड में बदलाव किया। अनुभवी गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को वर्कलोड मैनेजमेंट के तहत चौथे टेस्ट से आराम दिया गया है और उनकी जगह मुकेश कुमार को टीम में शामिल किया गया है। वहीं केएल राहुल भी चौथे टेस्ट से बाहर हो गए हैं। अब सवाल उठता है कि बुमराह की जगह खेलेगा कौन? आइये आपको बताते हैं।

ले सकते हैं बुमराह की जगह

चौथे टेस्ट में बिहार के रहने वाले तेज गेंदबाज आकाश दीप जसप्रीत बुमराह की जगह ले सकते हैं। उन्होंने हाल ही में इंग्लैंड लायंस के खिलाफ अपनी गेंदबाजी से सबका दिल जीता था।

कोहली पांचवें टेस्ट के लिए करेंगे टीम में वापसी?

नईदिल्ली, एजेंसी। विराट कोहली इंग्लैंड के खिलाफ मौजूदा टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय स्क्वॉड का हिस्सा नहीं हैं। इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की सीरीज के पहले दो टेस्ट मैचों के लिए जब स्क्वॉड का

ऐलान किया गया था, तब विराट कोहली इसका हिस्सा थे। इसके बाद उन्होंने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) से पर्सनल लीव मांगी और पहले दो टेस्ट से बाहर हो गए। आखिरी तीन टेस्ट मैचों के लिए स्क्वॉड के ऐलान से पहले लगातार चर्चा हो रही थी कि क्या विराट की वापसी होगी? विराट ने अपनी छुट्टी बढ़ाई और वह बचे हुए तीन टेस्ट मैचों से भी बाहर हो गए। विराट कोहली दूसरी बार पिता बने हैं, 15 फरवरी को अनुष्का शर्मा ने बेटे को जन्म दिया, जिसका नाम अकाय कोहली रखा गया है।

आकाश दीप का फर्स्ट क्लास करियर

27 साल के आकाश दीप ने अब तक अपने फर्स्ट क्लास करियर में कुल 30 मैच खेले हैं। उनके नाम फर्स्ट क्लास क्रिकेट में कुल 104 विकेट हैं। वहीं उनका औसत 23.58 का है। इतना ही नहीं बल्कि आकाश दीप आईपीएल भी खेल चुके हैं। वह रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के लिए इंडियन प्रीमियर लीग में खेल चुके हैं।

उधर इंग्लैंड से खेलेंगे ओली रॉबिनसन

प्लेइंग-11 घोषित की; वुड और रेहान बाहर, शोएब बशीर को मौका

रांची। इंग्लैंड ने भारत के खिलाफ चौथे टेस्ट के लिए अपनी प्लेइंग-11 घोषित कर दी है। तेज गेंदबाज ओली रॉबिनसन को मार्क वुड की जगह शामिल किया गया। लेग स्पिनर रेहान अहमद भी बाहर हुए, उनकी जगह शोएब बशीर चौथा टेस्ट खेलेंगे। जेम्स एंडरसन और टॉम हार्टले टीम में अपनी जगह बनाने में कामयाब रहे। टीम ने अपने बैटिंग ऑर्डर में कोई बदलाव नहीं किया। दोनों टीमों के बीच 5 टेस्ट की सीरीज का चौथा मुकाबला 23 फरवरी से रांची में खेला जाएगा।

रॉबिनसन को वुड की जगह मौका

तेज गेंदबाज ओली रॉबिनसन को मार्क वुड की जगह शामिल किया गया। वुड ने पहला और तीसरा टेस्ट खेला था। पहले मैच में उन्हें कोई विकेट नहीं मिला लेकिन दूसरे मुकाबले में उन्होंने 4 विकेट लिए थे। रॉबिनसन के साथ 41 साल के तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन लगातार तीसरा टेस्ट खेलेंगे। वह पहला टेस्ट नहीं खेल सके थे, वहीं बाकी 2 टेस्ट में उन्हें 6 विकेट मिले। एंडरसन टेस्ट करियर में 700 विकेट पूरे करने से महज 4 विकेट दूर हैं।

रेहान अहमद बाहर, बशीर को मौका- इंग्लैंड टीम चौथे टेस्ट में भी 2 ही स्पेशलिस्ट स्पिनर्स के साथ उतरेगी। लेफ्ट आर्म स्पिनर टॉम हार्टले अपनी जगह बनाने में कामयाब रहे, वह सीरीज में टीम के टॉप विकेट टेकर भी हैं। वहीं लेग स्पिनर रेहान अहमद की जगह ऑफ स्पिनर शोएब बशीर शामिल हुए। बशीर ने दूसरे टेस्ट में डेब्यू किया था, तीसरे में उन्हें मौका नहीं मिला। वहीं अब वह चौथा टेस्ट खेलते नजर आएंगे। इनके अलावा पार्ट टाइम ऑफ स्पिनर जो रूट टीम के तीसरे स्पिनर रहेंगे।

बैटिंग ऑर्डर में बदलाव नहीं

इंग्लैंड ने अपने बैटिंग ऑर्डर में कोई बदलाव नहीं किया। जैक क्रॉले और बेन डकेट ओपनिंग करेंगे। ओली पोप, जो रूट और जॉनी बेयरस्टो मिडिल ऑर्डर में रहेंगे। बेन फोक्स विकेटकीपिंग करेंगे, वहीं बेन स्टोक्स ही कप्तान रहेंगे। स्टोक्स प्रैक्टिस सेशन में बॉलिंग करते हुए नजर आए थे। ऐसे में संभव है कि वह टीम के तीसरे गेंदबाज बने। वह सीरीज के शुरुआती 3 मैचों में बॉलिंग नहीं कर सके थे।

इंग्लैंड की प्लेइंग-11

जैक क्रॉले, बेन डकेट, ओली पोप, जो रूट, जॉनी बेयरस्टो, **बेन स्टोक्स (कप्तान)**, बेन फोक्स (विकेटकीपर), टॉम हार्टले, ओली रॉबिनसन, जेम्स एंडरसन और शोएब बशीर।

आप ये नहीं देख सकते तो दूसरी जॉब देखो

नो बॉल को लेकर अंपायर पर भड़के वानिंदु हसरंगा, कहा-

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका और अफगानिस्तान के बीच तीन मैचों की टी20 इंटरनेशनल सीरीज का आखिरी मुकाबला उस समय विवादों में आ गया, जब स्क्वॉयर लेग अंपायर ने श्रीलंका की पारी के आखिरी ओवर में एक नो बॉल को लीगल डिलीवरी करार दिया। गेंद को देखकर आसानी से कहा जा सकता था कि ये हाइट की नो बॉल थी, लेकिन अंपायर ने इसे लीगल करार दिया और खामियाजा श्रीलंका ने भुगता, क्योंकि टीम को तीन रनों से हार मिली। वहीं, मैच के बाद श्रीलंका की टी20 टीम के कप्तान वानिंदु हसरंगा ने अंपायर पर निशाना साधा और उनको नई जॉब तलाशने के लिए कहा। वानिंदु हसरंगा ने स्पष्ट रूप से कहा है कि अंपायर लिंडन हैनिबल को दूसरी नौकरी ढूंढनी चाहिए, क्योंकि दांबुला में अफगानिस्तान के खिलाफ तीसरे टी20 में रोमांचक मोड़ पर खड़े मैच के आखिरी ओवर के दौरान हैनिबल ने हाई फुलटॉस को लीगल डिलीवरी माना था। अफगानिस्तान के तेज गेंदबाज वफादार मोमंद की गेंद कामिंदु मेंडिस की कमर के ऊपर से गई थी। बल्लेबाज ने थोड़ा सा आगे निकलकर खेलने की कोशिश जरूर की, लेकिन आईसीसी की प्लेइंग कंडीशन्स के मुताबिक, अगर वे पोपिंग क्रीज में सीधे भी खड़े होते तो भी गेंद नो बॉल ही दी जानी थी।

हसंरगा ने मैच के बाद कहा, इंटरनेशनल मैच में इस तरह की बात नहीं होनी चाहिए। यदि यह (कमर की ऊंचाई के करीब) होता, तो कोई समस्या नहीं हो, लेकिन जो गेंद इतनी ऊपर जा रही है... अगर वह थोड़ी ऊपर जाती तो बल्लेबाज के सिर पर लगती। यदि आप यह नहीं देख सकते हैं, तो वह अंपायर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के लिए उपयुक्त नहीं है। अगर वह कोई दूसरा काम करता तो ज्यादा अच्छा होता।÷ जब ऐसा हुआ तब श्रीलंका को आखिरी तीन गेंदों पर 11 रनों की जरूरत थी।

बेन स्टोक्स रांची की पिच को देखकर हैरान, बोले- मैंने ऐसा पहले कभी नहीं देखा

नईदिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड की टेस्ट टीम के कप्तान बेन स्टोक्स रांची में भारत के खिलाफ आगामी चौथे टेस्ट की पिच से हैरान दिखे। उन्होंने दावा किया कि उन्हें समझ नहीं आ रहा कि यह कैसा बर्ताव करेगी। 32 वर्षीय ऑलराउंडर ने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि ट्रैक पर बहुत सारी घास है। हालांकि, जब करीब से देखा तो वहां काफी दरारें थीं।
हैदराबाद में सीरीज के पहले टेस्ट की पिच में काफी टर्न था। हालांकि, विशाखापट्टनम और राजकोट में अगले दो मैचों के लिए पिच काफी हद तक सही थी।
इन दोनों मैचों में काफी रन बने, लेकिन बैजबॉल यहां फेल रही। पिछले टेस्ट मैच में इंग्लैंड ने सीरीज में पहली बार दो तेज गेंदबाजों को मौका दिया, लेकिन यह देखना दिलचस्प होगा कि वे रांची में किस संयोजन के साथ जाते हैं।
चौथे टेस्ट से पहले बीबीसी स्पोर्ट से बात करते हुए स्टोक्स ने पिच के बारे में ये दावा किया, मैंने पहले कभी ऐसा कुछ नहीं देखा। मुझे कोई अंदाजा नहीं है, इसलिए मुझे नहीं पता कि क्या हो सकता है। यदि आप विपरीत छोरों के एक तरफ नीचे देखते हैं तो यह उससे बिल्कुल अलग दिखता है, जिसे मैं देखने का आदी हूं, खासकर भारत में। उन्होंने आगे बताया, चेंजिंग रूम से यह हरा और घास वाला दिखता था, लेकिन फिर आप वहां जाते हैं तो यह अलग दिखता है। बहुत डार्क और टेढ़ा-मेढ़ा और इसमें काफी दरारें थीं।

जितना श्रेय मिलना चाहिए था उतना नहीं मिला

नईदिल्ली, एजेंसी। रविचंद्रन अश्विन की गितनी भारत के महान खिलाड़ियों में होती है। उन्होंने अपने दम पर भारतीय टीम के लिए कई मैच जिताए हैं। अश्विन भारत के लिए दूसरे सबसे ज्यादा टेस्ट विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। उनकी कैरम बॉल का कोई सानी नहीं हैं। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट मैच में 500 विकेट पूरे किए हैं।

एबी डिविलियर्स ने कही ये बात

दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज बल्लेबाज एबी डिविलियर्स ने रविचंद्रन अश्विन की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा कि इस भारतीय ऑफ स्पिनर को जितना श्रेय मिलना चाहिए था उतना नहीं मिला। डिविलियर्स ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा कि क्या शानदार उपलब्धि है। बधाई अश्विन। आप उन खतरनाक गेंदबाजों में शामिल हो जिनके खिलाफ मैं खेला हूं। आप बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों विभाग में भारतीय क्रिकेट टीम की अमूल्य संपति हो। उन्होंने कहा कि वह इस खेल का दिग्गज खिलाड़ी है लेकिन उन्होंने जो प्रदर्शन किया और भारतीय टीम में जो भूमिका निभाई उसका उन्हें पर्याप्त श्रेय नहीं मिला।
अश्विन से पहले ये गेंदबाज कर चुके कमाल- रविचंद्रन अश्विन टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में दूसरे सबसे तेज 500 विकेट लेने वाले गेंदबाज बने थे। पहले नंबर पर मुथैया मुरलीधरन हैं। अश्विन से पहले मुथैया मुरलीधरन, शेन वॉर्न,जेम्स एंडरसन, अनिल कुंबले, स्टुअर्ट ब्रॉड, ग्लेन मैक्ग्रा, कर्टनी वाल्श, नाथन लायन टेस्ट क्रिकेट में 500 विकेट का आंकड़ा पार कर चुके हैं।

ऐसा रहा है अश्विन का करियर

रविचंद्रन अश्विन ने भारतीय टीम के लिए साल 2011 में टेस्ट में डेब्यू किया था। उन्होंने अभी तक टीम इंडिया के लिए 98 टेस्ट मैचों में 501 विकेट हासिल किए हैं। इसके अलावा वह निचले क्रम पर उतरकर बेहतरीन बल्लेबाजी भी करने में माहिर हैं।
उन्होंने भारतीय टीम के लिए अभी तक 3308 रन बनाए है, जिसमें पांच शतक शामिल हैं। अश्विन ने भारतीय टीम के लिए 116 वनडे मैचों में 156 विकेट और 65 टी-20 मैचों में 72 विकेट अपने नाम किए हैं।

शाहरुख को मिला बेस्ट एक्टर का

दादा साहब फाल्के इंटरनेशनल अवार्ड

मुंबई में फिल्म जगत के प्रतिष्ठित दादा साहब फाल्के इंटरनेशनल अवार्ड्स 2024 समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में रानी मुखर्जी, शाहरुख खान, बॉबी देओल, करीना कपूर, शाहिद कपूर और विक्रांत मैसी समेत फिल्म इंडस्ट्री के तमाम सेलेब्स शामिल हुए। शाहरुख को इस साल दादा साहब फाल्के पुरस्कार के लिए बेस्ट एक्टर के खिताब से नवाजा गया। उन्होंने बीते साल आई उनकी सुपरहिट फिल्म जवान के लिए यह अवार्ड जीता।

'जवान' में शाहरुख की को-स्टार रहीं नयनतारा ने बेस्ट एक्ट्रेस का पुरस्कार हासिल किया। शाहरुख ने अवार्ड मिलने के बाद स्पीच दी। शाहरुख ने कहा कि शुक्रिया सारे ज्यूरी मेंबर का जिन्होंने मुझे बेस्ट एक्टर के लायक समझा और बहुत साल हो गए मुझे बेस्ट एक्टर का अवार्ड नहीं मिला तो ऐसे लगने लगा था कि अब मिलेगा ही नहीं।

मुझे बहुत खुशी है। मुझे अवार्ड बहुत अच्छे लगते हैं, मैं थोड़ा लालची हूं, ग्रीडी हूं। मेरे से ज्यादा विनोद चोपड़ा को अच्छे लगते हैं। हम दोनों शेयर कर लेंगे विनोद। शाहरुख ने 'जवान' की पूरी टीम को भी शुक्रिया कहा। उन्होंने कहा कि मैं सच में बहुत खुश हूं कि लोगों ने मेरा काम पहचाना जो मैंने किया। किसी आर्टिस्ट का काम इंपोर्टेंट नहीं होता है, उनके आस-पास के लोग सभी चीजें साथ लेकर आते हैं।

'जवान' को बनाने में कई लोगों की मेहनत लगी है और उन्होंने मेरे अवार्ड जीतने में मदद की। मैं वादा करता हूं कि मैं हार्ड वर्क करता रहूंगा और इंडिया और विदेश में रह रहे लोगों को एंटरटेन करता रहूंगा। बता दें शाहरुख ने 2018 में आई जीरो के बाद एक्टिंग से लंबा ब्रेक ले लिया था। उन्होंने जनवरी 2023 में 'पठान' से वापसी की है।

बोले- उनके बयान का गलत मतलब निकाला गया

एवी राजू ने मांगी तृषा कृष्णन से माफी

राजू के विवादित टिप्पणी के बाद बीते दिन तृषा ने भी सोशल मीडिया पर अपनी प्रतिक्रिया दी थी। उन्होंने एक्स पर पूर्व अन्नाद्रमुक नेता को जमकर लताड़ लगाई थी। पूर्व अन्नाद्रमुक नेता एवी राजू ने अभिनेत्री तृषा कृष्णन पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने के बाद उनसे माफी मांग ली है। राजू ने कहा कि उनके बयान को गलत तरीके से पेश किया गया। एक वीडियो में तृषा से माफी मांगते हुए राजू ने कहा कि उनके बयानों का गलत मतलब निकाला गया। उनका इरादा अभिनेत्री को निशाना बनाने का बिल्कुल भी नहीं था। उन्होंने निर्देशक चरण, अभिनेता करुणास और अन्य लोगों से भी माफी मांगते हुए कहा कि अगर उन्होंने किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाई है तो उन्हें खेद है।

सान्या को मिला दादा साहब फाल्के पुरस्कार मिला

सान्या मल्होत्रा ने हाल ही में आयोजित दादा साहब फाल्के अवार्ड्स में बड़ी जीत के साथ एक बार फिर खुद को एक प्रतिभाशाली अभिनेत्री के रूप में स्थापित किया है। अभिनेत्री को कटहल में उनके प्रदर्शन के लिए कॉमिक रोल में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार मिला। यह पुरस्कार इस बात को रेखांकित करता है कि कैसे सान्या इंडस्ट्री में सबसे अधिक मांग वाले कलाकारों में से एक बनने की सीढ़ियाँ चढ़ रही है। सान्या ने कटहल में एक सम्मोहक प्रतिनिधित्व दिया, जिसमें निचली जाति के एक किरदार इंस्पेक्टर महिमा बसोड़ को अपने सूक्ष्म प्रदर्शन और शानदार कॉमिक टाइमिंग के साथ जीवंत किया गया। यह फिल्म काल्पनिक शहर मोबा पर आधारित है और यह विशेषाधिकार और सत्ता शोषण के मुद्दों पर प्रकाश डालती है।

महिमा के रूप में, सान्या ने पारंपरिक रूप से पुरुष-प्रधान पेशे में रहने वाली एक शक्तिशाली महिला किरदार की भूमिका निभाई। अपने चित्रण से उन्होंने प्रतिरोध और सामाजिक क्रांति का प्रतिनिधित्व किया। हास्य और भावनाओं के उनके उत्तम मिश्रण ने समीक्षकों और प्रशंसकों को समान रूप से मंत्रमुग्ध कर दिया, जिससे उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसा और सम्मान मिला। दादा साहब फाल्के पुरस्कार प्राप्त करना भारतीय सिनेमा में उनके उल्लेखनीय योगदान और प्रभावशाली प्रदर्शन देने के प्रति उनके समर्पण को स्वीकार करता है।

सान्या की जीत न केवल उनकी व्यक्तिगत उपलब्धि है बल्कि कहानी कहने की शक्ति पर भी प्रकाश डालती है। कटहल के अलावा, जवान और सैम बहादुर में सान्या का प्रशंसित प्रदर्शन उनकी बहुमुखी प्रतिभा को उजागर करता है। सान्या फिलहाल मिसेज की रिलीज की तैयारी कर रही हैं। जो प्रशंसित मलयालम फिल्म द ग्रेट इंडियन किचन की रीमेक है और आरती कदव द्वारा निर्देशित है। वह वरुण धवन के साथ बेबी जॉन में नजर आएंगी।

डॉन 3 में खलनायक की

भूमिका निभाने को लेकर इमरान ने तोड़ी चुप्पी

डॉन 3 इस समय बॉलीवुड की सबसे बड़े आगामी प्रोजेक्ट में से एक है। फरहान अख्तर द्वारा निर्देशित इस फिल्म में रणवीर सिंह मुख्य भूमिका में है, जो डॉन के रूप में नजर आएंगे। वहीं, कियारा आडवाणी फिल्म में रणवीर सिंह के अपोजिट नजर आएंगी। इसी बीच फिल्म में विलेन की भूमिका के लिए इमरान हाशमी के नाम की अटकलें तेज हैं, जिसको लेकर इमरान हाशमी ने अब अपनी चुप्पी तोड़ी है।

इमरान हाशमी ने डॉन 3 में विलेन की भूमिका को लेकर एक इंस्टाग्राम स्टोरी शेयर की है। इस स्टोरी में इमरान ने बताया कि वे डॉन 3 का हिस्सा नहीं हैं, उन्हें इस फिल्म के लिए कोई ऑफर नहीं मिला। अपने इंस्टाग्राम स्टोरी में इमरान ने लिखा, अपने फैंस और मीडिया को बताना चाहता हूं कि मैं कभी भी डॉन 3 का हिस्सा नहीं था। मुझे कभी भी इस फिल्म का ऑफर नहीं मिला। फिलहाल इमरान अपनी आगामी वेब सीरीज शोटाइम को लेकर चर्चा में हैं, जो 8 मार्च, 2024 को डिज्नी+हॉटस्टार पर रिलीज होगी। इसका निर्देशन मिहिर देसाई और अर्चित कुमार ने किया है। इस सीरीज में इमरान हाशमी के अलावा मौनी रॉय, श्रिया सरन, नसीरुद्दीन शाह, महिमा मकवाना और राजीव खंडेलवाल भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं।

करण जौहर की प्रोडक्शन कंपनी धर्मॉटिक एंटरटेनमेंट ने इस सीरीज प्रोड्यूस किया है। वहीं, अगर डॉन 3 की बात करे तो इस फिल्म के साथ फरहान अख्तर 13 साल बाद निर्देशक के रूप में वापसी कर रहे हैं। इससे पहले उन्होंने साल 2011 में डॉन 2 का निर्देशन किया था, जिसमें शाहरुख खान मुख्य भूमिका में थे। इस फिल्म के पहले पार्ट का निर्देशन भी फरहान अख्तर ने ही किया था और उसमें भी शाहरुख मुख्य भूमिका में थे।

दिव्या खोसला ने हटाया पति भूषण कुमार का सरनेम

बॉलीवुड में इन दिनों तेजी से अलग होने के समाचार सामने आ रहे हैं। कुछ दिनो पूर्व ही धर्मेन्द्र और हेमामालिनी की बेटी ईशा भरत तख्तानी ने अपने पति भरत तख्तानी से तलाक लिया था। इनके तलाक से पहले इनके अलग होने के समाचार आने लगे थे।

अब ऐसा ही मामला सुप्रसिद्ध फिल्म निर्माता और टीसीरीज के मालिक भूषण कुमार और उनकी पत्नी अभिनेत्री और निर्देशिका दिव्या खोसला कुमार को लेकर आ रहे हैं। दिव्या खोसला कुमार, बॉलीवुड के पॉपुलर प्रोड्यूसर भूषण कुमार की पत्नी हैं। भूषण और दिव्या की लव मैरिज है और दोनों ने हमेशा एक-दूसरे को पर्सनली और प्रोफेशनली सपोर्ट किया है। लेकिन अब ऐसे खबर आ रही है कि दोनों पति-पत्नी के बीच शायद अब कुछ सही नहीं है। यह खबर तब आई जब फैंस ने नोटिस किया कि दिव्या ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपने नाम के आगे से कुमार सरनेम हटा दिया है। इतना ही नहीं यूजर्स ने रेडिट पर दिव्या के फॉलोइंग लिस्ट की भी स्क्रीनशॉट शेयर की जिससे पता चल रहा है कि दिव्या, भूषण कुमार की कंपनी टी सीरीज को भी फॉलो नहीं कर रही हैं। इस स्क्रीनशॉट को शेयर कर लिखा जा रहा है कि दिव्या ने आखिर कुमार सरनेम क्यों हटा दिया। क्या दोनों अब साथ नहीं हैं या अलग हो रहे हैं। हालांकि दोनों के बीच अनबन की खबर की पुष्टि हमारी वेबसाइट नहीं करती है।

बता दें कि कुछ समय पहले जब भूषण पर एक महिला ने आरोप लगाए थे तब दिव्या उनके सपोर्ट में खड़ी थीं। दिव्या ने कहा था, मेरे पति आज टी सीरीज को जिस मुकाम तक लेकर आए हैं उसके लिए उन्होंने बहुत मेहनत की है। लोग तो भगवान श्री कृष्ण तक के खिलाफ खड़े थे। माना कि मीटू मूवमेंट सोसाइटी से गलत लोगों का असली चेहरा सबको दिखाना है, लेकिन कुछ लोग इसका गलत फायदा उठा रहे हैं।

मैं हमेशा अपने पति के साथ खड़ी रही हूं। यह बहुत दुख की बात है कि लोग बिना किसी प्रूफ के किसी पर कुछ भी आरोप लगा लेते हैं। एक इंटरव्यू में दिव्या ने अपनी जर्नी के बारे में बात की थी और बताया था कि वह कभी काम को लेकर भूषण से मदद नहीं मांगती हैं। दिव्या ने कहा था, मैं कभी काम के लिए अपने पति पर निर्भर नहीं रही हूं। जब मैंने यारियां बनाई। उन्होंने स्क्रिप्ट तक नहीं सुनी। जब वह हिट हो गई तो उन्हें कॉन्फिडेंस आया कि मैं डायरेक्ट कर सकती हूं।

जारी होगा शैतान का ट्रेलर इस भाषा की फिल्म का है रीमेक

अजय देवगन और आर माधवन की फिल्म शैतान के लिए फैंस में जबरदस्त क्रेज नजर आ रहा है। दोनों एक्टर पहली बार एकसाथ स्क्रीन शेयर करेंगे। फिल्म में दोनों के बीच जबरदस्त भिड़ंत देखने को मिलेगी। यह वश नाम की गुजराती फिल्म का हिंदी रीमेक है। अब शैतान का नया पोस्टर सामने आया है, जिसमें दोनों अभिनेता आमने-सामने नजर आ रहे हैं। जहां माधवन का खूंखार अवतार दिख रहा है, वहीं अजय इस शैतान से भिड़ने के लिए तैयार हैं। शैतान 8 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म में जानी-मानी साउथ इंडियन एक्ट्रेस ज्योतिका भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। वह अजय की पत्नी का रोल निभा रही हैं। अजय ने पोस्टर शेयर करते हुए लिखा, जल्दी ही शुरू होगी अच्छाई बनाम बुराई की असली जंग। फिल्म के डायरेक्टर विकास बहल हैं। यह फिल्म जियो स्टूडियोज, देवगन फिल्म्स और पैनोरमा स्टूडियोज द्वारा प्रस्तुत और अजय देवगन, ज्योति देशपांडे, कुमार मंगत पाठक और अभिषेक पाठक द्वारा निर्मित है। अजय फिलहाल अपनी अगली फिल्म 'सिंघम अगेन' के निर्माण में भी लगे हुए हैं।

भूल भुलैया 3 में होगी एक और नायिका की एंट्री

भूल भुलैया 3 को लेकर फैंस में काफी एक्साइटमेंट है क्योंकि इस बार की स्टार कास्ट काफी मजेदार है। अब तक फिल्म में कार्तिक आर्यन, विद्या बालन के नाम का कन्फर्मेशन हो गया है और अब एक नई एक्ट्रेस की एंट्री होने वाली है। यह एक्ट्रेस फिल्म में कार्तिक के अपोजिट होंगी। हालांकि इस न्यूज को कार्तिक ने थोड़े अलग स्टाइल से शेयर किया है। उन्होंने फैंस के सामने एक पजल रखा है जिससे सबको अनुमान लगाना है। उन्होंने एक्ट्रेस की आधी फोटो शेयर की है और आधे की नहीं। इसके साथ कार्तिक ने लिखा, सॉल्व कीजिए इस भूल भुलैया को। भूल भुलैया मिस्ट्री गर्ल। वैसे कमेंट सेक्शन में आप देखेंगे कि ज्यादातर लोगों ने तृप्ति डिमरी का नाम लिया है। आप भी ध्यान से देखें और बताएं कि आपको कौन लग रहा है।

कई यूजर्स तो मजे ले रहे हैं कि रूह बाबा की लाइफ में आएगी भाभी नंबर 2। किसी ने लिखा कि एनिमल की भाभी नंबर 2 आ गई है अब भूल भुलैया में। दरअसल, तृप्ति इससे पहले एनिमल फिल्म में नजर आई थीं रणबीर कपूर के साथ। इस फिल्म में रणबीर का तृप्ति के साथ एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर होता है इसलिए एनिमल की रिलीज के बाद से तृप्ति को भाभी नंबर 2 से टैग किया जाता है। कुछ दिनों पहले खबर आई थी कि माधुरी दीक्षित भी फिल्म में नजर आएंगी।

वह इसमें दूसरी भूतनी का किरदार निभाएंगी यानी रूह बाबा की मंजुलिका और माधुरी के किरदार से टक्कर होगी। माधुरी को अब तक ऐसे रूप में नहीं देखा है तो फैंस को अब माधुरी के हॉरर लुक को देखने का इंतजार है।